RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 77
नई दिल्ली, रविवार, 19 जनवरी, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

दुनिया को देखना समझना सिखातीं बाल फिल्में
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

जान बचाने को छटपटा रहे दरिंदे

निर्भया मामला

● दोषी पवन ने अपने नाबालिग होने के मामले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती, सुनवाई 20 को

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक तरफ पूरा देश निर्भया के दोषियों को फांसी मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। फांसी का फंदा तैयार है और जेल के जल्लाद भी। जल्लाद ने तो दोषियों की डमी को लटकाकर फंदे को आजमाकर भी देख लिया है। दूसरी तरफ, वकील कानूनी खामियों का फायदा उठाते हुए दोषियों की जान बचाने के लिए फांसी टलवाने की हर संभव कोशिश में जुटे हैं।

जिस तरह वकीलों ने एक-एक कर दोषियों की क्यूरेटिव याचिकाएं दाखिल कर वक्त बर्बाद किया और दया याचिका दायर करते समय भी यही चाल चली, इससे मौत की सजा को अमल में लाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया की पेचिदगियों और खामियों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। दिसंबर 2012 में पैरामेडिकल इंटर्न 23 वर्षीय छात्रा निर्भया के साथ बस में दरिंदगी करने वाले छह में से चार दोषियों- विनय शर्मा (26), मुकेश कुमार (32), अक्षय कुमार सिंह (31) और पवन (25) को फांसी पर लटकाने का बीते शुक्रवार को ही नए सिरे से 1 फरवरी का डेथ वारंट जारी किया है। इससे पहले (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते निर्भया के माता- पिता

हम सोनिया की तरह बड़े दिल वाले नहीं : निर्भया के पिता

नई दिल्ली। निर्भया के पिता ने शनिवार को कहा कि वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह को इस सुझाव के लिए शर्म आनी चाहिए कि उनकी बेटी से सामूहिक बलात्कार मामले में मौत की सजा पाए चारों दोषियों को माफ कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का इतना बड़ा दिल नहीं है जितना कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का है। जयसिंह ने शुक्रवार को एक ट्वीट कर कहा था कि वह निर्भया की मां के दर्द से पूरी तरह अवगत हैं लेकिन उन्हें सोनिया गांधी के उदाहरण का अनुसरण करना चाहिए जिन्होंने नलिनी को माफ कर दिया था। इस पर निर्भया के पिता ने कहा कि हम सात वर्षों से इस मामले को लड़ रहे हैं। हम आम आदमी हैं न कि नेता। इससे पहले निर्भया की मां ने कहा था कि यदि भगवान भी आकर कहें- आशा दोषियों को माफ कर दो, तो मैं माफ नहीं करूंगी।

पांच साल की गुड़िया से बर्बरता में दो दोषी

● निर्भया मामले के चार माह बाद ही गांधी नगर में बनाया था हवस का शिकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली में 2013 में पांच वर्षीय बच्ची गुड़िया से सामूहिक बलात्कार के मामले में पोक्सो अदालत ने दो लोगों को दोषी ठहराया है। निर्भया मामले के अगले ही साल हुए इस दुष्कर्मकांड की बर्बरता ने दिल्ली ही नहीं, देश भर को हिला कर रख दिया था और व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए थे। फैसला सुनाते हुए अदालत ने भी शनिवार को कहा कि मामले ने समाज की सामूहिक चेतना को झकझोर दिया था। इस मामले में सजा की अवधि पर जिरह 30 जनवरी को होगी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार मल्होत्रा ने मनोज साह और प्रदीप कुमार को मामले में दोषी ठहराया और कहा कि महज पांच साल की बच्ची को काफी अनैतिकता एवं अति क्रूरता बर्दाश्त करनी पड़ी।

साह और कुमार ने 15 अप्रैल 2013 को गांधी नगर इलाके में लड़की से बलात्कार किया था और उसके निजी अंगों में वस्तुएं डाल दी थीं। अपराध करने के बाद दोषियों ने पीड़िता को मनोज के कमरे में मृत समझकर छोड़ दिया और वहां से फरार हो गए। बच्ची को 40 घंटे बाद 17 अप्रैल 2013 को बचाया गया था। साह और कुमार को दिल्ली पुलिस ने 2013 में बिहार के क्रमशः मुजफ्फरपुर और दरभंगा जिलों से गिरफ्तार किया था।

पोक्सो अदालत ने कहा कि हमारे समाज में छोटी बच्चियों की पूजा देवी की तरह होती है। बच्ची महज पांच साल की थी जिसे काफी अनैतिकता और अति क्रूरता का सामना करना पड़ा। पीड़िता के पिता ने अपनी बेटी को न्याय मिलने पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि हालांकि सुनवाई दो वर्षों में पूरी हो जानी चाहिए थी लेकिन हम खुश हैं कि छह वर्ष बाद, हमें न्याय मिल गया।

कानपुर में छेड़छाड़ पीड़िता की मां की पीट-पीटकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा। कानपुर

कानपुर के चकेरी क्षेत्र में छेड़छाड़ के मामले में पीड़िता की मां की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में शनिवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। मालूम हो कि चकेरी क्षेत्र में वर्ष 2018 में 15 साल की एक लड़की के साथ एक चमड़ा फैक्ट्री में कथित रूप से बलात्कार की कोशिश की गई थी।

इस मामले में महबूब, परवेज, आबिद और जमील नामक व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था लेकिन बाद में वे जमानत पर छूट गए थे। पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि चकेरी क्षेत्र में वर्ष 2018 में अपनी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ के मामले में गवाह रही एक महिला को इसी मामले में जमानत पर छूटे चार आरोपियों ने गत 9 जनवरी को कथित तौर पर समझौता न करने से नाराज होकर अपने तीन अन्य साथियों की मदद से बुरी तरह मारा पीटा था। गंभीर रूप से घायल उस महिला की शुक्रवार को लाला लाजपत राय अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वह महिला अपनी बेटी से छेड़छाड़ के मामले में गवाह भी थी और आरोपी उसे अदालत में गवाही देने से मना कर रहे थे। आरोपियों ने उसकी 26 वर्षीय (शेष पेज 9)

बहराइच में तेजाब से जला महिला का शव मिला

पायनियर समाचार सेवा। बहराइच

जिले के मुर्तिहा कोतवाली के जंगल से सटे इलाके में शनिवार सुबह एक युवती का शव मिला। युवती का चेहरा और शरीर के कई हिस्से तेजाब अथवा किसी रसायनिक द्रव्य से जले हुए हैं। पुलिस ने बताया कि कतर्नियाघाट जंगल से सटे कोतवाली मुर्तिहा के नौबना गांव में मवेशियों को चराने गए चरवाहों को झाड़ियों में एक युवती का शव दिखाई पड़ा। उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। युवती के चेहरे व शरीर पर तेजाब जैसे किसी पदार्थ से जलने के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर युवती के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने बताया, मृतक युवती की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। युवती का चेहरा व शरीर के कुछ हिस्से तेजाब अथवा किसी केमिकल से जलाए गए हैं। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सही आकलन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किया जा सकेगा। (शेष पेज 9)

बिजनौर में अज्ञात महिला का जला शव मिला

पायनियर समाचार सेवा। बिजनौर

बिजनौर जिले के एक बगीचे से करीब 28 साल की एक युवती का शव जली हुई अवस्था में मिला है। उसके शरीर पर गोली लगने का भी जख्म है। पुलिस ने बताया कि बिजनौर थाने के गजरौली शिव गांव में झलरा मार्ग पर बिशंबर के बाग में शुक्रवार शाम वहां के ठेकेदार गजंफर ने एक चारपाई उल्टी पड़ी देखी। उसके नीचे एक युवती का जला हुआ शव पड़ा था। कोतवाली प्रभारी रमेश चंद शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि इस युवती को पहले बाग में ही गोली मारी गई है। मौत होने के बाद उसकी पहचान छुपाने के लिए उसके शव को चारपाई के साथ जलाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि उसके एक हाथ में चूड़ी और कानों में सोने की बाली है। पुलिस का कहना है कि युवती की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। हत्या के पहले उसके साथ बलात्कार हुआ है या नहीं, ऐसे सवालों के जवाब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल सकेंगे।

बाजार

सेंसेक्स	41,945	
निफ्टी	12,352	
सोना	40,590	/10g
चांदी	47,756	/kg

क्विक न्यूज

भूषण पावर एंड स्टील के पूर्व चेयरमैन की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय सिंघल की 204 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। इसमें उनके दिल्ली और लंदन के आवास भी शामिल है।ईडी ने शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि कुर्की मनी लांड्रिंग रोधी कानून के तहत की गई। इस कुर्की में दिल्ली और लंदन की चल-अचल परिसंपत्तियां भी शामिल है। बयान के अनुसार, संजय सिंघल ने बीएसपीएल को मिले बैंक ऋण में से 204.31 करोड़ रुपए की राशि में हेरफेर किया और इसका उपयोग देश एवं विदेश में संपत्ति खरीदने में किया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग कानून से जुड़ी विशेष अदालत में यहां सिंघल एवं अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र में 24 लोगों और कंपनी को आरोपी बनाया गया है। अदालत ने सिंघल के खिलाफ 21 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया है। ईडी ने पिछले साल नवंबर में सिंघल को गिरफ्तार किया था, वह तब से न्यायिक हिरासत में है।

बीएसएफ नियुक्ति परीक्षा में धांधली को लेकर छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने बीएसएफ कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में कथित धांधली के संबंध में दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को छापे मारे। ये छापे दिल्ली, गाजियाबाद और गुरुग्राम में मारे गए। एजेंसी की तरफ से मामले के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ए छापेमारी की गई। सीबीआई ने गाजियाबाद के मुरादनगर के निवासी रवि कुमार और नई दिल्ली के पड़पड़गंज औद्योगिक क्षेत्र के सी एस डाटामेशन रिसर्च सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अलावा कई अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा में कथित अनियमितता के चलते अयोग्य उम्मीदवारों को बीएसएफ ने मेडिकल परीक्षण के लिए बुलाया। उन्होंने बताया कि यह भी आरोप है कि बीएसएफ में कॉन्स्टेबल (ट्रेड्समैन) की लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों से अवैध तरीके से पैसे लिए गए।

कांग्रेस ने अनुभव पर खेला दांव पहली सूची में 54 उम्मीदवार घोषित

संजय राय। नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। 54 उम्मीदवारों की सूची में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली, व तीन पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलोठिया, हारून यूसुफ व देवेंद्र यादव समेत शीला सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे डॉ. अशोक कुमार वालिया, केंद्र सरकार में मंत्री रहीं कृष्णा तीरथ का नाम शामिल है।

वहीं आम आदमी पार्टी से कांग्रेस में शामिल निलंबित अलका लांबा और टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री को भी चुनावी रण में उतारा है। दोनों ने पिछला चुनाव क्रमशः चांदनी चौक और द्वारका से जीता था। लांबा को चांदनी चौक से और शास्त्री को द्वारका से टिकट दिया गया है।

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा की बेटी शिवानी चोपड़ा को कालकाजी और चुनाव प्रचार समिति के प्रमुख कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम को संगम विहार से टिकट

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा की पुत्री शिवानी चोपड़ा को कालकाजी और चुनाव प्रचार समिति के प्रमुख कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम को संगम विहार से चुनाव मैदान में उतारा है।

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ पटपड़गंज सीट से लक्ष्मण रावत को टिकट दिया है। कांग्रेस ने 54 प्रत्याशियों में 10 अनुसूचित जाति व 10 महिलाओं को भी टिकट दिया है। 16 सीटों पर पेंच फंसा होने से नाम फाइनल नहीं हुए हैं। इनमें नई दिल्ली सीट भी है जहां मुकाबला मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन सीटों पर रणनीति की वजह से अभी उम्मीदवार तय नहीं किए गए हैं।

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 54 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान शनिवार देर शाम कर दिया। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और भाजपा के मुकाबले कांग्रेस ने कई पुराने चेहरों पर ही दांव लगाया है। वर्ष 2015 में केजरीवाल के तूफान में कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई थी। विधानसभा 2020 के लिए टिकट पाने वालों में पूर्व मंत्री अशोक कुमार वालिया को कृष्णा नगर, अरविंदर सिंह लवली को गांधी नगर और हारून यूसुफ को बल्लीमारान से उम्मीदवार बनाया गया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश (शेष पेज 9)

जम्मू कश्मीर में प्रीपेड मोबाइल सेवाएं बहाल

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने घाटी में प्रीपेड मोबाइल सेवाओं पर पांच महीने से लगी रोक को शनिवार को हटाने का आदेश दिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि इसके अलावा पूरे जम्मू क्षेत्र में पोस्टपेड कनेक्शनों पर 2जी मोबाइल डेटा सेवा भी बहाल कर दी गई। वहीं कश्मीर में पोस्टपेड मोबाइलों पर 2जी मोबाइल डेटा सेवा केवल दो जिलों - कुपवाड़ा और बांदीपोरा में शुरू की गई हैं। प्रशासन ने घाटी में सॉफ्टवेयर सेवाएं देने वाली कंपनियों से फिक्स्ड लाइन इंटरनेट संचार सेवा को सावधानीपूर्वक शुरू करने का भी आदेश दिया। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के प्रधान सचिव रोहित कंसल ने यहां संवाददाताओं से कहा, टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं को सक्षम अधिकारियों द्वारा आज (शनिवार को) जारी आदेश में बताए गए सभी सुरक्षा उपाय करने के बाद तत्काल प्रभाव से निर्देशों को अमल में लाने का निर्देश दिया गया है।

इस कदम से पहले उच्चतम न्यायालय ने 10 जनवरी को महत्त्वपूर्ण फैसला देते हुए जम्मू-कश्मीर प्रशासन से केंद्र शासित प्रदेश में प्रतिबंध लगाने संबंधी सभी आदेशों की एक हफ्ते के भीतर समीक्षा करने को कहा। केंद्र के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की पांच अगस्त की घोषणा की पूर्व संध्या पर जम्मू कश्मीर में इंटरनेट, (शेष पेज 9)

बेहमई नरसंहार मामले में केस डायरी गायब

पायनियर समाचार सेवा। कानपुर

● नहीं सुनाया जा सका फैसला अब 24 को आ सकता है निर्णय

डकैत से नेता बनी दिवंगत पूर्व सांसद फूलन देवी की कथित संलिप्तता वाले चार दशक पुराने बेहमई काण्ड मामले में कानपुर की एक विशेष अदालत अब 24 जनवरी को अपना फैसला सुना सकती है। विशेष जज सुधीर कुमार शनिवार को अपना फैसला सुनाने वाले थे। उन्होंने इस मामले की केस डायरी उपलब्ध न होने पर अदालत के कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की और केस डायरी को 24 जनवरी से पहले अदालत में पेश करने को कहा। मालूम हो कि फूलन देवी और उनके साथियों पर कानपुर देहात जिले के बेहमई गांव में 14 फरवरी 1981 को 20 लोगों की सामूहिक हत्या करने का आरोप है।

माना जाता है कि फूलन ने लाला राम तथा श्रीराम नामक दो लोगों से अपने बलात्कार का बदला लेने के लिए उस वारदात को अंजाम दिया था। फूलन ने वर्ष 1983 में मध्य प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। बेहमई काण्ड में फूलन समेत 35 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उनमें से आठ आरोपी पुलिस से हुई अलगअलग मुठभेड़ों में मारे गए थे। मुख्य अभियुक्त फूलन की 25 जुलाई 2001 को नई दिल्ली में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वक्त मामले के कुल सात अभियुक्त जिंदा हैं। उनमें से तीन फरार हैं। फूलन 11 साल तक मध्य प्रदेश की ग्वालियर और जबलपुर जेल में रहीं और वर्ष 1994 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा फूलन के खिलाफ मुकदमा वापस ले लिए जाने पर उन्हें रिहा कर दिया गया। हालांकि कानपुर की अदालत ने यादव के निर्णय को खारिज कर दिया था और उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बहाल रखा था। बहरहाल, फूलन कानूनी लड़ाई लड़ती रहीं। वर्ष 1996 में फूलन समाजवादी पार्टी के टिकट पर मिर्जापुर से सांसद चुनी गई थीं। उसके बाद वह 1999 में भी सांसद बनीं।

उत्तर भारत में शीत लहर का प्रकोप जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बारिश

हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर बारिश होने के साथ ही शनिवार को उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में शीत लहर का कहर जारी रहा। वहीं कश्मीर घाटी और लद्दाख में पारा जमावबिंदु से नीचे चला गया। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और पालम में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर का अधिकतम तापमान 17.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तर भारत की ओर जाने वाली करीब 20 ट्रेनें दो से पांच घंटे की देरी से चलीं। भारतीय मौसम विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण 21 जनवरी को दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन अगले आठ से 10 दिनों में तापमान में ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं है।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में शनिवार को ताजा बर्फबारी हुई। राज्य के मनाली, कुफरी और डलहौजी में न्यूनतम तापमान जमावबिंदु के पास पहुंचने से पर्यटकों को कंपकंपाती ठंड का सामना करना पड़ रहा है। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मनमोहन सिंह ने कहा कि प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे किन्नौर के कल्पा में पिछले 24 घंटों में 24.4 सेमी बर्फबारी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि डलहौजी में चार मिमी बारिश, मनाली में दो मिमी और चंबा में एक मिमी बारिश दर्ज की गई।

सावरकर पर शिवसेना-भाजपा में नहीं थम रही रार

● शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, सावरकर के विरोधियों को ब्रिटिश शासन के दौरान उन्हें हुई कठिनाइयों को समझने के लिए पिछली अंडमान सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारना चाहिए

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

शिवसेना सेना संजय राउत ने शनिवार को कहा कि जो लोग हिंदूवादी विचारक वी डी सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं उन्हें अंडमान की सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारने के लिए भेजा जाना चाहिए, जहां स्वतंत्रता सेनानी को कारावास के दौरान रखा गया था। राउत के इस बयान से वैचारिक रूप से भिन्न कांग्रेस और राकांपा के साथ

संजय राउत

महाराष्ट्र में सत्ता में साझेदारी कर रही उनकी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कांग्रेस सावरकर को देश का शीर्ष नागरिक सम्मान दिए जाने के विरुद्ध है जबकि दक्षिणपंथी दल उन्हें बड़े सम्मान की नजर से देखते हैं। राउत ने कहा, सावरकर के विरोधियों को ब्रिटिश शासन के दौरान उन्हें हुई कठिनाइयों को समझने के लिए (पिछली) अंडमान सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिसंबर, 2019 में भारत में बलात्कार संबंधी अपने बयान पर यह कहते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया था, मेरा नाम राहुल गांधी है, न कि राहुल सावरकर। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था। राउत के बयान पर महाराष्ट्र के मंत्री और युवा सेना के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे ने कहा कि (शेष पेज 9)

कालापानी की सजा पाए ऐसे लोग भारत रत्न के हकदार जिन्होंने अंग्रेजों से दया नहीं मांगी: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

वीडी सावरकर को भारत रत्न दिए जाने के विरोधियों पर शिवसेना नेता संजय राउत द्वारा निशाना साधे जाने के बाद कांग्रेस ने पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि हिंदुत्ववादी विचारधारा के समर्थकों को तत्कालीन अंडमान जेल का दौरा करना चाहिए ताकि वे उन स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान समझ सकें जिन्होंने कभी अंग्रेजों से माफी नहीं मांगी। कांग्रेस का यह बयान राउत की उस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं उन्हें कम से कम दो दिन तत्कालीन औपनिवेशिक जेल में बिताने चाहिए जिससे यह समझ सकें कि सजा के दौरान उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा होगा। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा केंद्र में बहुमत होने की वजह से सावरकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दे सकती है, अगर वह सावरकर के, बीआर आंबेडकर को माथेफिरु (कट्टर) और बौद्धों को राष्ट्रद्रोही कहने जैसे बयानों की अनदेखी करने की इच्छुक है। सावंत ने ट्वीट कर कहा, (शेष पेज 9)

सीएए लागू करने से कोई राज्य इनकार नहीं कर सकता: सिब्बल

पायनियर समाचार सेवा। कोझिकोड

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि संसद से पारित हो चुके नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने से कोई राज्य किसी भी तरह से इनकार नहीं कर सकता और ऐसा करना असंवैधानिक होगा। पूर्व कानून एवं न्याय मंत्री ने केरल साहित्य उत्सव के तीसरे दिन कहा, जब सीएए पारित हो चुका है तो कोई भी राज्य यह नहीं कह सकता कि मैं उसे लागू नहीं करूँगा। यह संभव नहीं है और असंवैधानिक है। आप उसका विरोध कर सकते हैं, विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर सकते हैं और केंद्र सरकार से (कानून) वापस लेने की मांग कर सकते हैं। लेकिन संवैधानिक रूप से यह कहना कि मैं इसे लागू नहीं करूँगा, अधिक समस्याएं पैदा कर सकता है।

नोएडा में अफसरों का बढ़ाया जाएगा भत्ता

कमिश्नरेट लागू होने के बाद प्राधिकरण के सामने मकान उपलब्ध कराने की समस्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में कमिश्नर प्रणाली लागू होने के बाद 38 नए अफसरों और 1600 पुलिसकर्मियों की संख्या जिले में बढ़ गई है। धीरे-धीरे अधिकारी और पुलिसकर्मी शहर में आने लगे हैं जिनके भवनों के लिए जुगाड़ प्रणाली लगाई जा रही है। इसी बीच उच्च पदस्थ अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ग्रेटर नोएडा में प्राधिकरण से मकान खरीदने की बात शुरू हो गई है जबकि नोएडा में अफसरों का आवास भत्ता बढ़ाया जाएगा। इसके जरिये अधिकारी शहर में मकान किराये पर लेकर आसानी से रह सकेंगे।

कमिश्नर आलोक सिंह समेत कई वरिष्ठ आईपीएस व पीपीएस अधिकारियों ने पदभार ग्रहण कर लिया है। ऐसे में अधिकारियों के लिए ऑफिस व आवास की समस्या पैदा हो गई है। सूरजपुर स्थित पुलिस मुख्यालय छोटा पड़ रहा है। जिले को तीन जोन में बांट डीसीपी की तैनाती तो कर दी गई है, लेकिन कौन अधिकारी कहां बैठेगा, इसका पता नहीं है। इसी बीच नोएडा के सेक्टर-108 में बने ट्रैफिक पार्क में नया पुलिस कमिश्नर ऑफिस बनाने का प्रस्ताव बनाया गया है जिस पर आरटीओ ऑफिस और प्राधिकरण दोनों ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

वहीं, दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की नई बिल्डिंग के टॉवर-टू में दो फ्लोर और शहर के विभिन्न सेक्टरों में खाली पड़े पांच सौ मकान अधिकारियों के रहने के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव प्राधिकरण सीईओ के पास भेजा गया है। प्राधिकरण बिल्डिंग में डीसीपी, एडीसीपी व एसीपी का ऑफिस खोलने की तैयारी चल रही है।

सेक्टर गामा-1 की ऑफिसर्स कॉलोनी में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा कुछ आवास बनाए गए हैं, जिसमें प्राधिकरण के साथ-साथ पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारी भी रहते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को छोड़ दें तो ज्यादातर अधिकारियों को सरकारी आवास नहीं मिल पाता।

सोमवार को सीएम करेंगे शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस कमिश्नर मुख्यालय का उद्घाटन सोमवार सुबह 11 बजे करेंगे। प्राधिकरण के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने बताया कि सीएम का प्रोटोकाल आ चुका है। सेक्टर-108 में ट्रैफिक पार्क में नए पुलिस कमिश्नर मुख्यालय बनाया जाएगा जो नोएडा और ग्रेटर नोएडा दोनों से समान दूरी पर रहेगा। दोनों शहरों के बिल्कुल बीच में होने की वजह से कमिश्नर यहां से पूरे शहर पर नजर रख सकेंगे और कहीं भी आने जाने में समस्या नहीं होगी। ग्रेनो प्राधिकरण की नई बिल्डिंग के टॉवर-टू में ऑफिस और सेक्टरों में खाली पड़े मकान आवंटित करने की मांग की गई है। यहां पर डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी के ऑफिस खोले जाएंगे। सेक्टरों में खाली पड़े मकान मिलने से आवास की दिक्कत खत्म हो जाएगी।

राजेश कुमार सिंह डीसीपी जोन-थर्ड गौतमबुद्ध नगर

● ग्रेनो प्राधिकरण के खाली पड़े 500 मकानों को आवंटित करने का प्रस्ताव सीईओ को भेजा

ग्रेनो मिनी मैराथन आज 5 किमी. लंबा होगा रूट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने 29वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्रेटर नोएडा मिनी मैराथन का आयोजन कर रहा है। यह मैराथन आज प्रात: 8.30 से शुरू होकर दोपहर 1 बजे संपन्न होगा। इस मिनी मैराथन में वर्ष 2019 के आयरन मैन विकास कुमार भी मुंबई से यहां आकर प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि बेनेट विश्वविद्यालय के सहयोग से होने वाली मिनी मैराथन का रूट पांच किलोमीटर लंबा है। यह सिटी पार्क से शुरू होकर मिनी मैराथन रेयान स्कूल रोटरी से डेल्टा 1 एवं 2 विप्रो रोटरी होता हुआ वापस सिटी पार्क पर पूरा होगा। उन्होंने बताया कि ओपन केटेगरी में पुरूष एवं महिला वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को सर्टिफिकेट के साथ इनाम भी दिया जायेगा, जबकि अन्य प्रतिभागियों को प्रतिभाग करने का सर्टिफिकेट दिया जायेगा।

पेशेवर अपराधियों को भेजेंगे सलाखों के पीछे : एसएसपी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● पुलिस ने जिले में की 179 गिरोहों की पहचान

जनपद में अब पेशेवर अपराधियों की खैर नहीं हैं इसके लिए पुलिस विभाग उनकी कुंडली तैयार करा है। साथ ही टॉप फिफ्टी बदमाशों की सूची भी बनाई जा रही है। इसी कड़ी में पिछले 10 सालों से सक्रिय नौ हजार 461 व 560 जिलाबदर अपराधियों के सत्यापन का काम भी चल रहा है।

एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस द्वारा कुल 179 गिरोहों के 780 गैंगस्टरों और करीब 9 हजार 461 चोरी, लूट, डकैती तथा एनडीपीएस एक्ट के अपराधीयों को चिन्हित कर लिया गया है । उन्होंने बताया कि अपराधियों के सत्यापन व डोजियर भरने के लिए सम्बन्धित थानों को (अपराधी के रहने के पते अनुसार) बुकलेट उपलब्ध करा दी गई हैं।

नैथानी ने बताया कि इसके साथ ही गैर जनपद के करीब 560 अपराधियों के सत्यापन की भी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के लिए टॉप 50 के लिए एसपी क्राइम, एसपी सिटी व एसपी देहात को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं अन्य पर कार्यवाही की जिम्मेदारी सीओ व प्रभारी निरीक्षकों को सौंपी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध के मामले में कोई समझौता नहीं किया जायेगा। जो अपराधी सक्रिय हैं उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जेल में बंद अपराधियों पर भी नजर रखी जा रही है कि कहीं कोई अपराधी जेल में रहकर कोई अपराध तो नहीं कर रहा है।

बिजली चोरी रोकने के अभियान में शामिल नहीं होंगे विद्युतकर्मी

गाजियाबाद। मथुरा में विद्युत निगम के अवर अभियंता की गोली मारकर हत्या किए जाने को लेकर जिले के विद्युत अधिकारियों ने चीफ इंजीनियर के कार्यालय पर अपना विरोध जताया। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन की ओर से ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें अवर अभियंता के हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग के साथ जिले में बिना पुलिस सुरक्षा किसी भी तरह के छापेमारी अभियान में शामिल नहीं होने की बात भी कही।

संगठन के सचिव नेत्रपाल सिंह ने बताया कि शुक्रवार को जिले के सभी जेई और एसडीओ चीफ इंजीनियर कार्यालय पर जमा हुए और 2 मिनट का मौन धारण करके अवर अभियंता को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही संगठन ने जिले में बिजली चोरी और बकाया वसूली के लिए चलाए जाने वाले किसी भी अभियान में शामिल नहीं होने की घोषणा की।

सनातन धर्म मंदिर में हवन का आयोजन

नोएडा। श्री सनातन धर्म मंदिर सेवा समिति एवं सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 नोएडा का भूमि पूजन 5 जुलाई 1984 को हुआ था जिसमें मंदिर का पूर्ण निर्माण 18 जनवरी 1989 को हुआ था। इसे बनवाने में टी सीरीज के मालिक स्व. गुलशन कुमार का पूर्ण सहयोग रहा।

अब सनातन धर्म मंदिर प्रांगण में 32वां मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दिवस बड़े ही धूम धाम से साथ मनाया जा रहा है। शनिवार को अस्टजाम महायज्ञ का भव्य आयोजन किया गया जो शनिवार 11 बजे से प्रारंभ होकर आज प्रात: 11 बजे तक चलेगा। इसमें हवन यज्ञ, रामायण, अखंड पाठ, शहस्त्रनाम जाप हुए। स्थापना दिवस पर उत्तर प्रदेश महिला आयोग अध्यक्ष विमला बाथम ने भी पूजा अर्चना की।

मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● शराब पीकर दोस्तों ने फोड़ दिया था सिर

थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 10 स्थित एक मोटर गैराज में काम करने वाले एक युवक की शनिवार तड़के मौत हो गई। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि रंजीत सेक्टर 31 में रहता था और एक मोटर गैराज में काम करता था।

उन्होंने बताया कि 10 जनवरी की देर रात रंजीत के साथ काम करने वाले मोनू, मोंटी आदि ने शराब पीकर उसके साथ मारपीट की और उसके सिर पर ईंट से वार भी किया। गंभीर हालत में उसे नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने रंजीत के सिर का ऑपरेशन किया और उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान शनिवर को उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि रंजीत के पिता हाकिम सिंह ने घटना की रिपोर्ट थाना सेक्टर 20 में दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को 12 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया था। रंजीत के पिता पेशे से पत्रकार हैं।

चलती कार में लगी आग, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में दिल्ली सहारनपुर हाईवे पर आवास परिषद की मंडोला विहार योजना के पास शनिवार सुबह चलती कार में आग लग गई। कार में बैठे चालक, उसकी पत्नी और बहन ने कूदकर जान बचाई। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

पंचवटी कॉलोनी निवासी अरूण कुमार सुबह दिल्ली सहारनपुर रोड से बागपत की ओर जा रहे थे। जब वह हाईवे स्थित मंडोला विहार योजना के पास पहुंचे तो कार के बोनट से अचानक धुंआ उठता दिखाई दिया। अरूण ने कार को धीमी कर कार सड़क किनारे लगा दिया। इसके बाद वह जल्दी से बाहर निकले तथा पत्नी और बहन को भी बाहर निकाला।

हर हाल में बेहतर रखें कानून-व्यवस्था : सुरेश खन्ना

कहा-हर सप्ताह विधायकों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करें पुलिस अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रशासन व पुलिस के अधिकारी कानून व्यवस्था के साथ किसी प्रकार का समझौता न करें और हर हालत में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी हर सप्ताह विधायकों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करें और उनके सुझाव व फीडबैक लें ।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिले की कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में उन्होंने विधायकों से संयम बरतने के साथ - साथ पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बनाने के लिए कहा। उन्होंने बेहतर कानून व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों को पुलिसिंग पर विशेष जोर देने की बात भी कही। बैठक में विधायकों ने जब पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाये तो खन्ना ने पुलिस अफसरों को जमकर लताड़ लगाई।

इस दौरान विधायक सुनील शर्मा ने इंदिरापुरम पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है और पुलिस मुख्य आरोपी को पकड़ने के बजाए छोटे तस्करों को पकड़कर कार्य की इतिश्री कर लेती है।

कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक करते प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना।

इस पर प्रभारी मंत्री ने इंदिरापुरम पुलिस को जमकर लताड़ लगाई। इसके साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि इस मामले में कठोर कार्रवाई हो। लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने लोनी नगर पालिका ईओ के कैंप कार्यालय पर हमले एवं अब तक रिपोर्ट दर्ज न होने का मामला उठाया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुश्ता रोड पर हुए हादसे में खड़ी क्षतिग्रस्त कारें।

आपस मे भिड़ीं दो कारें, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में खजूरी पुश्ता रोड पर शनिवार सुबह विपरीत दिशा से आ रही दो कारे आपस में टकरा गईं। गनीमत रही कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं लगी। दुर्घटना में एक पक्ष ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है। कोटला विहार नई दिल्ली निवासी डॉ. जितेंद्र शर्मा शनिवार सुबह खजूरी पुश्ता रोड से कार में बागपत जा रहे थे। जब वह पुश्ता रोड स्थित खुशहाल पार्क कॉलोनी के पास पहुंचे तो विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों कारों को कब्जे में ले लिया। डॉ जितेंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मानव श्रृंखला बनाकर मार्च निकलते भाजपा कार्यकर्ता।

सीएए के समर्थन में निकाला मार्च

गाजियाबाद। भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सीएए के समर्थन में बलराम नगर स्थित कार्यालय से लोनी तिराहे तक मानव श्रृखंला बनाकर मार्च निकाला। इस अवसर पर पार्टी के जिलाध्यक्ष भी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष सुनील गुर्जर ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 11 बजे पार्टी कार्यकर्ता बलराम नगर स्थित कैंप कार्यालय पर एकत्र हुए। बाद में पार्टी के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृखंला बनाकर सीएए के समर्थन में बलराम नगर कैंप कार्यालय से लोनी तिराहे तक मार्च निकाला। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल ने लोगों को बताया कि देश की केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) से देश में रहने वाले किसी व्यक्ति के अस्तित्व पर कोई खतरा नहीं है। यह कानून भारत के तीन पड़ोसी देशों से आने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए बनाया गया है।

मोटापा मुक्ति जागरूकता शिविर आज

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी में आज (रविवार) को निशुल्क मोटापा मुक्ति एवं जागरूकता शिविर लगाया जा रहा है। हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं समाजसेवी डॉ पीएन अरोड़ा ने बताया यह शिविर मोटापे से ग्रसित एवं मोटापे की वजह से हुई बीमारियों से परेशान लोगों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह 10 बजे से 4 बजे तक चलने वाले शिविर में लोगों की निशुल्क जांचें जैसे कि बॉडी फैट एनालिसिस, बीएमआई, हाइट, वेट, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर आदि की जाएंगी। शिविर में अस्पताल के वरिष्ठ बरिएट्रिक एवं मेटाबॉलिक सर्जन डॉक्टर सुशांत वढेरा द्वारा निशुल्क परामर्श भी दिया जाएगा।

फरार चल रहे दो बदमाश गिरफ्तार

गाजियाबाद। पिछले दो साल से फरार चल रहे गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध के दो बदमाशों को लिंक रोड थाना पुलिस ने शनिवार को मोहन नगर चौराहे से गिरफ्तार किया है । दोनों ही आरोपी मेरठ जिले के निवासी हैं ।

लिंक रोड थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी कि पिछले दो साल से फरार चल रहे गैंगस्टर एक्ट में निरुद्ध दो आरोपी नंगला ईशा मेरठ निवासी अश्वनी तथा सदर मेरठ निवासी अविनाश मोहन नगर चौराहे पर किसी अपराधिक वारदात को अंजाम देने के उद्देश्य से आ रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों बदमाशों को दबोच लिया।

पुलिस गिरफ्त में दोनों बदमाश।

स्वच्छता सर्वेक्षण में रेंक बढ़ाने को बैठक

गाजियाबाद। मेयर आशा शर्मा ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में अच्छी रेंक पाने के लिए निगम अधिकारियों के साथ बैठक की जहां उन्होंने एप्लिकेशन डाऊनलोड कराकर गाजियाबाद के लिए वोट डलवाया।

मेयर ने कहा कि सभी अपने-अपने समूहों के साथ बैठकर रोजाना लगभग 50-50 वोट डलवाएं जिससे गाजियाबाद की वोटिंग बढ़े। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र ने भी सभी लोगों को स्वच्छता के विषय में अवगत कराया। इस दौरान लेखाधिकारी अरुण मिश्रा, अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार,अम्बर स्वामी, अविनाश,अरविंद शर्मा, मोहित गुप्ता,अवतार भाटी मौजूद रहे।

गबन के आरोप में दो लोगों के खिलाफ केस

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र में सीएमएस इंफो सिस्टम कंपनी का क्षेत्रीय कार्यालय है। यह कंपनी विभिन्न बैंकों के एटीएम में रुपये डालने का काम करती है। कंपनी के शाखा प्रबंधक संदीप जांगड़ा ने लिंक रोड थाने में कंपनी के कैश कस्टोडियन नोएडा के नया बांस निवासी गोरेलाल यादव और खोड़ा निवासी आदेश कुमार के खिलाफ 3.61 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

शाखा प्रबंधक का आरोप है कि दोनों कर्मचारियों ने तीन महीने में एटीएम में रुपये लोड करने में गड़बड़ी करते हुए 2.12 लाख रुपये कम जमा किए तथा कस्टमर क्लेम की धनराशि में 1.49 लाख रुपये हड़प लिए। खातों की जांच तथा कस्टमर क्लेम का डाटा मिलने के बाद कंपनी को गड़बड़ी का पता चला। इसलिए दोनों कर्मचारियों के खिलाफ लिंक रोड थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

यह है पुराना मामला

सीएमएस कंपनी ने अपने कर्मचारी राजीव सचान के खिलाफ बीते साल 22 अप्रैल को लिंक रोड थाने में 72.50 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगाया था। एफआईआर के बाद कंपनी की अंदरुनी जांच में मामला 3.50 करोड़ का निकला। 24 सितंबर को पुलिस ने मुख्य आरोपी राजीव सचान को गिरफ्तार कर लिया जिसमें एक अन्य आरोपी आमिर भी पकड़ा गया। दोनों के पास गबन की गई रकम में से 45 लाख बरामद होना दिखाया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में पाया कि पुलिस टीम ने एक करोड़ रुपये से ज्यादा रकम बरामद की थी, लेकिन बरामदगी सिर्फ 45 लाख दिखाई। एसएसपी ने सीओ साहिबाबाद से जांच कराई जिसमें आरोप सही पाए गए। इसमें तत्कालीन लिंक रोड थाना प्रभारी लक्ष्मी सिंह चौहान, महाराजपुर चौकी प्रभारी नवीन कुमार पचौरी, सिपाही बच्चू सिंह समेत 4 को निलंबित किया गया।

सीडीओ से मिलकर मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद। पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा के वरिष्ठ केंद्रीय महासचिव कर्नल सुधीर कुमार, केंद्रीय प्रवक्ता अशोक भारतीय, अमित वर्मा, सतेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह आदि ने जिला विकास अधिकारी अस्मिता लाल एवं अपर नगरायुक्त को ज्ञापन सौंपकर टाउन वेडिंग जोन में क्योस्क के आवंटन में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की मांग की।

अशोक भारतीय ने बताया कि योजना के तहत वेडिंग जोन बनाए जा रहे हैं जिसमें क्योस्क इनडिपेंटड बिल्डिंग स्टैंड अथवा स्थान आवंटन किए जाने का प्रस्ताव है।

फिट इंडिया मूवमेंट : साईकिल रैली निकाली

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रैली निकालते ग्रामीण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत 161 ग्राम पंचायतों में शनिवार को अलग-अलग साइकिल रैलियां निकाली। इन रैलियों का उद्घाटन ग्राम पंचायत सचिवों व एडीओ पंचायत ने संयुक्त रुप से किया। इन साईकिल रैलियों में ग्रामवासियों, सफाईकर्मियों एवं ग्राम पंचायत सचिव सहित स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। साइकिल रैली 5 से 6 किलोमीटर तक निकाली गई। जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस दौरान कार्यक्रम की फोटोग्राफ एवं अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री को भारत सरकार द्वारा निर्धारित फिट इंडिया पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस रैली का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने और खुद को फिट रखने पर प्रति जागरूक करना है।

हाथ में ट्रॉफी लिए खड़े हरि सिंह एकेडमी के विजेता खिलाड़ी।

जनता को मिलेगा सुरक्षित माहौल : कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनजीवाई कॉन्क्लेव-2020

ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे इंफ्राकॉन्क्लेव 2020 का आयोजन शनिवार को सेक्टर-18 स्थित पांच सितारा होटल में किया जा रहा है। इस मौके पर सांसद डॉ महेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने यहां आए लोगों के साथ अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे तीनों शहरों को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए हर तरह के प्रयास किए जाएं।

डॉ महेश शर्मा ने कहा कि जिस तरह से दिन-प्रतिदिन प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है यह सोचने की बात है कि इसे किस तरह से कम किया जाए। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट निर्माण कार्य भी जल्द शुरू हो जाएगा। डॉ शर्मा ने कहा जिस वक्त मैं उड्यन मंत्री था उसी वक्त जेवर एयरपोर्ट का खाका तैयार कराया जा चुका था लेकिन, कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री से जाकर कहा कि डॉ महेश शर्मा जेवर में एयरपोर्ट इसलिए चाहते हैं क्योंकि उनकी 1000 एकड़ जमीन जेवर में है। प्रधानमंत्री ने बुलाकर पूछा तो मैंने भी कह दिया मेरी कोई जमीन नहीं है। आप जांच करा लें।

उन्होंने कहा कि लोग बदनाम करने के लिए तरह-तरह की बातें कर रहे थे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तय किया कि एयरपोर्ट-जेवर में ही बनेगा। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक कंट्रोल करने के लिए चिल्ला से लेकर महामाया तक एलिवेटेड रोड के निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। इसके अलावा शाहदरा आई टी ओ से रेडलाइट फ्री हो कर कोई भी व्यक्ति जेवर एयरपोर्ट तक जा सकता है।

कॉन्क्लेव में आए नोएडा के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने कहा कि फिलहाल हम लोग यहां क्राइम केतरीके और उन्हें किस तरह से अंजाम दिया जाता है इस पर काम कर रहे हैं। जल्द ही जनता को सुरक्षित माहौल दिया जाएगा। यह पुलिस के व्यवहार से लोगों को नजर आ जाएगा। आयोजन समिति के चेयरमैन रिटायर्ड आई ए एस योगेंद्र नारायण, एमिटी ग्रुप के डायरेक्टर आनंद चौहान , फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, एनईए के महासचिव वी के सेठ, पीयूष मंगला प्राधिकरण के जी एम राजीव त्यागी कॉन्क्लेव के कन्वीनर त्रिलोक शर्मा, विकास शर्मा समेत दर्जनों गणमान्य लोग इस मौके पर मौजूद थे।

समरीन हत्याकांड का मुख्य आरोपी पकड़ा

गाजियाबाद। गत 12 जनवरी को थाना लोनी इलाके में हुए समरीन हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुनील शर्मा उर्फ बॉबी को भी शनिवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले इस मामले में समरीन के पति आसिफ सिद्दीक़ी व दो अन्य आरोपियों रविंद्र व संदीप को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

समरीन की हत्या उसके पति आसिफ सिद्दीकी ने एक झोलाछाप डॉक्टर को दो लाख की सुपारी देकर कराई थी और पुलिस को गुमराह करने के लिए क्राइम सीन क्रिएट किया था । पुलिस ने दावा किया था कि आसिफ के अपनी साली से अवैध संबंध थे और वह अपनी पत्नी की हत्या कर साली से शादी करना चाहता था।

हरियाणा क्रिकेट और हरी सिंह एकेडमी पहुंचे सेमीफाइनल में

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

इंदिरापुरम स्थित टीएन मेमोरियल दिल्ली एनसीआर लीग के क्वार्टर फाइनल मुकबले में पहला मैच हरियाणा क्रिकेट अकेडमी और वंडर्स क्लब नोएडा के बीच खेला गया।

हरियाणा की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 35 ओवर में 5 विकेट की नुकसान पर 198 रन बनाये। टीम की ओर मधुर ने सर्वाधिक 92 गेंद 106 रनों की पारी खेली। वहीं, जसमीत ने 31 गेंद में 24 रन और धर्मेंद्र ने 53 गेंद में 45 रन बनाए। उसके बाद दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला हरि सिंह क्रिकेट अकेडमी और आरपी सिंह क्रिकेट अकेडमी के बीच खेला गया। हरि सिंह अकेदमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। आरपी सिंह अकेडमी ने 25.1 ओवर में 55 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। टीम की ओर से स्वस्तिक ने 33 गेंद में 5 रन, भानु ने 30 गेंद में 8 रन और हिमांशु ने 8 गेंद में 7 रन की सर्वाधिक पारियां खेली।

हरि सिंह अकेडमी के गेंदबाज दक्ष ने 5 ओवर में 10 रन देकर 5 विकेट लिए। हरि सिंह की टीम ने 20 ओवर में ही 5 विकेट के नुकसान पर 56 रन बना लिए। टीम की ओर से राघव ने 48 गेंद में 13 रन, शुभ ने 38 गेंद में 13 रन और भव्य ने 15 गेंद में 12 रन की सर्वाधिक पारी खेली।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

विधानसभा चुनाव 2020

योगानंद का इस्तीफा, आदर्श ने थामा हाथ

पूर्व विस अध्यक्ष ने लगाया टिकट बेचने का आरोप, हरिनगर के विधायक ने भी छोड़ी आप

योगानंद शास्त्री

आदर्श शास्त्री को कांग्रेस में शामिल करते प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, साथ में प्रभारी पीसी चाको व अन्य नेता।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और भाजपा की सूची जारी होने के बाद राजनीतिक पार्टियों में बगावत रुकने का नाम नहीं ले रही है। आप के दो विधायक और एक कांग्रेसी दिग्गज नेताओं ने अपनी पार्टियों को अलविदा कह दिया है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष योगानंद शास्त्री ने प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण पार्टी से इस्तीफा दे दिया तो वहीं द्वारका सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक आदर्श शास्त्री कांग्रेस में शामिल हो गए। साथ ही टिकट नहीं मिलने से खफा हरिनगर के विधायक जगदीप सिंह ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। संभावना जताई जारी है कि सिंह, शिरोमणी अकाली दल में जा सकते है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष योगानंद शास्त्री ने अपनी इस्तीफा देने के बाद कहा कि उन्होंने कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ताओं की पार्टी में उपेक्षा से व्यथित होकर कांग्रेस के प्रभारी पीसी चाको को अपना इस्तीफा भेज दिया है। शास्त्री ने दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव के मद्देनजर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए कहा, प्रदेश कांग्रेस की कमान ऐसे व्यक्ति के पास है जो किसी का सम्मान नहीं करता है और ऐसे लोगों से घिरा है जो विधानसभा चुनाव के टिकट बेचने में लिप्त हैं।

शास्त्री, इस चुनाव में टिकट नहीं मिलने की आशंका से नाराज चल रहे थे। वह महरौली सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे शास्त्री, दिल्ली की सत्ता से 2013 में कांग्रेस के बाहर होने तक विधानसभा अध्यक्ष थे। शास्त्री के आरोपों पर चोपड़ा या प्रदेश कांग्रेस के किसी नेता ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

वहीं दिल्ली में सत्तारूढ़ आप द्वारा विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिए जाने से नाराज आदर्श शास्त्री ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा और प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी पी सी चाको की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

समझा जाता है कि शास्त्री अब कांग्रेस के टिकट पर द्वारका सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। आप ने शास्त्री का टिकट काटकर इस सीट से विनय मिश्रा को टिकट दिया है। मिश्रा ने कांग्रेस के टिकट पर इस सीट से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था।

वह कांग्रेस के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा के पुत्र हैं। टिकट नहीं मिलने से नाराज चल रहे हरि नगर के विधायक जगदीप सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के ऐसे लोगों को जगह दी जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सिख-विरोधी दंगों में नाम जुड़ा है। सिंह ने यह भी कहा कि राजकुमार ढिल्लन को टिकट देकर आप ने अपने आदर्शों को ताक पर रख दिया है। ज्ञात हो कि आप की सूची जारी होने के बाद सीलमपुर के विधायक ने भी पार्टी छोड़ दी थी, हालांकि उन्होंने अपने पत्ते नहीं खोले है। संभावना जताई जा रही है कि वो किसी दूसरे दल से चुनाव लड़ सकते है। दिल्ली कैंट से विधायक सुरेंद्र कमांडो पर नाराज चल रह है लेकिन उन्होंने पार्टी के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है। वहीं बागियों से निपटने के लिए सांसद संजय सिंह को लगाया गया है।

आप हर मोर्चे पर विफल : चोपड़ा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चौपड़ा ने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और यह साबित हो गया है कि भ्रष्टाचार को मिटाने, स्वराज व लोकपाल के नाम पर दिल्ली की सत्ता में आए केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गए है। सरकार सभी मोर्चो पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। आप के पास वालिंटियर नाम की कोई चीज नही है। कांग्रेस में निष्ठावान कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिए जा रहे है और पार्टी में धन बल के दम पर कोई टिकट पाने में सफलता नही पा सकता है।

बागी एनडी शर्मा बसपा के टिकट पर लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली। बदरपुर विधानसभा क्षेत्र से आप के असंतुष्ट विधायक नारायणदत्त शर्मा बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने 42 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की है। बसपा की दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा राज्य विधानसभा चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की सूची में शर्मा का नाम शामिल है। आप से टिकट नहीं मिलने के बाद पार्टी से नाता ताड़ चुके शर्मा को बसपा ने बदरपुर सीट से टिकट दिया गया है। आप ने बदरपुर सीट पर शर्मा के बजाय विधायक राम सिंह नेताजी को टिकट दिया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस एकादश की टीम फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस एकादश लगातार दूसरे साल राष्ट्रमंडल खेल मैदान में खेले गए यमुना ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। शनिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में डीपी एकादश ने डॉक्टर्स एकादश को 18 रन से हराकर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी है। दिल्ली पुलिस एकादश के कप्तान अनूप कालिया ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 149 रन बनाए। इसके जवाब में डॉक्टर्स एकादश की टीम 131 रन पर ऑल आउट हो गई। बल्लेबाज नवीन डबास ने सर्वाधित 43 रन का योगदान दिया। वहीं हेरी ने हरफनमौल प्रदर्शन करते हुए पहले 31 रन बनाए बाद में गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी झटके और 4 कैच लपके। पंकज ने 4 विकेट चटकाए।

जलविद्युत परियोजनाएं पैदा करती है रोजगार : रतीश

नई दिल्ली। जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक रतीश कुमार ने भारत में जलविद्युत पर 17वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। कुमार ने एनएचपीसी द्वारा विभिन्न उपलब्धियों, लक्ष्यों और जलविद्युत में एनएचपीसी के योगदान पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में विद्युत क्षेत्र के तकनीकी विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने भाग लिया। रतीश कुमार ने भारत की जलविद्युत क्षमता के दोहन के महत्व पर बल दिया, जो ग्रिड संतुलन बनाए रखने और जलविद्युत क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छ व हरित ऊर्जा के स्रोत के रूप में जलविद्युत के प्रमुख लाभों पर भी प्रकाश डाला। कुमार ने यह भी कहा कि जलविद्युत परियोजनाएं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा करके समग्र विकास की अगुवाई करती है और विशेष रूप से देश के दूरस्थ क्षेत्रों में सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए लाभकारी हैं।

एनसीसी कैडेट से मिले श्रीपद नाईक

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद नाईक करियप्पा पेरड ग्राउंड में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट से मिले। एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में 28 राज्यों और 9 संघ शासित प्रदेशों से चुने हुए 2155 कैडेट जिनमें 732 छात्राएं भी शामिल हैं। इसके अलावा एनसीसी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अतंर्गत कुल दस मित्र देशों से आए 115 विदेशी कंटीजेंट भी भाग ले रहे हैं।इस मौके पर एनसीसी के तीनों विंगों सेना, नौसेना और वायुसेना के कंटीजेंट रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद नाईक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद बैंड की मधुर धुन पेश की गई। नाईक ने कैडेट द्वारा तैयार फ्लैग एरिया का निरीक्षण किया जहां सामाजिक जागरूकता संबंधी विषयों एंव विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों पर आधारित चित्र प्रदर्शित किए गए थे। साथ ही हॉल ऑफ फेम का दौरा किया जिसमें एनसीसी के तीनों विंगों को गौरवान्वित करने वाले पूर्व छात्रों के फोटो का संग्रह मॉडल एवं एनसीसी की अन्य प्रेरणात्मक उपब्धियां शामिल थी।

'भाजपा का विजन दिल्ली की बदलेंगे सूरत'

विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते जेपी नड्डा।

- पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रबंधन की बारीकियों को बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बूथ सम्मेलन के बाद भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके उन्हें चुनाव प्रबंधन की बारीकियां सिखा रहे हैं।

उन्होंने शनिवार को रजौरी गार्डन और तिलक नगर विधानसभा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उन्हें चार्ज किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही एक मात्र ऐसी राजनीति पार्टी है कि जिसके पास बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हैं। इनके दम पर ही पार्टी विधानसभा चुनाव में किला फतह करेगी।

जगत प्रकाश नड्डा के अनुसार लंबे समय तक विकास से वंचित रहने के बाद दिल्ली के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में राज्य के विकास का अवसर प्राप्त हुआ है। पीएम मोदी ने आगे बढकर अनेकों काम किये है जिनमें अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करना मील का पत्थर साबित होता है। लेकिन अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने का काम इतनी आसानी से नहीं हुआ है। केजरीवाल सरकार ने इसे रोकने के लिए तमाम हथकंड़े अपनाए।

कॉलोनियों के नक्शे बनाने के लिये दो-दो साल कर आम आदमी पार्टी ने बार बार समय मांगा क्योंकि उनकी नियत साफ नहीं थी। उसी को देखते हुये केन्द्र सरकार ने आगे बढ़कर अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की पीड़ा को समझते हुये कॉलोनियों को नियमित कर उन्हें उनके घर का मालिकाना हक दिया है। भाजपा ने चुनाव के लिए उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिया है। नड्डा के अनुसार प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को अपनाकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का काम किया है। उसी तर्ज पर वह दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

निजी स्कूलों ने 32 करोड़ लौटाए : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने निजी स्कूलों को लेकर भाजपा और कांग्रेस की सरकारों पर निशाना साधा है।

दिल्ली में आप की सरकार बनने के बाद निजी स्कूलों की फीस नहीं बढ़ने दी। इसके उलट भाजपा और कांग्रेस शासित राज्यों में हर साल निजी स्कूलों ने मनमाने तरीके से फीस में बढ़ोतरी की। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने निजी स्कूलों को मुनाफे की दुकान बनने से रोका है और 198 निजी स्कूलों ने 32 करोड़ रुपये लौटाए। उन्होंने दिल्ली के शिक्षा मॉडल और अन्य प्रदेशों के शिक्षा मॉडल से जुड़े तथ्यों को भी पेश कया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में मोटे तौर पर दो समस्याएं हैं। पहली, सरकारी स्कूलों की बदहाली और दूसरी, प्राइवेट स्कूलों में लगातार फीस में की जा रही वृद्धि है। लोगों का वेतन नहीं बढ़ रहा लेकिन प्राइवेट स्कूलों की फीस लगातार बढ़ा दी जाती है।

जानबूझ कर सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है। ऐसा भी दौर आया कि जानबूझ कर सरकारी स्कूलों की हालत खराब की गई क्योंकि जिन लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई। उनमें नेता भी थे और राजनीतिक पार्टियों के लोग भी थे।

जेएनयू प्रशासन पर भेदभाव का आरोप

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के संकाय सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर वंचित वर्ग के शिक्षकों एवं छात्रों से भेदभाव करने का का आरोप मढ़ा।

साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान से यह मामला सरकार के समक्ष उठाने का भी अनुरोध किया। पासवान ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल द्वारा लगाए आरोप गंभीर हैं और इन पर गौर किया जाना चाहिए।

अवैध हथियारों का तस्कर पकड़ा गया

नई दिल्ली। राजधानी के द्वारका इलाके से 26 वर्षीय एक संदिग्ध हथियार आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गुड़गांव के कादीपुर गांव के निवासी राहुल उर्फ टुन्ना ने बिहार से हथियार खरीदे और दिल्ली के विभिन्न आपराधिक समूहों को आपूर्ति की। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एंटो अल्फोंस के अनुसार, गुरुवार को सूचना मिली कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हथियार आपूर्ति करने वाला एक व्यक्ति बन्दूक लेकर द्वारका के सेक्टर-28 स्थित बामडोली चौक पर शाम करीब चार बजे आने वाला है। अल्फोंस ने बताया कि इसके बाद, उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से एक देसी पिस्तौल जब्त की गई।

वाहन चोरी के आरोप में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। छतरपुर इलाके से वाहन चुराने के आरोप में पुलिस ने 30 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी की पहचान नजीर के रूप में हुई है और उस पर 20 हजार रूपए का इनाम है। पुलिस ने कहा वह नवंबर 2019 से चोरियां कर रहा है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ए. के. सिंगला ने बताया कि जानकारी मिली थी कि नजीर छतरपुर आ रहा है, जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर नजीर को पकड़ लिया। नजीर जामिया नगर से चुराई गई एक बाइक पर सवार था। नजीर ने बताया कि उसका गिरोह वाहन चुराकर जाली दस्तावेजों की मदद से उन्हें बेच देता है। नजीर के दो सहयोगियों को पिछले वर्ष गिरफ्तार किया गया था और उनके पास से 11 वाहन बरामद हुए।

निर्भया को न्याय दिलाने में आप सरकार कर रही देरी : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार की पूर्व सरकारी वकील इंदिरा जयसिंह के निर्भया के दोषियों को माफ करने वाले बयान पर आपत्ति जताई है।

पार्टी की नेता का कहना है कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आरोपियों की दया याचिका को अविलम्ब खारिज करने का जो फैसला लिया उससे देश की महिलाओं में न्याय के प्रति भरोसा बढ़ा है लेकिन केजरीवाल के करीबियों की ओर से आरोपियों का बचाने की जिस तरह से कोशिश हो रही है उससे स्पष्ट है कि जानबूझ कर केजरीवाल सरकार द्वारा निर्भया को न्याय दिलाने में देरी की जा रही है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष शाजिया इल्मी ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जब से न्यायालय ने निर्भया के दोषियों के फांसी की तारीख तय की है तब से केजरीवाल उन आरोपियों को बचाने के लिए रोज नए-नए हथकंडे अपना रही है।

आज दिल्ली सरकार की पूर्व सरकारी वकील इंदिरा जयसिंह का बयान सामने आया है कि निर्भया के दोषियों को माफ कर देना चाहिए। ये जब पूरा देश और निर्भया का परिवार उन दरिंदों की फांसी का इंतजार कर रहा है तो ऐसे में केजरीवाल के करीबियों का ऐसा बयान सामने आना ये साबित कर रहा है निर्भया के दोषियों से हमदर्दी है। राज्य सरकार के अधीन तिहाड़ा प्रशासन की जिम्मेदारी थी कि अभियुक्तों को नोटिस भेजा जाए लेकिन सीएम ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

परिवार के माफी देने या न देने का कानूनी महत्व नहीं

वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह की अपील के बाद कानूनी विशेषज्ञों ने जाहिर की राय

निर्भया गैंग रेप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्भया गैंग रेप एवं हत्या मामले जैसे अपराधों में दोषियों को माफी देने या नहीं देने पर पीड़िता के परिवार के विचारों के कोई कानूनी मायने नहीं हैं क्योंकि ऐसे अपराध व्यवस्था के खिलाफ होते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों ने शनिवार को यह बात कही। वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी और विकास सिंह ने कहा कि किसी आपराधिक मामले में दोषियों को माफी देने या उससे इनकार करने के पीड़िता के परिवार के सदस्यों के विचार अदालत में स्वीकार्य नहीं होते। अदालतों को कानून के मुताबिक चलना होता है। अभियोग हमेशा शासन की ओर से लगाया जाता है और इसलिए मामले हमेशा शासन बनाम अन्य होते हैं।

आपराधिक कृत्य हमेशा व्यवस्था के खिलाफ होता है। द्विवेदी के अनुसार इसके अलावा, तथ्य यह है कि शिकायतकर्ता (निर्भया की मां) इंदिरा जयसिंह के विचार से सहमत नहीं हैं। उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष सिंह ने कहा, परिवार के सदस्यों के ऐसे विचारों की कोई मान्यता नहीं है।

कोई कानूनी मान्यता बिलकुल भी नहीं। इसका किसी भी कानून की अदालत में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। वरिष्ठ वकील जयसिंह ने निर्भया की मां से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की तरह उदाहरण पेश करने का और सजायाफ्ता चार दोषियों को माफ करने का आग्रह किया है जिन्हें एक फरवरी को फांसी दी जानी है।

दोषियों को गरुड़ पुराण सुनाने की मांगी अनुमति

नई दिल्ली। निर्भया के गुनहगारों को गरुड़ पुराण सुनाने के लिए तिहाड़ जेल प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। जेल में बंद कैदियों को सुधारने के लिए काम करने वाले प्रदीप रघुनन्दन ने गत 12 जनवरी को तिहाड़ प्रशासन को पत्र लिखकर दोषियों को गरुड़ पुराण सुनाने की अनुमति मांगी है। अभी तिहाड़ की ओर से इस सिलसिले में कोई जवाब नहीं मिला है। दोषियों को फांसी दी जाने वाली है।

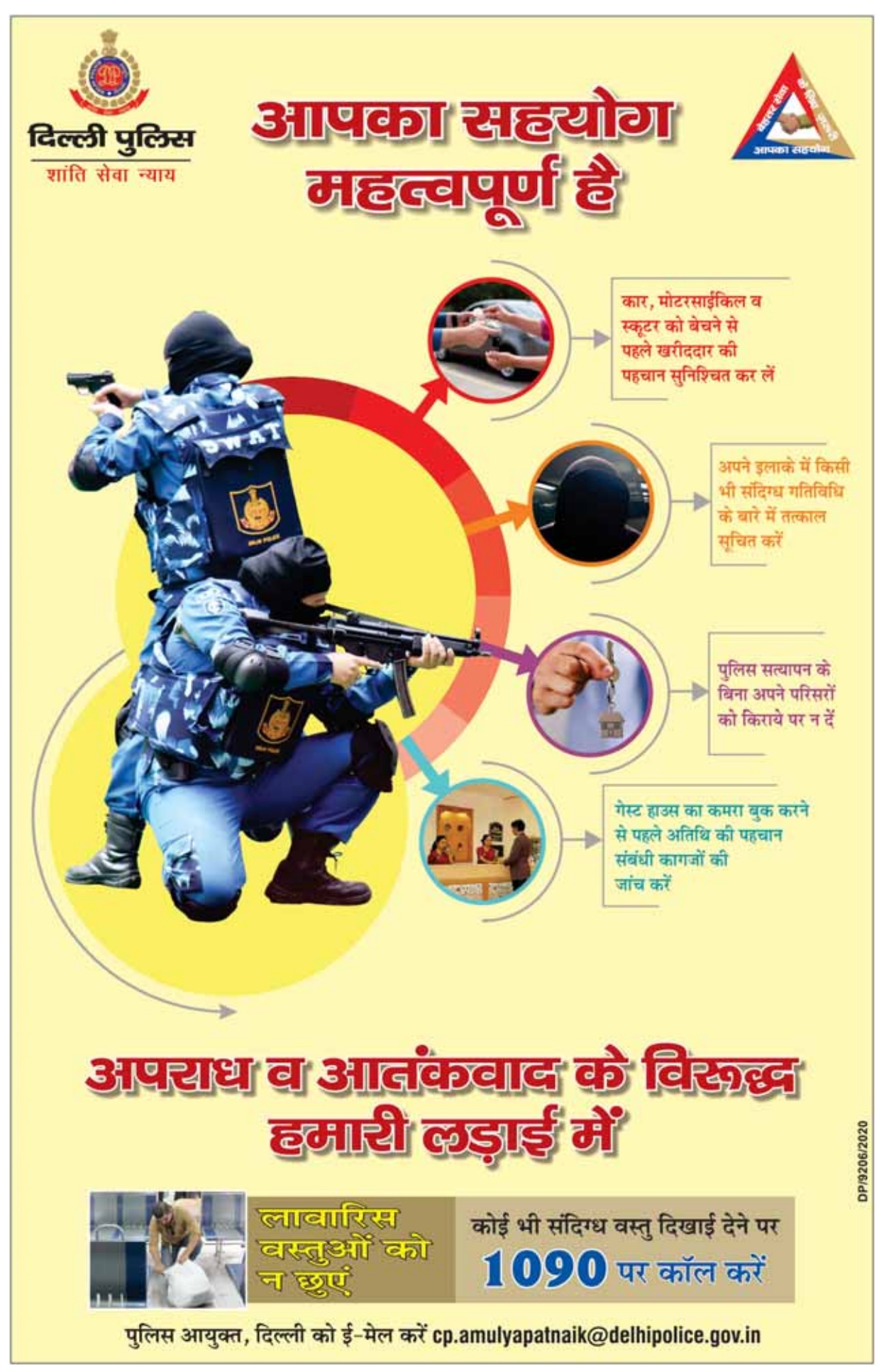

फिट इंडिया साइकिल रैली के जरिये फिट रहने का दिया संदेश

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान को लेकर शनिवार को यहां फिट इंडिया साइकिल रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से लोगों को फिट रहने का संदेश दिया गया। नेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में आयोजित की गई यह रैली चार किलोमीटर तक निकाली गई।

रैली को रवाना करने से पूर्व यहां नेहरू युवा केंद्र गुरुग्राम के जिला युवा समन्वयक कृष्ण लाल पारचा ने कहा कि इस साइकिल रैली का उद्देश्य शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए कोई न कोई शारीरिक कसरत या गतिविधि करने के लिए आम लोगों को प्रेरित करना है। ताकि सभी स्वस्थ एवं निरोगी रहें। स्वस्थ, खुशहाल एवं समृद्ध भारत का हिस्सा हो सकें। रैली में शामिल 125 प्रतिभागियो को किसी भी खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें आश्वयक रूप से कसरत करनी चाहिये। रैली में शामिल युवाओं ने स्वस्थ भारत-खुशहाल भारत, खेलेगा इंडिया-बढ़ेगा इंडिया, फिट इंडिया-हिट इंडिया, स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत जैसे नारे लगाये। यह रैली नेहरू युवा केंद्र गुरुग्राम से शुरू होकर उपायुक्त निवास सिविल लाइन से सिंगला चौक, सोहना चौक, जिला न्यायालय रोड, मिनी सचिवालय रोड, राजीव चौक और फिर यू-टर्न लेकर सिविल लाइन में पहुंची। शनिवार को गुरुग्राम के अलावा सोहना, पटौदी एवं फर्रूखनगर में भी यह रैली निकाली गई।

गुरुग्राम में नेहरू युवा केंद्र की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत रैली में शामिल युवा।

सोहना में विशाल ने बाजीमारी

सोहना। ग्राम पंचायत घामडौज में 'फिट इंडिया मूमेंट' के तहत साइकिल रेस कराई गई। जिसमें विशाल राघव प्रथम, वासुदेव दूसरे और उत्तम सिंह तीसरे स्थान पर रहे। शनिवार को ग्राम पंचायत घामडौज के राजकीय मिडल स्कूल परिसर में फिट इंडिया मूमेंट के तहत युवाओं की साइकिल रेस कराई गई। जिसमें करीब 42 युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर स्कूल प्रभारी सुनीता यादव, ग्राम पंचायत निर्मला देवी, समाज सेवी अनिता कुमारी, ग्राम सचिव बलजीत सिंह व स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक कोडिनेटर गौरव सिंह ने कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। इस असवर पर ग्राम पंचायत सरपंच निर्मला देवी ने युवाओं को बताया कि शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए साइकिल चलाना सबसे अच्छा योग है। जिससे शरीर का समस्त अंक काम करता है। स्कूल प्रभारी, ग्राम पंचायत सचिव व ब्लॉक कोडिनेटर ने भी युवाओं को तंदुरुस्त रहने के मंत्र बताए।

श्रीशीतला माता मंदिर के पास लगेगा ट्रैफिक सिग्नल

गुरुग्राम। यहां श्रीशीतला माता मंदिर के पास ट्रैफिक सिग्नल लगाया जायेगा। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ और उस पर वाहनों की आवाजाही के कारण यहां अक्सर जाम लग जाता है। पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जाम और श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यहां हर किसी को परेशानी होती है। शनिवार को डीसीपी यातायात ने आश्वासन दिया कि यहां पर यातायात सिग्नल लगाया जायेगा।

सेक्टर-3,5 और 6 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिनेश वशिष्ठ के मुताबिक श्रीशीतला माता मंदिर में नियमित तौर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। इस कारण से यहां हादसे होने की आशंका बनी रहती है। इसी को लेकर उन्होंने विधायक सुधीर सिंगला तथा डीसीपी यातायात हिमांशु गर्ग से मुलाकात की।

आधे घंटे चली इस मुलाकात में उन्हें यहां की हर समस्या से अवगत कराने के साथ समस्या खत्म करने के सुझाव भी दिये गये। अतुल कटारिया चौक से लेकर भगत सिंह चौक सेक्टर-5 तक रोड पर कई जगह जाम लगने के बारे में उन्हें जानकारी दी गई। डीसीपी यातायात ने आश्वासन दिया कि श्रीशीतला माता मंदिर के कॉर्नर पर पैदल आने-जाने वाले यात्रियों और कालोनीवासियों की सुविधा के लिए यातायात सिग्नल लगाया जायेगा। साथ ही डीसीपी ने आश्वासन दिया कि वे खुद मौके का मुआयना करेंगे और देखेंगे कि क्या बेहतर हो सकता है। साथ ही संभावना जताई कि मंदिर के पास से कट खोला जाए, जिससे कि लोग गलत दिशा से वाहन लाने की बजाय, सीधी दिशा से वाहन लाएं।

गुरुग्राम के विकास को मेयर मधु आजाद ने बढ़ाई सक्रियता

सीएम को सौंपा 11 सूत्रीय मांग पत्र

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के विकास और यहां की समस्याओं को दूर करने को लेकर मेयर मधु आजाद एकाएक सक्रिय हो गई हैं। अपने कार्यकाल के शुरुआती दौर में तो वे बिल्कुल शांत रहीं। लेकिन अब उन्होंने तेवर भी दिखाने शुरू किये और उनमें अब काम करने का जज्बा अधिक नजर आने लगा है। इसी कड़ी में शनिवार को चंडीगढ़ में मेयर और निगम आयुक्तों की बैठक में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को गुरुग्राम से संबंधित 11 सूत्रीय मांगों का पत्र सौंपा।

मेयर मधु आजाद द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सौंपे गए मांग पत्र में गुरुग्राम से संबंधित मुख्य रूप से 11 मांगों में निगम पार्षदों को विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ की शक्ति प्रदान करने की मांग शामिल है। मेयर द्वारा सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि 27 नवम्बर 2017 को निगम सदन की बैठक में पार्षदों को उनके वार्ड में विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की वित्तीय शक्तियां देने बारे प्रस्ताव पास किया गया था, जिसकी स्वीकृति सरकार से अभी तक अपेक्षित है। मांग पत्र में 74वें संविधान संशोधन को लागू करने तथा महत्वपूर्ण मामलों में सदन को अधिकार देने की मांग रखी है।

चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को मांग पत्र सौंपती मेयर मधु आजाद।

मेयर ने शहरी निकाय प्रधान सचिव से की मुलाकात

गुरुग्राम की मेयर मधु आजाद ने शनिवार को चंडीगढ़ में शहरी स्थानीय निकाय विभाग के प्रधान सचिव वी उमाशंकर से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मेयर ने प्रधान सचिव से कहा कि सरकार के स्तर पर चंडीगढ़ में नगर निगम गुरुग्राम से संबंधित काफी विकासात्मक एजेंडा लंबित है, जिन्हें जल्द से जल्द पास किया जाए, ताकि शहर में कई विकास योजनाएं शुरू की जा सकें। मेयर ने प्रधान सचिव को निगम पार्षदों द्वारा समय-समय पर सदन बैठक में रखी गई मांगों के बारे में भी अवगत करवाया तथा निगम पार्षदों को एक-एक करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाने की शक्तियों संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दिलवाने की मांग भी रखी। यह प्रस्ताव काफी समय से चंडीगढ़ स्तर पर लंबित हैं। मेयर ने वित्त एवं संविदा कमिटी की शक्तियों को और अधिक बढ़ाने की मांग भी रखी। इसके साथ ही मेयर ने नगर निगम गुरुग्राम में तैनात कुछ लापरवाह अधिकारियों के बारे में भी प्रधान सचिव को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी जो सही ढंग से काम नहीं करते तथा लापरवाही बरतते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कार्यकारी अभियांता की गोपनीय रिपोर्ट लिखने की शक्तियां मिलें

इसके अलावा अतिरिक्त आयुक्त स्तर से लेकर कार्यकारी अभियंता तक कि वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखने की शक्तियां मेयर को दी जाएं तथा सहायक अभियंता से लेकर कनिष्ठ अभियंता स्तर की रिपोर्ट लिखने की शक्ति निगम पार्षद के पास होनी चाहिए। इकॉग्रीन की कार्यशैली बारे शिकायतें मिल रही हैं तथा कार्य सन्तोषजनक नहीं है तथा नागरिकों से निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली करने के बारे में भी शिकायतें हैं। यूजर चार्जेज को खत्म करने की मांग मेयर द्वारा की गई है। दूसरे विभागों को जनहित में निगम को जमीन ट्रांसफर के निर्देश बारे भी मांग की गई है। इसके अलावा निगम कार्यालय भवन का निर्माण, सभी बची कॉलोनियों को नियमित करने, सदन को और अधिक शक्तिशाली बनाने, विकास शुल्क को 200-300 रुपये करने, आयुध डिपो क्षेत्र में सीवर लाइन डलवाने तथा निगम क्षेत्र के सरकारी स्कूलों की इमारतों के सुधार बारे निगम को अधिकार देने की मांगें रखी गईं।

पूर्व सांसद एवं पत्रकार अश्विनी चोपड़ा का गुरुग्राम में निधन

कई दिनों से मेदांता मेडिसिटी में थे भर्ती

2014 के लोकसभा चुनाव में अश्विनी चोपड़ा करनाल से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़कर सांसद बने थे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ पत्रकार अश्विनी चोपड़ा (अश्विनी मीन्ना) (63) का शनिवार को सुबह 11 बजकर 40 मिनट पर गुरुग्राम में देहांत हो गया। वे यहां छह जनवरी 2020 से मेदांता मेडिसिटी में उपचाराधीन थे। वे फेफड़े के कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत, राजनीति, खेल जगत समेत पूरे समाज में शोक की लहर है। उन्हें छह जनवरी 2020 को यहां मेदांता मेडिसिटी में भर्ती कराया गया था।

2014 के लोकसभा चुनाव में अश्विनी चोपड़ा करनाल से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़कर सांसद बने थे। उन्होंने इस चुनाव में वर्तमान में बीजेपी के रोहतक से सांसद अरविंद शर्मा को हराया था, जो कि कांग्रेस के उम्मीदवार थे। अश्विनी चोपड़ा फेफड़े के कैंसर से वे पीड़ित थे। विदेश में भी काफी दिनों तक उन्होंने उपचार कराया, लेकिन कुछ खास राहत नहीं मिली।

अश्विनी चोपड़ा। (फाइल फोटो)

क्रिकेटर भी रहे हैं अश्विनी चोपड़ा

अश्विनी चोपड़ा ने पत्रकारिता से पूर्व खेल के क्षेत्र में भी काफी नाम कमाया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता का कोर्स किया। कैलिफोर्निया से उन्होंने पत्रकारिता में मास्टर डिग्री की। पूर्ण रूप से पत्रकारिता करने से पूर्व अश्विनी चोपड़ा पंजाब में रणजी ट्रॉफी मैच खेले। वर्ष 1975-76 और 1979-80 के बीच उन्होंने 25 फर्स्ट क्लास रणजी मैच खेले। क्रिकेट खिलाड़ी के रूप में वे लेग स्पिनर थे। वर्ष 1975-76 के ईरानी कप मैच में अश्विनी चोपड़ा ने सुनील गावस्कर का विकेट लिया था।

विदेश से वे स्वदेश लाये गये और उन्हें कुछ दिन पूर्व यहां मेदांता मेडिसिटी में भर्ती कराया गया था। उनकी नाजुक हालत को देखते हुये 12 जनवरी 2020 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी उनसे मेदांता मेडिसिटी में मिलने पहुंचे थे। अब शनिवार 18 जनवरी 2020 को अश्विनी चोपड़ा ने अंतिम सांस ली और उनका देहांत हो गया।

संक्षिप्त-समाचार

शराब के ठेके पर युवकों ने ग्राहक को धुना

सोहना। सोहना के अंबेडकर बाईपास के निकट शराब के ठेके पर बैठे युवकों ने ग्राहक व उसके बेटा को डंडे, लोहे की रॉड तथा लात-घुसों से जमकर पीटा। बदमाशों ने घायल बेटा की पत्नी से गलत व्यवहार किया। पीड़ित बेटा को गुरुग्राम के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। गांव जखोपुर निवासी रोहित मोर्या पुत्र तेजपाल ने सोहना सिटी थाना पुलिस को बताया कि शुक्रवार को उसका पिता, पत्नी व पड़ोसी मोनू तथा उसके बच्चें गुरुग्राम से अपने घर आ रहे थे। सोहना पहुंचने पर उसके पिता ठेका पर बीयर की बोतल लेने के लिए चले गए। उसके पिता ने जो बीयर मांगी। सेल्समैन ने दूसरी ब्रांड की बीयर दे दी। उसके पिता ने जब सेल्समैन से इसकी शिकायत की तो उसने गालियां दीं। गालियां देने का विरोध किया तो शराब के ठेका पर बैठे 5-6 बदमाश डंडे और लोहे की रॉड लेकर बाहर आए। जिन्होंने उसके पिता को धक्का देते हुए उसके ऊपर हमला कर दिया। उकसे पिता को लात-घुसों से मारा। उसने अपने परिजनों को फोन करके मौके पर बुलाया। पीड़ित को पहले सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। वहां से डॉक्टरों ने रेफर कर दिया तथा बाद में परिजनों ने उसे गुरुग्राम के निजी अस्पताल में दाखिल कराया है। सोहना सिटी थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

परिषद ने चार और अवैध फॉर्म हाउसों पर नोटिस चस्पाएं

सोहना। सोहना नगरपरिषद ने रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी में चार और अवैध फार्म हाउसों को चिन्हित किया है। सात दिन में इन्हें खाली न करने पर दीवारों को तोड़ने के आदेश जारी किए हैं। परिषद अब तक अरावली में आठ अवैध फार्म हाउसों को चिन्हित कर चुका है है। सोहना नगरपरिषद ने अब अरावली में बने अवैध फार्म हाउसों को एक के बाद एक की पहचान करके उन्हे धराशाही करने की योजना को अमलीजामा पहनाने का मूंड बना लिया है। परिषद ने उन्हे नोटिस देने की प्रक्रिया को गति प्रदान कर दी है। परिषद अब तक 8 फार्म हाउसों को नोटिस जारी कर चूकी है। जिसमें चार को गिराने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर ड्यूटी मैजिस्टेट की मांग करने की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। सोहना नगरपरिषद रेवणु विभाग की मदद से अरावली में फार्म हाउस बनाने वाले मालिकों की पहचान करेगी। परिषद में अस्थाई तौर रखें हुए पटवारी रेवणु विभाग के पटवारियों से मदद लेंगे।

सड़क हादसे रोकने के लिए चलाया अभियान

सोहना। सोहना में वाहन चालकों को सड़क नियमों के बारे में जागरूक करने के लिए एलएनटी कंपनी ने हरियाणा रोडवेज व पुलिस प्रसाशन के साथ मिलकर जागरूक अभियान चलाया। इस जागरूक अभियान के दौरान बिना हेलमेट लगाने वाले दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के फायदे बताए गए। शनिवार को सोहना में यातायात नियमों की जानकारी देने वाली एलएनटी कंपनी के रिटायर्ड कर्नल दिनेश कपूर ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि एलएनटी कंपनी द्वारा हर साल जनवरी माह में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है। जिसमे कंपनी द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके। यातायात नियमों के बारे वाहन चालकों को जानकारी देने वाले एलएनटी कंपनी से सुरेंद्र सिंह, ज्योति यादव, भीमसैन सुक्ला, एसएस खान सोहना के नागरिक अस्पताल के काउंसलर दीपक महरोलिया, हरियाणा रोडवेज के प्रबंधक गणेशी लाल के अलावा पुलिस कर्मियों ने सड़क सुरक्षा सप्ताह में भाग लिया।

हरकोफैड ने की महाविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगता

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) द्वारा सेक्टर-9 स्थित राजकीय महाविद्यालय में जिला महाविद्यालय स्तरीय सहकारी भाषण प्रतियोगता का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्था के प्रवक्ता ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी के सहायक रजिस्ट्रार रिशी कुमार शामिल हुए। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को सहकारिता व सहकारी संस्थाओं तथा केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सहकारिता के साथ-साथ सहकारिता के माध्यम से अपने स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में मोहित सिंह प्रथम, भाविका सैनी द्वितीय, कल्पना सैन तृतीय स्थान पर रही। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के डा. तरुण लता, डा. वंदना, डा. ललिता, डा. गीता चौधरी, मनोज कुमार गोयल, प्रदीप कुमार आदि का सहयोग रहा।

आरडब्ल्यूए को मजबूत बनाने को बने प्लॉटिंड एक्ट : आरएस राठी

गुरुग्राम। निगम पार्षदों द्वारा आरडब्ल्यूए से कम्युनिटर सेंटर और पार्कों के रख-रखाव का कार्य वापिस लेने के प्रस्ताव के बाद वार्ड-34 के निगम पार्षद आरएस राठी आरडब्ल्यूए के समर्थन में खड़े हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि शहर को मजबूत बनाने के लिए आरडब्ल्यूए को सशक्त और शक्तियां देने की सख्त आवश्यकता है। पार्षदों के अधिकार क्षेत्र में ओर भी कई बड़े विकास कार्य हैं, जिन पर पार्षद फोकस कर सकते हैं। कम्युनिटी सेंटर और पार्कों का रख-रखाव का कार्य आरडब्ल्यूए के पास ही रखने के लिए उन्होंने अपनी तरफ से आयुक्त को पत्र भी लिख दिया है। राठी का कहना है कि आरडब्ल्यूए की भागीदारी के बिना शहर का विकास संभव नहीं है। कम्युनिटी सेंटर और पार्कों के रख-रखाव के लिए निगम जो पैसा देता भी है वह भी नाकाफी है, फिर भी अगर आरडब्ल्यूए रख-रखाव करती है तो इससे बेहतर विकल्प नहीं हो सकता। इसमें कोई संदेह नहीं कि आरडब्ल्यूए गुणवत्ता से काम कर सकती है। यदि कुछ आरडब्ल्यूए काम नहीं करती है कि तो उनकी छानबीन कर उनसे काम वापिस लिया जा सकता है, लेकिन सभी आरडब्ल्यूए से काम वापिस लेना इस समस्या का कोई समाधान नहीं हो सकता।

कादीपुर में तीन माह से खुदी पड़ी गली, नहीं हो रहा काम

गली खुदी पड़ी होने से लोगों को हो रही परेशानी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कादीपुर एंक्लेव व कादीपुर औद्योगिक क्षेत्र के नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान श्याम सुंदर यादव के नेतृत्व में विधायक राकेश दौलताबाद से मिले। इस मुलाकात के दौरान बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद को आरडब्ल्यूए के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव ने बताया कि कादीपुर एंक्लेव की गली नंबर-3 गत तीन माह पूर्व खोदी गई थी। उसके बाद वहां पर कोई काम नहीं हुआ। इस कारण से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसलिए गली को जल्द से बनवाया जाये, ताकि लोगों की समस्या खत्म हो सके। विधायक राकेश दौलताबाद ने आश्वासन दिया कि वे उनकी समस्या को समझ रहे हैं। जल्द ही इसका समाधान किया जायेगा।

शिवम ऑटो टेक के श्रमिकों व प्रबंधन के मध्य हुआ समझौता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बिनौला औद्योगिक क्षेत्र की शिवम ऑटो टेक के श्रमिकों का समझौता उप श्रमायुक्त दिनेश कुमार की मध्यस्थता में हो गया है और श्रमिकों का धरना भी समाप्त हो गया है। इस समझौते से श्रमिक काफी उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। श्रमिक संगठन एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार ने बताया कि पिछले काफी समय से शिवम ऑटो टेक के श्रमिकों व प्रबंधन के मध्य विवाद चला आ रहा था, जिसको लेकर श्रमिक गत 26 दिनों से मिनी सचिवालय पर धरना दे रहे थे।

लेकिन कोई नहीं निकलता देख श्रमिकों ने 7 जनवरी से कंपनी के बाहर व अंदर धरना शुरु कर दिया था। कई वार्ताओं का दौर चला। आखिर में बीती रात समझौता हो गया। यूनियन के प्रधान राकेश बैरवा ने बताया कि उप श्रमायुक्त की मध्यस्थता में हुए समझौते के अनुसार सभी स्थानांतरित किए गए श्रमिकों का स्थानांतरण रद्द कर वापिस ड्यूटी पर ले लिया है, यूनियन के 3 पदाधिकारियों का निलंबन रद्द कर दिया गया है, 18 गैर हाजिर श्रमिकों की जांच की गई और प्रबंधन इनके प्रति नरम रुख रखेंगे, पिछले समझौता को लागू किया जाएगा।

समझौता वार्ता में प्रबंधन की ओर से अंशुमान शर्मा, सुनी कुमार, श्रीवास्तव शर्मा, श्रमिक यूनियन की ओर से राकेश बैरवा, मुकेश यादव, श्रीभगवान व अनिल पंवार शामिल रहे।

पुलिस ने सट्टे की खाईवाली करने वाले युवक को दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना सीआईए पांच पुलिस टीम ने लाला खेड़ली में सट्टा खाईवाली करने वाले युवक को दबोचा। युवक के पास से तलाशी के दौरान 2210 रुपये बरामद किए।

सोहना से पलवल जाने वाले मार्ग के बल्लभगढ़ मोड़ पर गश्त कर रही सोहना सीआईए पांच पुलिस टीम के हवलदार विनोद कुमार को सूचना मिली कि लाला खेड़ली निवासी सुमित अपने गांव में लगे पेट्रोल पंप के नजदीक सरेआम सट्टे का नंबर लिख रहा है। युवक सट्टे की खाइबाड़ी का काम करता है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच सुमित को दबोच लिया। तलाशी के दौरान युवक के पास से सट्टे की सट्टाखाई में लगवाए गए 2210 रुपये बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

विधायक ने इको ग्रीन को शहर की सफाई दुरुस्त करने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

इको ग्रीन के खिलाफ आ रही शिकायतों को लेकर विधायक सुधीर सिंगला ने बेहद ही गंभीरता से लेते हुये इको ग्रीन के साथ बैठक की। बैठक में कंपनी के अधिकारियों को साफ निर्देश दिये कि चाहे कहीं पर भी कूड़ा पड़ा हो, उसे उठाकर शहर की सुंदरता बढ़ाएं। सिर्फ डोर-टू-डोर कूड़ा उठाकर काम को पूरा न समझें, बल्कि बाकी का कूड़ा भी उठाएं।

यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में विधायक सुधीर सिंगला की ओर से इको ग्रीन की बुलाई बैठक में कंपनी के सीओओ राजेश कुरूप, एसपीवी हेड डेविड, आपरेशन हेड शिवेन्दु और मीडिया एडवाइजर अनिल आर्य के साथ बैठक में विधायक ने शहर की सफाई की समीक्षा की। उन्होंने खुद को मिल रही शिकायतों को भी कंपनी अधिकारियों के समक्ष रखा। साथ ही कंपनी की ओर से दी गई जानकारी को भी उन्होंने बारीकी से समझा। बैठक में मंथन के बाद विधायक सुधीर सिंगला ने इको ग्रीन अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहर की सफाई के मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सफाई से कोई समझौता नहीं होगा। विदेशों तक में गुरुग्राम की पहचान है और इस पहचान को गंदगी की वजह से खराब नहीं किया जा सकता। इसलिए इको ग्रीन शहर में हर तरह का कूड़ा उठाये। डोर-टू-डोर के साथ-साथ बाकी का कूड़ा भी उठाया जाये। मतलब शहर का 100 फीसदी कूड़ा इको ग्रीन उठाये। साथ ही उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे कूड़ा को इधर-उधर फेंकने निर्धारित जगह पर या फिर इको ग्रीन की गाड़ियों में डालें, इससे शहर की सफाई आसानी से की जा सकती है।

सेक्टर-7 आर्य समाज मंदिर व सेक्टर-5 में चिंतपूर्णी मंदिर के पास से तुरंत कूड़ा उठाने को कहा

सदर बाजार का कूड़ा उठाने को रविवार से होगा काम

गुरुग्राम के पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में इको ग्रीन के अधिकारियों के साथ बैठक करते गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला।

सदर बाजार का रविवार से उठाएंगे कूड़ा

विधायक सुधीर सिंगला ने सदर बाजार के व्यापारियों की सफाई की समस्या को भी गंभीरता से लिया है। उन्होंने इको ग्रीन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कल रविवार से सदर बाजार का नियमित तौर पर उठाया जाए, ताकि बाजार में गंदगी न फैले। वहीं बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि सेक्टर-7 के आर्य समाज मंदिर के पास और सेक्टर-5 में चितंपूर्णी मंदिर के पीछे पड़े कूड़े को बिना देरी किए उठाया जाए। इन आदेशों को इको ग्रीन का तुरंत पालना की और कुछ समय बाद इन दोनों जगहों से कूड़ा उठाने काम शुरू कर दिया गया।

हर 15 दिन में करेंगे इको ग्रीन से बैठक

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि शहर की सफाई को लेकर सभी को गंभीरता दिखानी होगी। वे हर 15 दिन में कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक करके सफाई की समीक्षा किया करेंगे। जनता से भी फीडबैक लिया जाएगा, ताकि सभी शिकायतों का समाधान किया जा सके।

मंत्री ने छापेमारी कर अवैध बसों को पकड़ पुलिस को सौंपा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में अवैध रूप से दौड़ रही सात बसों को कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने इम्पाउंड करवा कर पुलिस के हवाले कर दिया। मंत्री शर्मा ने अधिकारियों को ऐसी सभी बसों को तुरंत बंद करवाने की हिदायत दी और इसके लिए अधिकारियों को फटकार भी लगाई। इन बसों के पास पर्याप्त कागजात उपलब्ध नहीं थे। बसों पर कार्रवाई के लिए उन्हें बस स्टैंड के अंदर खड़ा करवा दिया।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने रेलवे स्टेशन रोड़ पर स्थित एक कम्पनी के कार्यक्रम में भाग लेकर लौट रहे थे। अचानक अपने काफिले को उन्होंने हरियाणा रोडवेज के बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर रूकवा लिया। उन्होंने नेशनल हाइवें पर अवैध रूप से सवारी भर रही सात बसों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। मंत्री ने रोडवेज से अधिकारी बुलाकर बसों के कागजात चेक कराए। मगर बस ड्राइवर बसों के कोई कागजात व परमिट आदि नहीं दिखा सके। इस पर मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को आदेश दिया कि इन सभी बसों को इंपाउंड किया जाए और आगे भविष्य में सरकार को नुकसान न हो इसके लिए अधिकारियों को सख्त से सख्त आदेश दिए। रोडवेज अधिकारियों ने सात बसों को कब्जे में लेकर आरटीए टीम को बुला लिया। मूलचंद शर्मा ने बताया कि अवैध रूप से सवारी भर रही सात बसें पकड़ी हैं। जिनको तुरंत इंपाउंड कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरीके की अवैध बसे प्रदेश में चलती रही तो हरियाणा सरकार को हजारों लाखों का चूना लगता रहेगा। आने वाले दिनों में सरकार अवैध रूप से चलने वाली बसों पर और बड़ी कार्रवाई करने जा रही है। हरियाणा रोडवेज फरीदाबाद डिपो के वकर्स मैनेजर जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि अवैध रूप से पकड़ी गई सात बसों को डिपो में खड़ा किया गया है। बिना परमिट चलने वाली बस पर 50 हजार रुपये से अधिक के जुर्माने का प्रावधान है।

जिम से लौट रहे दो दोस्तों पर किया चार अज्ञातों ने हमला

फरीदाबाद। पुरानी रंजिश को लेकर आदर्श नगर में दो दोस्तों पर चार अज्ञात युवकों ने रॉड व पेचकस से हमला कर दिया। दोनों को घायलावस्था में सिविल अस्पताल में दाखिल कराया गया। पीड़ितों के बयान पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्यप्रदेश के निवासी अमित ने आदर्श नगर थाने में दी अपनी शिकायत में कहा है कि वह पिछले कुछ समय से अपने परिवार के साथ मलेरना रोड़ स्थित आदर्श नगर में रहता है। अमित का कहना है कि वह प्रतिदिन जिम में कसरत करने जाता है। उसके साथ उसका दोस्त हरिओम मंगला निवासी मुकेश कॉलोनी भी जाता है। अन्य दिनों की तरह शुक्रवार को भी दोनों जिम में गए हुए थे। रात को करीब 9 बजे वह घर लौट रहे थे। आरोप है कि पुरानी पुलिस चौकी के निकट 4 अज्ञात युवकों ने उन्हें घेरकर रॉड से हमला शुरू कर दिया। दो युवकों ने अपने हाथ में पेचकस लिए हुए थे, जिन्होंने अमित और हरिओम पर पेचकस से वार किया। बचाव के लिए शोर मचाए जाने पर आसपास के लोग आ गए। जिन्हें देखकर हमलावर धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना मिलने पर घायलों के परिवार जन पहुंच गए और उन्हें सिविल अस्पताल लेकर गए। घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया। जांच अधिकारी रामदयाल ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर आरोपियो की पहचान की जा रही है।

रंगदारी न देने पर होटल संचालक पिता-पुत्र को बदमाशों ने पीटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बदमाशों द्वारा मांगी गई एक लाख रुपये प्रति महीने रंगदारी देने से इनकार करना एक होटल संचालक को काफी महंगा पड़ गया। इस बात से खफा होकर बदमाशों ने होटल संचालक और उनके बेटे को बेरहमी से पीट पीट कर घायल कर दिया। घायल पिता पुत्र को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है।

सेक्टर 31 की स्प्रींगफिल्ड कालोनी में रहने वाले प्रशांत ने पुलिस आयुक्त से की गई शिकायत में कहा है कि वह अपने पिता नरेश कुमार के साथ मिल कर सेक्टर 86 बुढैना गांव के पास अपना होटल चलाता है। अन्य दिनों की तरह 16 जनवरी की रात को भी दोनों पिता पुत्र होटल में बैठे हुए थे। उसी दौरान इलाके में ही रहने वाले करीब एक दर्जन से ज्यादा बदमाश किस्म के युवक होटल में घुस आए। इन बदमाशों ने आते ही उसके पिता को कहा कि तुम्हारा होटल ठीक ठाक चल रहा है। यदि यहां शांति के साथ होटल चलाना है तो हर महीने एक लाख रुपये की रंगदारी देनी होगी। रंगदारी न देने की सूरत में वे यहां होटल नहीं चलने देंगे। उसके पिता नरेश ने युवकों को बताया कि काम काफी मंदा चल रहा है। इसलिए वे इतनी भारी रंगदारी देने में असमर्थ है। यह सुनते ही बदमाशों ने उसके पिता के साथ लोहे की रॉड, डंडों और हेलमेट से मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर वह भी वहां पहुंच गया और अपने पिता को बचाने का प्रयास करने लगा। लेकिन आरोपियों ने उसे भी पीट पीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। जिसके बाद बदमाश रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। इस घटना में दोनों को गंभीर चोटें आई है। दोनों को क्यूआरजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस बयान लेने के लिए पहुंची थी लेकिन हालत ठीक न होने पर वे बयान नहीं दे पाए। अब हालत में सुधार आने पर उन्होंने मामले की शिकायत दी है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है।

जेल में मिले दो मोबाइल

फरीदाबाद। जिला जेल में बंद एक कैदी से स्टाफ ने जांच के दौरान दो मोबाइल फोन बरामद किए है। पुलिस ने मामले की शिकायत दर्ज कर दी है। जानकारी के मुताबिक नीमका जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट रोहण सिंह हुड्डा ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि नीमका गांव स्थित जिला जेल में जेल स्टाफ की ओर से की गई चेकिंग के दौरान एक बंदी के कब्जे से 2 मोबाइल फोन मिले हैं। उन्होंने बताया कि रोजाना की तरह शुक्रवार को भी गिनती बंद के समय जेल के सुरक्षा कर्मचारी अलग अलग बैरेकों में जाकर कैदियों के सामान की तलाशी ले रहे थे।

King George's Medical University
U.P., Lucknow
KGMU Hospital Revolving Fund
E-tender Inviting Notice

Following Online E-Bids are invited latest by **22/02/2020** till 5:00pm under two e-bid systems for executing a Rate Contract for a period of two years.

1. E-Bids vide Tender No. KGMU/HRF/Medicines-03/2020 for supply of Medicines from original & genuine manufacturers / authroized importers only on the terms and conditions as per tender document.

2.E-Bids vide Tender No. KGMU/HRF/Sur-04/2020 for Surgical consumables / Latex Surgicals Gloves / Endo Mechanical products/ Rehabilitation aid appliances /Indian & Imported implants for Spine, Maxillofacial and Ortho surgery / Disinfectants etc., & General & petty Surgical items form original manufacturers or thier authroized importers / Local Dealers on the terms and conditions as per tender document. The details can be viewed at University website: **www.kgmu.org.** Tender will be available on e-portal https://etender.up.nic.in. **Chairman (KGMU HRF)**

कोहरे से लिपटा शहर, वाहनों की रफ्तार हुई धीमी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एकबार फिर से ठंड के तेवर और तेज हो गए हैं। शनिवार सुबह कोहरे की चादर में लिपटा रहा। दोपहर को कुछ समय के लिए सूर्य देव के दर्शन हुए। लेकिन शाम होते ही एकबार फिर से कोहरा छाने लगा। वहीं दुसरी तरफ बाईपास रोड़ पर एक गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक कोहरे के कारण पलट गया। जिससे वाहन चालकों को परेशानियां हुई।

जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। सुबह कोहरे की वजह से विजिबिलिटी जीरो तक जा पहुंची। इसका सबसे ज्यादा असर सड़क पर नजर आया। डीपर जलाने के बाद भी सड़कों पर गाड़ियां रेंग सी रही थीं। 10 बजे तक कोहरा छंटा। इसके बाद सड़कों पर गाड़ियों की आवाजाही कुछ बढ़ी।

हालांकि अधिकांश लोग घरों में रजाई में दुबके रहे। जो बाहर भी निकले वो पूरी तरह से गर्म कपड़ों से लिपटे होने के बाद भी ठिठुरते नजर आए। शहर के विभिन्न इलाकों में सड़क किनारे जगह-जगह अलाव जलाकर लोग राहत पाने की कोशिश करते नजर आए।

स्वस्थ रहने के लिए सप्ताह में तीन दिन साइकिल चलाएं ग्रामीण : नयनपाल रावत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हरियाणा भंडारण निगम के चेयरमैन एवं पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक नयनपाल रावत ने 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत शनिवार को साइक्लोथोंन आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने गांव चंदावली से साइकिल पर सवार होकर लगभग 5 किलोमीटर तक का सफर तय करके गांव मच्छगर पहुंचे। जहां उन्होंने ग्रामीणों को स्वस्थ्य रहने के लिए साइकिल चलाने का संदेश दिया। साइक्लोथोंन में उनके साथ स्कूली बच्चों के साथ-साथ ग्रामीणों ने भी साइकिल चला कर इस मूवमेंट को समर्थन दिया।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नयनपाल रावत ने कहा कि मौजूदा समय में बढ़ता प्रदूषण हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है इसलिए बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम करने में हम सभी को आगे आना होगा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वह सप्ताह में कम से कम तीन दिन साइकिल चलाएं, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहे और प्रदूषण में भी कमी आ सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकारें देश-प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण को लेकर गंभीर है और यही कारण है कि जहां लाखों की संख्या में पौधे लगाए जा रहे है वहीं ई रिक्शा व अन्य संसाधनों के प्रयोग पर बल दिया जा रहा है, जिससे प्रदूषण का स्तर कम हो सके। उन्होंने कहा कि सरकारें तो काम कर ही रही है, हम नागरिकों का भी दायित्व बनता है कि अपने क्षेत्र व प्रदेश को प्रदूषणमुक्त बनाने में अपना योगदान दें। इस मौके पर नयन पाल रावत ने कहा कि हरियाणा की खट्टर सरकार शहरों की तर्ज पर गांव का विकास कर रही है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the Public that Original Sale Deed dated 22.12.2006, Document No. 9252, Volume No. 1364, Pages 211-288, in favour of Mr. Rameshwar Dayal in respect of 153 Sq.Yds., Khasra No. 1364 min, Village Begam Pur, Budana, Maruf Mohalla, Dev Nagar, Sonda Road, Modinagar, U.P., has been lost/ misplaced. All persons are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the said missing document. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address with in 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, Second Floor, 23 Shivaji Marg, Moti Nagar, N.Delhi-15
Ph. 011-41112527-28 Kumarassociates.advocate@gmail.com

LOST & FOUND

To be known to all that I, AP Bhandari, S/o Late SR Bhandari am original allottee of DDA flat no. 8166/B-XI, Vasant kunj, New Delhi-70, vide DDA's File No. F125(7117) 83/SFS/VK/II. Original possession letter of said property has been misplaced. FIR has been lodged in PS Crime Branch, Delhi vide LR No. 52077/2020 on 14/1/20. Any persons claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original letter may contact above named person at above address, ph no. 9811306255 within 15 days from date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, objection can personally inform or write to Dy. Director, (LAB) H, Director (H) -1, D Block, 3r d floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi-23.

SBFC SMALL BUSINESS FINCREDIT
SMALL BUSINESS FINCREDIT INDIA PRIVATE LIMITED
(Erstwhile Mape Finserve Private Limited)
Registered Address: Unit No. 103, 1st Floor, C&B Square, Sangam Complex CTS No. 95A, 127 Andheri Kurla Road, Village Chakala Andheri (E) Mumbai - 400059
www.sbfc.com| Corporate Identity Number: U67190MH2008PTC178270

सार्वजनिक सूचना

एसबीएफसी इंडिया प्रा. लि. की शाखा फरीदाबाद के स्थानांतरण के बारे में जनता को सूचित/अधिसूचित किया जाता है। **17 अप्रैल 2020** से प्रभावी।
यहां से:- स्मॉल बिजनेस फिनक्रेडिट इंडिया प्रा.लि., **2B/1,** पहली मंजिल, **N.I.T.,** नजदीक भवानी स्वीट कार्नर, फरीदाबाद - **121001**
के लिए:- स्मॉल बिजनेस फिनक्रेडिट इंडिया प्रा.लि., **D-2,**पहली मंजिल, नजदीक **1-2** चौक, **N.I.T., NH2,** फरीदाबाद-**121001**
अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें-
स्मॉल बिजनेस फिनक्रेडिट इंडिया प्रा.लि.
0129 - 4029315
टोल फ्री : 1800 – 102- 8012

बीके अस्पताल में फिर कर्मचारी से साथ मारपीट

फरीदाबाद। बीती रात झगड़े में घायल होकर आए दो युवक ने बीके अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की पिटाई कर दी और मौके से फरार हो गए। इससे पहले भी इसी तरह से अस्पताल में मारपीट और तोड़फोड़ की घटना हो चुकी है। बीके अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी के पद पर कार्यरत रविंद्र ने अपनी शिकायत में कहा है कि बीती रात वह अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में तैनात था। तभी वहां एनएच दो निवासी मानस और हनी यादव झगड़े में घायल होने के बाद वहां पहुंच गए। डाक्टर से जांच करवाने के बाद वे उसे पट्टी करने के लिए कहने लगे। उस समय वह अन्य काम में व्यस्त था। थोड़ी देरी होते देख दोनों ने उसके साथ जमकर मारपीट शुरू कर दी। उसे घायल कर आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि बाद में पुलिस ने दोनों को दबोच लिया।

विद्यार्थियों ने जेईई मेन में हासिल किए बेहतर अंक

अप्रैल में आयोजित होगी दूसरी जेईईमेन परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेन के परिणाम की घोषणा शुक्रवार की देर शाम को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के द्वारा की गई। जिले के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चों ने 99 प्रतिशत से अधिक प्राप्त किए है। बेहतर प्रदर्शन करने पर शहर के विद्यार्थियों में खासा उत्साह है। अब अप्रैल में होने वाली दूसरी मेन परीक्षा अप्रैल में आयोजित की जाएगी।

डीपीएस सेक्टर-19 के छात्र तन्मय गुप्ता व प्रियांशु यादव ने 99.96, रिषभ सिंह ने 99.95, आयुष गर्ग व श्रेय चंदा ने 99.94, सूर्या भारद्वाज ने 99.89, मिहिर गुप्ता ने 99.84, प्रखर अग्रवाल व तन्मय ग्रोवर ने 99.83 और प्रियांशी गुप्ता ने 99.81 प्रतिशत प्राप्त किए है।

वहीं इनके अलावा एमवीएन स्कूल सेक्टर-17 के करमनजोत सिंह ने 99.93 व ध्रुव सिंह ने 99.90 पर्सेंटाइल प्राप्त की है। मॉडर्न डीपीएस के छात्र नमित विजयवर्गीय ने 99.96, जसजोत सिंह व सुमंत प्रतीक ने 99.95, संस्कृति जैन ने 99.85, मुदित चोपड़ा ने 99.82, भाविक चांदना ने 99.79, अपूर्व वर्मा ने 99.66, हर्शुल मिड्ढा ने 99.62, दीपांश जटवाली ने 99.47, समृद्धि जैन ने 99.38 और अक्षत देवनानी ने 99.30 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं।

जेईई मेन की परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाचार्यों एवं अभिभावकों ने बेहतर भविष्य की शुभकामनाएं दी है और अप्रैल में होने वाली दूसरी मेन परीक्षा के लिए और बेहतर तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित किया।

तीन पत्रकारों पर दर्ज मामले को अदालत ने किया खारिज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के पत्रकारों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे न्याय की जीत बताया

राजनैतिक दबाव में भाजपा की एक नेत्री की शिकायत पर शहर के तीन पत्रकारों के खिलाफ दर्ज कराए गए झूठे मुकदमे को न्यायालय द्वारा खारिज करने पर पूरे हरियाणा के पत्रकारों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे न्याय की जीत बताया है। सीजेएम संदीप चौहान की अदालत ने मुकदमे में चार्जशीट पर दोनों पक्षों के वकीलों की बहस सुनने के बाद केस को सिरे से खारिज कर दिया।

उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर एक महिला नेत्री एवं एक विधायक को लेकर चल रही चर्चाओं के आधार पर फरीदाबाद के तीन पत्रकारों ने अपने-अपने न्यूज पोर्टल पर खबर प्रकाशित की थी। इन खबरों में किसी राजनैतिक दल, महिला नेत्री और विधायक के नाम व पहचान उजागर नहीं की गई थी।

परंतु सत्ताधारी दल के चंद नेताओं के दबाव में थाना सूरजकुंड पुलिस ने 16 अप्रैल, 2018 को तीन वरिष्ठ पत्रकारों के खिलाफ आईटी एक्ट 67ए, 354डी एवं 499 के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया था। पुलिस ने बिना किसी जांच के ही मुकदमा दर्ज कर उन्हें गैर-कानूनी तरीके से हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले से उस समय गिरफ्तार किया, जब ये तीनों पत्रकार धार्मिक स्थल पर जा रहे थे। इस संदर्भ में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में तीनों पत्रकारों द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ दायर सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का मुकदमा भी विचाराधीन है। परंतु इससे पहले जिला अदालत ने तीनों पत्रकारों सहित 6 लोगों पर दर्ज किए गए मुकदमे को खारिज कर दिया है। अदालत में पत्रकारों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी त्रिखा, आर.के. भारद्वाज, शेखर आनंद गुप्ता एवं अशोक कौशिक ने बहस की।

वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिखा ने अदालत के समक्ष उपरोक्त सभी धाराओं के तहत सिलसिलेवार अपना पक्ष रखा। इसी प्रकार से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के. भारद्वाज ने हाईकोर्ट का एक पूर्व का फैसला दिखाया, जिसके तहत पत्रकार सहित सभी आरोपियों पर किसी प्रकार का मुकदमा बनता ही नहीं था। पुलिस ने राजनैतिक दवाब में यह मुकदमा दर्ज किया था। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद तथ्यों के आधार पर निर्णय लेते हुए मुकदमे को खारिज कर दिया।

PUBLIC NOTICE

I Satish Uppal S/o Late Sh. J.N. Uppal R/o A-66, Gulmohar Park, New Delhi-110049, hereby state that I had purchased plot no. 5522, DLF Qutab Enclave, Phase-IV, Gurugram (Haryana) vide sale deed (agreement) dated 31.03.2004 from M/s M.J. Promoters Pvt Ltd New Delhi. Now I wish to state that I have lost the following original Papers of plot no. 5522, Dlf Qutab Enclave, Phase-IV, Gurugram. (Haryana). **(1).** Original Sale Deed Dated 30.08.1996 in favour of M.J. Promoters Pvt. Ltd. by DLF Universal Limited. **(2).** Allotment Letter (The Purchase Agreement) Dated 26.11.1991. **(3).** All the payment Receipts which are not traceable and are misplaced. In this regard I had also reported to police station. If Any body has any objection to this, he or she may approach the DLF Office or the Under signed within 15 days of publication of this notice.

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन निम्नवर्णित तिथि को एक सूचना उनके द्वारा बैंक को उपलब्ध कराए गए, उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, तथापि यह बिना तामील वापस प्राप्त की जा चुकी है और अतएव उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्यामूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	अनिल चौधरी, आशा चौधरी, क्यू नंबर 93बी, पुलिस स्टेशन गीता कालोनी, दिल्ली खाता सं. :- एलबीएनओडी00003336803	फ्लैट नंबर 002, लोटस पैनाक टावर 27, प्लॉट नंबर जीएच-005, सेक्टर-110, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर-201301	13 दिसम्बर, 2019 रू. 1,83,85,574/-	30-09-2018
2.	अरशद खान, हीरा जमाल, बी-80, तृतीय तल, गली नंबर 8, गफ्फार मंजिल जामिया नगर, ओखला, दिल्ली खाता सं. :- एलबीडीईएल00004142745	फ्लैट नंबर 02, भू तल, टावर 19, लोटस पैनाक, प्लॉट नंबर जीएच-005, सेक्टर-110, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर-201301	18 दिसम्बर, 2019 रू. 1,09,76,289/-	31-10-2018
3.	अरविंद मसीन, सीमा मसीन, जीनियस बग एजूकेशन ऐंड लर्निंग प्रा. लि., ए-504, पार्क व्यू सिटी 2, गुड़गांव, हरियाणा खाता सं. :- एलबीजीयूआर00002423064	अपार्टमेंट नंबर ए-504, 5वां तल, टावर ए, पार्क व्यू सिटी 2, राजस्व सम्पदा ग्राम बादशापुर, गुड़गांव सोहना रोड, तहसील एवं जिला गुड़गांव, हरियाणा	20 दिसम्बर, 2019 रू. 1,04,88,996/-	30-09-2019
4.	जितेन्द्र शर्मा, मुकुट लाल शर्मा, 1/7384, गली नंबर 11, ईस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, दिल्ली खाता सं. :- एलबीडीईएल00004860718	प्लॉट नंबर एल-85, तृतीय तल, छत का अधिकार नहीं, एल ब्लॉक, सेक्टर-12, प्रताप विहार, गाजियाबाद, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	18 दिसम्बर, 2019 रू. 62,72,361/-	30-09-2019
5.	मनीषा खन्ना, अंकुर खन्ना, डोर डिवाइस्ड इंडिया प्रा. लि., नीरज खन्ना, ई-102, प्रथम तल सी58/24, स्टेलर पार्क, सेक्टर-62, नोएडा खाता सं. :- एलबीएनओडी00003048485	फ्लैट नंबर 301, तृतीय तल, स्टेलर पार्क, प्लॉट नंबर सी58/24, सेक्टर-62, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	13 दिसम्बर, 2019 रू. 63,11,494/-	31-05-2019
6.	नितिन मल्होत्रा, टिम्सी मल्होत्रा, डी-113, सेक्टर-50, नोएडा, उत्तर प्रदेश खाता सं. :- एलबीजीयूआर00001952724	अपार्टमेंट नंबर जीडीआई 0113503, गार्डन आइजल्स, विशटाउन, जेपी ग्रीन्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश	18 दिसम्बर, 2019 रू. 96,68,991/-	30-04-2019
7.	रामकुमार राममूर्ति, शिल्पी श्रीवास्तव, 111-एच/183, नेहरू नगर, गाजियाबाद खाता सं. :- एलबीजीयूआर00002002517	सी-2001, 20वां तल, एवीजे हाइट्स, ग्रेटर नोएडा, प्लॉट नंबर जीएच-1212, सेक्टर-जीटा-1, एनए, नोएडा-201307	13 दिसम्बर, 2019 रू. 60,62,338/-	30-06-2019
8.	शालिनी मंगल, नवीन गुप्ता, ई-216, प्रथम तल, ईस्ट ऑफ कैलाश, दिल्ली खाता सं. :- एलबीडीईएल00001822709	फ्लैट नंबर 2201, 21वां तल, यूनिटेक वर्वे, ब्लॉक नंबर 04, प्लॉट नंबर 11, सेक्टर-पाई-II, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	11 नवम्बर, 2019 रू. 18,29,829/-	31-08-2019
9.	श्रद्धा दुबे, दीपक दुबे, 211, एक्सप्रेस अपार्टमेंट, सेक्टर-4, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता सं. :- एलबीजीएचजैड00003274290	फ्लैट नंबर 201, द्वितीय तल, ब्लॉक : टावर 3, पंचशील पेबल्स, प्लॉट नंबर जीएच-1 (18ए), सेक्टर-3, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	20 दिसम्बर, 2019 रू. 66,34,212/-	30-09-2019
10.	श्रद्धा दुबे, दीपक दुबे, 211, एक्सप्रेस अपार्टमेंट, सेक्टर-4, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश खाता सं. :- एलबीजीएचजैड00003309720	फ्लैट नंबर 201, द्वितीय तल, ब्लॉक : टावर 3, पंचशील पेबल्स, प्लॉट नंबर जीएच-1 (18ए), सेक्टर-3, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	20 दिसम्बर, 2019 रू. 3,10,296.67/-	30-09-2019
11.	सनरेज इंजीनियर्स प्रा. लि., नमन महीपाल, अभिनव महीपाल, शिखा महीपाल, प्रदीप महीपाल, आरूष महीपाल, भावना महीपाल, प्रदीप महीपाल ऐंड सन्स, विमल महीपाल, नीतूष महीपाल, विमल महीपाल ऐंड सन्स, सनरेज इंजीनियर्स प्रा. लि., 2527, तुर्कमान गेट, आसफ अली रोड, दिल्ली खाता सं. :- एलबीडीईएल00002471348	प्लॉट नंबर 273, ब्लॉक-ई, द्वितीय तल, ग्रेटर कैलाश-II, दिल्ली	11 दिसम्बर, 2019 रू. 94,72,282.68/-	30-09-2019
12.	सईद फराज अली, सदाफ फराज सईद, 502/44, एवरशाइन मिलेनियम पैराडाइज, फेज-5, ठाकुर वीएलजी कांदीवली, मुंबई खाता सं. :- एलबीजीयूआर00002302727	फ्लैट नंबर 102, सुपर प्रीमियम टावर नंबर 3, प्रथम तल पिनैकल, डी ड्रीम्स, निपानिया इन्दौर, इन्दौर-452001	13 दिसम्बर, 2019 रू. 1,31,97,057/-	31-12-2016
13.	योग राज वर्मा, सीमा वर्मा, एल 601, ऐम्बीयंस आइलैंड, एनएच-8, गुड़गांव खाता सं. :- एलबीडीईएल00002420857	फ्लैट नंबर 2003, 19वां तल, टावर पी03, पेटिओल्स, सेक्टर-92, सरे क्रीसेंट पार्क, फेज-4, सेक्टर-92, गुड़गांव-122001	13 दिसम्बर, 2019 रू. 1,17,89,371/-	30-09-2019
14.	योग राज वर्मा, सीमा वर्मा, एल 601, ऐम्बीयंस आइलैंड, एनएच-8, गुड़गांव खाता सं. :- एलबीडीईएल00002423072	फ्लैट नंबर 0803, 8वां तल, टावर पी03, पेटिओल्स, सेक्टर-92, सरे क्रीसेंट पार्क, फेज-4, सेक्टर-92, गुड़गांव-122001	13 दिसम्बर, 2019 रू. 1,18,00,735/-	30-09-2019
15.	वंदना खरे, दिवाकर खरे, 49-ए/28, ज्योति पार्क, निकट गीता भवन, गुड़गांव खाता सं. :- एलबीजीयूआर00002085539	1903, 18वां तल, टावर 1, यूनिवर्सल औरा सेक्टर-82, गुड़गांव	11 दिसम्बर, 2019 रू. 27,51,384/-	31-05-2019
16.	वंदना खरे, दिवाकर खरे, 49-ए/28, ज्योति पार्क, निकट गीता भवन, गुड़गांव खाता सं. :- एलबीजीयूआर00002091088	1903, 18वां तल, टावर 1, यूनिवर्सल औरा सेक्टर-82, गुड़गांव	11 दिसम्बर, 2019 रू. 2,48,788/-	31-05-2019
17.	शशि साध, उमेश प्रकाश, 52/12, सी. आर. पार्क, नई दिल्ली खाता सं. :- एलबीडीईएल00002013094	फ्लैट नंबर सीटी-2601, 26वां तल, सन कोर्ट टावर-3, जेपी ग्रीन्स, सेक्टर-19 तथा 25, ग्रेटर नोएडा-201307	11 दिसम्बर, 2019 रू. 2,86,22,824/-	31-03-2017

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक उपाय किए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू है) को सलाह दी जाती है कि बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर कर दें, अन्यथा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कार्यवाही की जाएगी।

तिथि : 18-01-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

धन व सत्ता के लोभ से प्रभावित नेता

दुर्भाग्यपूर्ण है कि पैसे और सत्ता के लालच में नेता अपने पूर्वजों द्वारा निर्धारित मूल्यों को भूल गए हैं। इसके कारण सामाजिक एकजुटता व धार्मिक सद्भाव कमजोर हो रहा है। जेएनयू प्रकरण इस परिघटना का एक परिणाम है।

जे एस राजपूत
(लेखक शिक्षा व सामाजिक एकजुटता हेतु सक्रिय हैं)

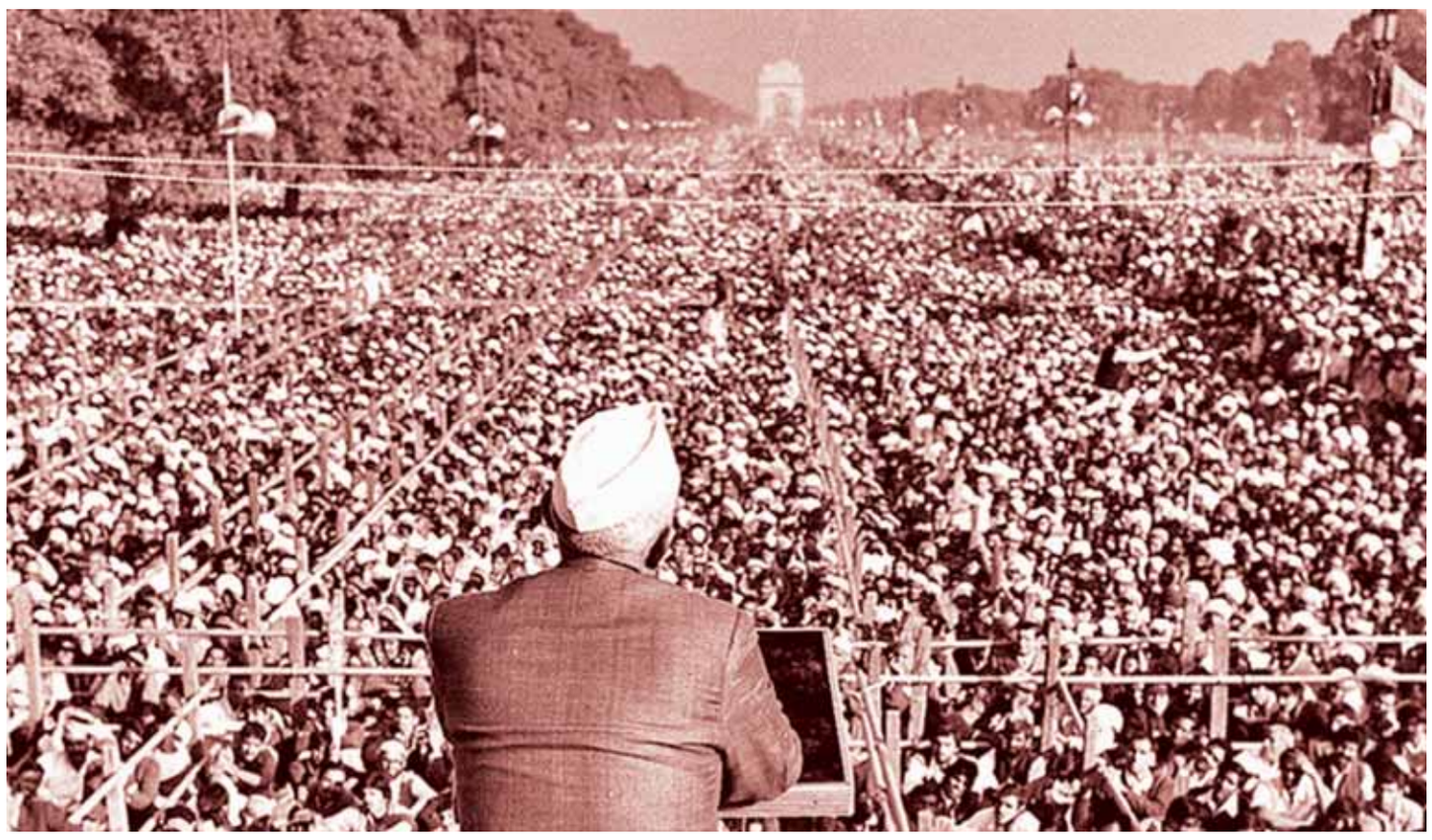

स्वतंत्र भारत के पहले कुछ वर्षों में राजनेताओं और जनता के बीच असाधारण एकजुटता दिखाई पड़ी। इन नेताओं के पीछे बलिदान की पृष्ठभूमि थी। इसी कारण जनता की नेताओं के प्रति श्रद्धा थी और उनसे बहुत उम्मीदें थीं। महात्मा गांधी इनमें सर्वोपरि थे जिनको सम्मान व प्रेम के साथ हर घर में याद किया जाता था। स्कूलों और कालेजों में बच्चे व नौजवान नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, खुदीराम बोस, वीर सावरकर, जयप्रकाश नारायण, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल व अन्य नेताओं पर जोश से बातें करते थे। देश के अनेक सुदूर गांवों और कस्बों में भी लोग आजाद हिंद फौज के बारे में जानते थे और उनका विश्वास था कि नेताजी वापस आएंगे।

व्यक्तिगत अनुभव से कहा जा सकता है कि दु:खद विभाजन के बावजूद जीवन अन्य स्थानों की तरह उत्तर प्रदेश व बिहार के गांवों में सामान्य हो गया था। हिंदू-मुस्लिम वैमनस्य के कोई लक्षण नहीं दिखते थे और बच्चे बहुधार्मिक समाज में बड़े होते हुए सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन प्रेम के साथ मनाते थे। वे किसी नियोजित पहल या परियोजना के बजाय प्राकृतिक रूप से साथ-साथ रहना सीख रहे थे। हालांकि, सांप्रदायिक टकराव की इक्का-दुक्का घटनायें सामने आती थीं, पर वे सामाजिक एकजुटता को नुकसान नहीं पहुंचाती थीं क्योंकि जनता तत्कालीन नेतृत्व पर विश्वास करती थी। लेकिन धीरे-धीरे चीजें बदलने लगीं। पद के साथ जुड़ी शक्ति व पैसे का लाभ उठाने वालों ने महात्मा गांधी की शिक्षाओं और मूल्यों को भुलाना शुरू कर दिया। उन्होंने गांधीजी के इन महान शब्दों को अनदेखा करना शुरू कर दिया कि 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।' ऐसे में समाज विज्ञानियों व विद्वानों ने परिवर्तन की अपनी व्याख्या शुरू की और वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं, व्यवहारों और पार्टियों में विकलांगकारी तत्व डालने लगे। धीरे-धीरे लोगों को नेताओं द्वारा किए वादों में झूठ का अनुभव हुआ। लेकिन वे उन व्यवस्थाओं के आदी होते गए जिनको जाति, नस्ल, धर्म व अन्य आयामों पर वोट पाने का माध्यम बनाया जा रहा था और जिनसे जनता के बीच विभाजन बढ़ रहा था। सामाजिक समीकरणों व सबके प्रति मित्रता की भावना भी बहुत तेजी से बदलने लगी। इससे भी बुरी बात है कि समुदायों में जानबूझ कर अविश्वास पैदा किया जाने लगा।

स्वतंत्रता के एक-दो दशक बाद धीरे-धीरे उभरी नेताओं की नई पीढ़ी ने समझ लिया कि राजनीति व चुनावों के माध्यम से सत्ता पर पहुंचना कितना आकर्षक है। इसलिए उन्होंने चुनावों में विजय पर ध्यान देना शुरू किया। स्वतंत्रता संघर्ष के प्रतीक अब नहीं थे और सेक्युलरवाद को तेजी से एक शक्तिशाली राजनीतिक हथियार में बदला जा रहा था। किसी भी राजनेता को चिन्ता नहीं थी कि सामाजिक एकजुटता व धार्मिक सद्भाव को थोड़ा सा नुकसान भी कितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान की पवित्र भावना का उल्लंघन किया जो सदियों से इस देश में व्याप्त थी और दुनिया भर में उसका सम्मान होता था।

ऐसे परिवर्तन अप्रत्याशित नहीं थे। जाति-आधारित पार्टियों के जन्म ने स्वतंत्रता के पहले के आदर्श मूल्यों को नुकसान पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई जबकि इनकी शक्ति से ही देश में सामाजिक व धार्मिक एकजुटता बनी थी। गांधीजी ने वास्तव में इसका अनुमान लगा लिया था। अप्रैल, 1922 को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा था कि स्वराज या स्वशासन हमारी जनता को खुशी नहीं दे सकता है, जब तक उस पर चार चीजों का बोझ बना रहेगा और वे कहने लगेंगे कि पुरानी औपनिवेशिक व्यवस्था अच्छी थी। इन चार चीजों में चुनाव व्यवस्था की कमियां, अन्याय, प्रशासनिक बोझ तथा अमीरों की धोखाधड़ी शामिल हैं।

आज ऐसा लगता है कि चुनाव करवाने की व्यवस्थागत कमियों पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। इनमें केवल पैसे का महत्व है, किसी और चीज का नहीं। मई, 2019 के अंतिम सप्ताह में आई खबरों से स्पष्ट है कि लोकसभा के 539 विजेता सांसदों में से 233 ने अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का शपथपत्र में उल्लेख किया था और इससे किसी को आश्चर्य नहीं हुआ था। जिस प्रकार से हर स्तर पर चुनाव जीते जाते हैं, उससे हमारे देश के सार्वजनिक जीवन में गंभीर विकृतियां पैदा हो गई हैं। यदि कोई नि:स्वार्थी व्यक्ति पंचायत स्तर का चुनाव जीत जाए तो यह भी एक रिकार्ड होगा। पंचायत चुनावों के राजनीतीकरण के कारण जमीनी स्तर तक सामाजिक संबंध प्रभावित हुए हैं। क्या कोई उम्मीदवार सोच सकता है कि वह भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित आर्थिक खर्च की सीमाओं में लड़ कर चुनाव जीत सकता है? इसलिए अब हमारे नेताओं को राजनीति में बने रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा पैसे की जरूरत होती है। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में 1977 में आशा की एक किरण पैदा हुई थी जब अनेक उम्मीदवार बिना किसी संसाधन के केवल अपनी स्वच्छ छवि तथा जनजीवन में योगदान के कारण चुनाव जीतने में सफल हुए थे। लेकिन 1980 के बाद यह सब समाप्त हो गया।

जनता ने न केवल जाति-आधारित पार्टियों का उदय देखा है, बल्कि उसके सामने यह तथ्य भी आया है कि कुछ ही सालों में कुछ राजनेताओं की संपत्ति में असाधारण वृद्धि हुई। स्पष्ट रूप से ऐसे परिदृश्य में मूल्य-आधारित राजनीति के लिए ज्यादा स्थान नहीं बचता है। जब मूल्यों व सिद्धान्तों की चिन्ता ही न हो तो भला कोई साधनों की चिन्ता क्यों करेगा? विरासत में सत्ता मिलने वाले लोगों के कारण राजनीति से गांधीवादी मूल्य धीरे-धीरे तिरोहित हो गए। हालांकि, कुछ राजनेता जोरशोर से और पूरी बेशर्मी के साथ स्वयं को गांधीजी का राजनीतिक वारिस कहते रहे और जनता ने उन पर दशकों तक लगातार विश्वास किया। सत्ता में 'स्थायित्व' सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने बहुत खामोशी से एक अल्पसंख्यक या मुस्लिम वोटबैंक बनाया, उसे झूठे आश्वासन दिए तथा यह समझा दिया कि बाकी सारे लोग उनके खिलाफ हैं। उन्होंने सेक्युलरवाद की अपनी व्याख्या की, हिंदुओं और मुसलमानों को बेहिचक ग्राम पंचायतों के स्तर तक विभाजित कर दिया तथा चुनाव के समय केवल जाति व सांप्रदायिक आधार पर विचार कर उम्मीदवार खड़े किए। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उम्मीदवार वास्तव में पद के योग्य है या नहीं। क्या ऐसे लोगों ने ईमानदारी, गंभीरता व प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा की? ऐसे नेताओं ने पूरी बेशर्मी से बाहुबलियों को भी चुनाव लड़ाने के लिए पसंद किया।

जून, 1975 में आपातस्थिति की घोषणा तथा उसके मार्च, 1977 तक जारी रहने पर जनता ने समझ लिया कि जिन लोगों पर उसने विश्वास किया था, उन्होंने उसे कैसे धोखा दिया था। लेकिन इस समय तक सामाजिक एकजुटता व धार्मिक सद्भावना काफी सीमा तक कमजोर हो गई थी।

इसके परिणामस्वरूप दो प्रमुख समुदायों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया। चुनावी लाभ के लिए स्वतंत्रता संग्राम समेत भारत के इतिहास का राजनीतीकरण किया गया। इतिहास पाठ्यपुस्तकों के लेखन व शोध की जिम्मेदारी पूरी तरह से वामपंथियों को सौंप दी गई जो घोषित रूप से सभी भारतीय चीजों से घृणा करते थे। महान समझे जाने वाले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय-जेएनयू का निर्माण वामपंथी वर्चस्व वाले एक किले के रूप में किया गया था। इसने परिसर में उन लोगों का प्रवेश तक वर्जित किया 'जो हमारी तरह नहीं सोचते हैं।' यदि ऐसा न होता तो आज जैसा विस्फोट वहां संभव न होता।

आज जो हो रहा है वह जानबूझ कर सदियों पुरानी भारतीय परंपराओं के राजनीतीकरण के कारण है जहां विविधताओं को स्वीकार किया जाता था तथा इसका गंभीर दार्शनिक आधार था। केवल यही एकमात्र ऐसा दार्शनिक दृष्टिकोण है जिसके आधार पर धरती ग्रह का अस्तित्व बचाया जा सकता है। यूरोप के सामने आई विभीषिका पर विचार करें जो तेजी से आए जनसंख्या, सामाजिक व सांस्कृतिक परिवर्तनों का परिणाम है, चाहे यूरोपीय इसे पसंद करें या नहीं। आखिरकार यह तथ्य क्यों नहीं स्वीकार किया जाना चाहिए कि अपने शासकों को जजिया देने के बावजूद प्राचीन भारतीय संस्कृति के प्रभाव के कारण हिंदुओं ने कभी मुसलमानों के धार्मिक स्थलों का अपमान नहीं किया।

यदि हमारे नेता परिपक्वता, भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण तथा दोनों समुदायों को एकसाथ लाने की तात्कालिकता पर विचार करते तो स्वतंत्रता के बाद भी भारत अपनी सदियों पुरानी धार्मिक सद्भावना की परंपरा बहाल कर सकता था। यह जयप्रकाश नारायण द्वारा दिखाए प्रगति व विकास के रास्ते पर बढ़ने का केन्द्रीय बिंदु था। उनके लिए राष्ट्र के कल्याण हेतु सामने आने वाले सभी लोग स्वीकार्य थे। तत्कालीन जनसंघ का जनता पार्टी में विलय इस महान दूरदर्शी नेता के प्रयासों का परिणाम था जो केवल भारत व उसकी जनता के कल्याण तथा उसके भविष्य के बारे में सोचते थे।

एक-दो विश्वविद्यालयों तथा अन्य स्थानों पर हुई हिंसा को अलग कर देखने की आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, इसे उन बीजों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जो स्वतंत्रता के बाद निहित स्वार्थी व स्वार्थी तत्वों ने केवल अपने हित में बोए हैं। उनकी संख्या कम है, पर इन तत्वों ने अंतत: अनेक संस्थानों को बंधक बना लिया है। उनकी कोई अकादमिक दिलचस्पी नहीं है और वे अनैतिक व समाज-विरोधी तत्वों से मिलीभगत रखते हैं। समस्याओं के समाधान की इच्छा रखने वाले लोगों को अल्बर्ट आइन्सटाइन द्वारा गांधीजी को लिखे पत्र पर गौर करना चाहिए जिसका संदर्भ एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी एक पुस्तक में दिया है। आइन्सटाइन ने कहा था, 'आपने अपने काम से दिखा दिया है कि बिना हिंसा के उन लोगों पर भी सफलता संभव है जिन्होंने हिंसा का रास्ता खारिज नहीं किया है।' क्या जेएनयू से इस दर्शन को मजबूत करने की आशा नहीं की जानी चाहिए?

विडंबना है कि अपनी तमाम प्रचारित उपलब्धियों के बावजूद जेएनयू ने कभी गंभीरता से उन लोगों की बात सुनने का प्रयास नहीं किया जो उसके जैसा नहीं सोचते हैं। राष्ट्र के प्रति उसकी जिम्मेदारी है कि वह देश की महान संवाद परंपरा का पोषण करे। जेएनयू को बौद्धिक संवाद का केन्द्र बनना चाहिए। भारत को ऐसे नेतृत्वकारी संस्थानों की आवश्यकता है जो सामाजिक एकजुटता व धार्मिक सद्भावना को प्रोत्साहित करते हों।

विधि सम्मत विरोध प्रदर्शन का दमन अनुचित

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 को सिर्फ किसी शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने के लिए मनमाने ढंग से नहीं लागू किया जा सकता। ऐसा करना शक्ति का दुरुपयोग एवं संविधान में निहित मूल अधिकारों का उल्लंघन है।

चित्रव रघु
लेखक आंध्र प्रदेश व तेलंगाना उच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को केंद्र द्वारा समाप्त किए जाने के पश्चात जम्मू-कश्मीर में लगाए गए नियंत्रणों को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। एक हालिया निर्णय में, शीर्ष अदालत ने माना है कि असहमति का अर्थ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत सत्ता को अस्थिर करना नहीं होता, जिसके तहत पांच या उससे अधिक लोग किसी स्थान पर एकत्र नहीं हो सकते। इसका धारा का प्रयोग लोकतांत्रिक अधिकारों की वैधानिक अभिव्यक्ति का दमन करने के लिए नहीं किया जा सकता।

शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी भी की कि, ''स्वतंत्रता और सुरक्षा दोनों सदैव आमने सामने रहते हैं। अदालत का काम है यह सुनिश्चित करना कि नागरिकों को सभी अधिकार व सुरक्षा प्रदान की जाए।'' उसने आगे माना कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 एक उपचारी व्यवस्था एवं निरोधात्मक उपाय है और उसे औचित्य के परीक्षण का विषय बनाए रखें। कोई भी आदेश औचित्य के सिद्धांत के अनुरूप होना चाहिए और न्यायिक पुनरीक्षण का विषय होता है।

बाद में, हमनें देखा है कि देशभर में, और केवल कश्मीर में ही नहीं, राष्ट्रीय नागरिक पंजिका- एनआरसी एवं नागरिकता संशोधन कानून- सीएए के विरुद्ध होने वाले विधि सम्मत विरोध प्रदर्शनों पर अंकुश लगाने के लिए धारा 144 का अंधाधुंध उपयोग राज्य पुलिस मशीनरी द्वारा किया जा रहा है। एक बार धारा 144 किसी इलाके में लागू हो जाने के बाद, सभी नागरिकों को किसी भी प्रकार के हथियार यथा, स्टिक, धारदार धात्विक वस्तुएं अथवा आग्नेयास्त्र सार्वजनिक स्थलों पर लेकर चलने से रोक दिया जाता है और केवल पुलिस तथा अन्य सुरक्षाकर्मी ही उन इलाकों में हथियार लेकर चल सकते हैं। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, धारा 144 का उल्लंघन दंडनीय है जिसमें तीन वर्ष के कारावास तक की सजा हो सकती है। क्योंकि अपराध अथवा दंगे की रोकथाम प्रशासन का दायित्व है, ऐसे में धारा 144 के तहत दी गई शक्ति कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मामले में पूर्णरूपेण है। कुछ मामलों में मजिस्ट्रेट अथवा संबंधित अधिकारी को उपलब्ध भौतिक प्रमाणों के आधार पर खतरे का संज्ञान हो सकता है, जिसे अनवरत रूप से आदेश में समाहित किया जाता है।

हालांकि, यह पहले से मानकर नहीं चला जा सकता कि केवल विरोध प्रदर्शन के कारण शांतिभंग हो रही है। इसलिए, यदि धारा 144 लगाने के लिए कोई भौतिक प्रमाण उपलब्ध न हो, तो ऐसा आदेश देश के संविधान में निहित अनुच्छेद-19 का उल्लंघन है इसलिए यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूलाधिकार का अतिकम्रण है। इसलिए, धारा 144 किसी शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने के लिए नहीं लगाई जा सकती।

धारा 144 में माना जाता है कि उन मामलों में जहां राज्य सरकार द्वारा अधिकृत किसी जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी अथवा अन्य किसी मजिस्ट्रेट के मत से कथित धारा के अंतर्गत कार्यवाही हेतु पर्याप्त आधार मौजूद हैं और तात्कालिक निरोधक प्रयास अथवा तीव्र गति उपचार वांछनीय है, तो वह मजिस्ट्रेट, एक लिखित आदेश के द्वारा, मामले के भौतिक तथ्यों को बयान करते हुए तथा धारा 144 के अंतर्गत मुहैया व्यवस्था के तहत, किसी भी व्यक्ति को किसी निश्चित कार्य करने से रोक सकता है।

मजिस्ट्रेट को उसके अधिकार अथवा उसके प्रबंधन के अधीन किसी संपत्ति के संबंध में, यदि उसे ऐसा लगता है कि ऐसा निर्देश अवरोध, आक्रोश अथवा किसी व्यक्ति को चोट लगने से रोक सकता है जो विधिक रूप से तैनात हो अथवा मानव जीवन, स्वास्थ्य अथवा सुरक्षा को खतरा हो अथवा सार्वजनिक शांति में व्यवधान की आशंका हो तो वह ऐसा आदेश जारी कर सकता है। उपधारा-2 में कहा गया है कि एक एक्स पार्टी आदेश आपात स्थिति में पारित किया जा सकता है और उपधारा-3 में कहा गया है कि ऐसा कोई भी आदेश किसी व्यक्ति विशेष अथवा किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले व्यक्ति को अथवा आम जनता या किसी स्थन विशेष को जाने वाले व्यक्ति को निर्देशित करते हुए जारी किया जा सकता है। उपरोक्त आदेश के अध्ययन से जाहिर होता है कि मजिस्ट्रेट अथवा अन्य अधिकारी को धारा 141(1) के तहत आदेश पारित करते समय भौतिक तथ्यों का उल्लेख करना होगा और उसके विचार का भी कि ऐसे आदेश पारित होने से सार्वजनिक शांति में व्यवधान को रोका जा सकता है। जोर हमेशा जनशांति भंग होने की संभावना पर दिया जाता है। यद्यपि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में दंड प्रक्रिया संहिता, 1988 (1898 के अधिनियम 5) का उन्मूलन करती है, पुरानी संहिता की धारा 144 को नई संहिता में बनाए रखा गया है।

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य घटक है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने, संविधान सभा द्वारा अंगीकार किए जाने वाले संविधान के उद्देश्यों व ध्येयों से परिपूर्ण अपने ऐतिहासिक प्रस्ताव में कहा था, ''संविधान में अन्य के साथ भारत के लोगों के लिए विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी होनी चाहिए।'' संविधान का अनुच्छेद 19(1) संविधान के भाग-3 का हिस्सा है जो मूल अधिकारों से संबंधित है जिसके अधीन सभी नागरिकों को बोलने एवं अभिव्यक्ति तथा शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने व संघ निर्मित करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे अधिकार का किसी भी प्रकार अतिक्रमण नागरिकों को उपलब्ध मूल अधिकारों का उल्लंघन है। अनुच्छेद 19(2) राज्य को ऐसे अधिकारों के प्रयोग पर तर्कसंगत प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। जब धारा 144 लागू की जाती है, तो इसका अर्थ संविधान के अनुच्छेद-19(2) के अंतर्गत तर्कसंगत प्रतिबंध माना जा सकता है। लेकिन यदि धारा 144 के अंतर्गत अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन नहीं किया जाता, अर्थात शांतिभंग होने की वास्तविक आशंका, तो धारा 144 लागू किया जाना संविधान के अनुच्छेद 19(1) का उल्लंघन होगा।

मधुलिमये वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने, संविधान के अनुच्छेद 19 के सापेक्ष दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 का परीक्षण करते हुए, व्यवस्था दी थी कि शक्ति आदेश जारी करने तक विस्तारित है, जो या तो प्रतिबंधात्मक हो अथवा अनिवार्य प्रकृति का और आकस्मिकता एकमात्र आधार है जिसके आधार पर इस धारा के तहत जारी आदेश को सही माना जा सकता है।

आकस्मिकता का संबंध शांति भंग की आशंका के साथ होना ही चाहिए। मजिस्ट्रेट को अपने वस्तुपरक विचारों को परिलक्षित करते हुए आदेश पारित करना होता है। शीर्ष अदालत ने यह भी माना था कि धारा 144 के अंतर्गत शक्ति प्रशासन से प्रवाहित नहीं हो रही बल्कि यह ऐसी शक्ति है जिसे न्यायसंगत ढंग से प्रयोग किया जाना होगा और उसे न्यायिक परीक्षण पर खरा उतरना चाहिए। रामलीला मैदान घटना के मामले में, शीर्ष अदालत ने, जोर देकर कहा था कि प्रावधान लागू करने के लिए आवश्यक खतरे की मात्रा सार्वजनिक शांति और अमन के प्रति वास्तविक खतरा होना चाहिए। सिर्फ काल्पनिक अथवा संभावना के आधार पर प्रावधान लागू नहीं किया जा सकता। भौतिक तथ्य जो आदेश में उल्लिखित किए जाने होते हैं उनमें स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शांति भंग की वास्तविक आशंका है वर्ना मजिस्ट्रेट अथवा किसी अन्य सक्षम अधिकारी को यह प्रावधान लागू करने का अधिकार नहीं है।

इसी तरह, अदालत ने कर्नाटक राज्य बनाम गौरी नारायण अंबिगा मामले में व्यवस्था दी थी कि वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में विचारों को प्रचारित करने, आडियो लेखन, अथवा वीडियो को शामिल करने के लिए ध्यान में रखा जाना चाहिए। इसका अर्थ है कि लोगों का एकत्र होकर नारे लगाना संविधान के अनुच्छेद 19(1) के दायरे में आता है।

बलदेव गांधी बनाम पंजाब राज्य, वाद में शीर्ष अदालत ने व्यवस्था दी थी कि ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जहां जिम्मेदार व्यक्ति अथवा वे व्यक्ति जो निर्वाचित पद पर हैं और उन्हें लगता है कि लागू किए गए कानून को असंवैधानिक एवं जनहित के विरुद्ध करार देकर उसकी आलोचना करना उनका दायित्व है और वे लोगों को चर्चा हेतु आगे आने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं और उसे अनुच्छेद 19(1) के तहत संरक्षण प्रदान किया गया है।

धारा 144 लागू करते समय, मजिस्ट्रेट अथवा अन्य किसी अधिकारी को अनुच्छेद 19(1) के तहत विद्यमान नागरिकों के प्रति सजग रहना चाहिए। मजिस्ट्रेट को एक लोकतांत्रिक समाज में विरले ही ऐसा प्रावधान लागू करना होता हे जो स्वस्थ विरोध का सहारा लेता है। इसे किसी शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने के इरादे से मनमाने तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा किया जाता है तो यह शक्ति का दुरुपयोग कहा जाएगा। इसलिए, राज्य पुलिस मशीनरी को निर्धारित कानून के प्रति सजग होना चाहिए ओर किसी वैधानिक एवं शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए धारा 144 लागू नहीं करनी चाहिए।

मंत्री जी का डंका

पूर्वांचल के एक जिले से चुनकर आए माननीय आज कल बहुत गदगद हैं। वह इसलिए क्योंकि युवा महोत्सव का कार्यक्रम इन्हीं मंत्री महोदय की अगुवाई में हो रहा है। इन्हीं का विभाग यह कार्यक्रम आयोजित करवा रहा है। केंद्रीय मंत्री से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम के साथ सुर्खियों में बने रहने का मौका भी मिल रहा है। साथ ही इस कार्यक्रम के जरिए मंत्री जी के और काम भी सही होते जा रहे हैं। प्रतिदिन अखबारों में समाचार वह भी फोटो के साथ प्रकाशित हो रहा है। ऐसे में मंत्री जी का गदगद होना लाजिमी है। पहले राज्यमंत्री थे लेकिन विस्तार में महाराज जी ने कद बढ़ाकर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कर दिया। ऐसे में मंत्री महोदय के जिले के आस-पास के जिले के भी कई मंत्री हैं जिन्हें उनसे जलन होने लगी है। एक कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमारे पास तो विभाग है मगर तब भी हमें रोज इतना स्थान समाचारों में नहीं मिलता। अब जो भी हो मगर मंत्री जी का तो डंका खूब बज ही रहा है।

सूर्य का प्रकोप

प्रदेश के किसानों को सुविधाएं मुहैया कराकर आनन्द लेने वाले पंडित जी पर आज कल सूर्य का ऐसा प्रकोप हुआ है कि वह जनवरी की ठंड में पसीना-पसीना हो गए। हर समय आनन्दित रहने वाले व चेहरे पर मुस्कुरान रखने वाले पंडित जी एक कार्यक्रम कराकर काफी प्रफुल्लित दिखाई पड़ रहे थे। कृषि को ऊर्जा देने वाले सूर्य के सामने आ कर उनसे अपने कार्य की तारीफ सुनना चाह रहे थे लेकिन पंडित जी को क्या पता था कि इस जनवरी की कड़ाके की ठंड में भी वह सूर्य के प्रताप को सहन नही कर पाएंगे। हुआ भी वही। जैसे ही पंडित जी सूर्य के सम्मुख पहुंचे। सूर्य का प्रताप उन पर बरस पड़ा। सूर्य की तपन पंडित जी पर ऐसी बरपी की उनका चेहरा उतर सा गया और माथे पर पसीना आने लगा। मानो यह जनवरी का नही, मई-जून का महीना हो। पंडित जी तर्क देते रहे लेकिन सूर्य अपनी गर्मी बरसाने से बाज नही आ रहे थे। वहां खड़े लोग अवाक थे कि अब कैसे पंडित जी को सूर्य के प्रकोप से बचाया जाए। अंत में सूर्य ने ही कह दिया कि अब यहां से जाइए और अपने में सुधार लाइए, अन्यथा बड़ा नुक्सान हो जाएगा। पंडित जी किसी तरह वहां से जान बचाकर निकल तो गए लेकिन उनके पसीना काफी देर तक आता रहा।

मुंगेरीलाल के हसीन सपने

अपने शिक्षण संस्थान में कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल में जन संपर्क अधिकारी बने मैनेजमेंट गुरु के दिन शायद ठीक नहीं चल रहे हैं। मैनेजमेंट मुखिया के आने के बाद ऐसा लग रहा था कि मैनेजमेंट गुरु के दिन लौट आये हैं। हर पल ताज का ख्वाब सजा कर टहल रहे गुरु की मौज ही मौज थी। दिन में भी मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे थे। हर किसी को अपने स्तर से ही रेवड़ियों के भाव में पद बांटने का दिलासा दे रहे थे। मैनेजमेंट गुरु को भी लग रहा था कि मैनेजमेंट मुखिया के बाद पूरे संस्थान में उनकी ही बादशाहत कायम रहेगी। लेकिन मैनेजमेंट मुखिया की कैंची के सबसे पहले शिकार मैनेजमेंट गुरु ही बने। मुखिया ने उन्हें जैसे ही पद से हटाया, उनके मुंगेरीलाल के हसीन सपने टूट गये। खबर है कि मैनेजमेंट गुरु को हटाने के पीछे वजह उनकी शिकायत कुछ लोगों द्वारा मैनेजमेंट के मुखिया से करना रहा है। मुखिया से शिकायत यह हुई थी कि वह तो लोगों को पद दिलाने का सौ फीसदी वाला आश्वासन देते फिर रहे हैं। ऐसे में मुखिया जी ने भविष्य में अपने ऊपर आने वाली आंच को रोकने के लिए मैनेजमेंट गुरु के पर कतर दिये। मैनेजमेंट गुरु के ख्वाब भले ही चकनाचूर हो गये हैं पर अभी भी उन्होंने मुंगेरीलाल का हसीन सपना देखना नहीं छोड़ा है।

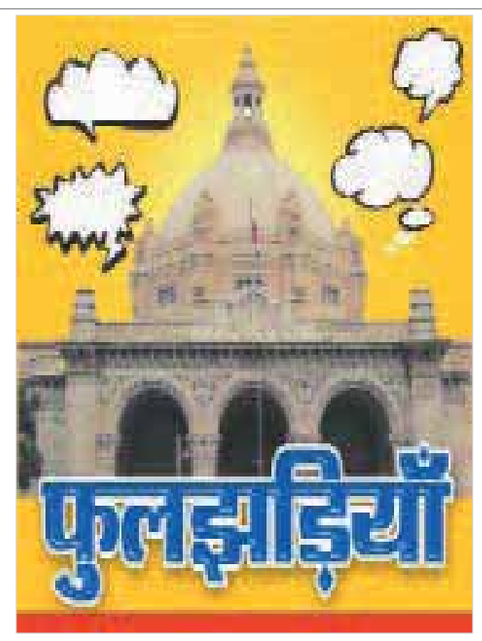

साहब का हंटर

एलडीए के नवांगतुक बड़े साहब के आने पर अफसरों में हड़कंप मच गया है। अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने के नाम पर एलडीए कुछ इलाकों में ही कार्रवाई करने में सफल हो रहा था लेकिन कई इलाकों में अफसर चुप्पी मारे बैठे थे। चैन की बांसुरी बजा रहे इंजीनियर, साहब के हंटर से खड़बड़ा गए। अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने के अधिकार और जोन को चार अधिकारियों में बांट दिया गया। हालांकि मैडम सिंघम पहले से ही जमीं थी। पर चप्पे चप्पे पर नजर रखने का सख्त फरमान सुना डाला गया। एलडीए के चार अफसरों में बंटवारा कर दिया। हालांकि कई कर्मी कहते नहीं चूके कि साहब के हंटर की आवाज बाहर तक सुनाई दे रही है। कईयों के हलक सूख गए क्योंकि अवैध निर्माण पर हिस्सा लगाए कई मास्टर माइंड इंजीनियर उदास हो गए। बेचारे अभी तक इन इलाकों पर अकेले राज कर रहे थे अब चार अफसरों को बैठाने से गिरानी बढ़ जाएगी। अवैध निर्माण करने वालों की खैर नहीं। मरता क्या न करता। चेहरे पर मुस्कान लिए स्वीकार करना पड़ा। एलडीए में जितनी अधिक कार्रवाई होती है, वैसे ही अवैध निर्माण की रफ्तार बढ़ जाती है। इंजीनियरों की सक्रियता पर मार्केट में उछाल आ जाता है, जिसे शिव भी नहीं रोक पाते हैं। हालांकि निर्माण करने वाले भी शिव की पूजा आराधना के बाद ही आगे बढ़ते हैं।

कहीं खुशी कहीं गम

कमिश्नरी सिस्टम लागू क्या हुआ, लखनऊ व नोएडा में तैनात खाकी महकमे के प्रदेश सेवा वाले अधिकारियों में कहीं खुशी कहीं गम वाली स्थिति हो गई है। एडीशनल एसपी रैंक के अधिकारी जहां अपने पदनाम से दुखी दिख रहे हैं वहीं उनसे एक रैंक नीचे यानि डिप्टी एसपी स्तर के अधिकारी खुशी के मारे फूले नहीं समा रहे। दरअसल अभी तक एडीशनल एसपी रैंक के अधिकारियों का पदनाम अपर पुलिस अधीक्षक का होता था लेकिन सभी एसपी बनकर घूमते थे। वह अपने नाम के आगे पुलिस अधीक्षक लगाते थे। वहीं डिप्टीएसपी स्तर के अधिकारी सर्किल अफसर कहलाते थे। कमिश्नरी लागू होने के बाद एडीशनल एसपी स्तर के अधिकारियों का पद नाम एडीसीपी (असिसटेंट डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस) हो गया है जबकि उनके नीचे के डिप्टीएसपी अब असिसटेंट पुलिस कमिश्नर कहलाएंगे। खुशी और गम फैलने के पीछे यही वजह है। डिप्टीएसपी स्तर के अधिकारी कहते हैं कि कमिश्नरी सिस्टम में भले ही कुछ साथियों की सर्किल का एक-एक थाना भले ही कम हो गया हो लेकिन गर्व की बात यह है कि हम लोग अब सहायक पुलिस आयुक्त कहलाएंगे।

भतीजे की शादी का बैना

मुख्यमंत्री दफ्तर में इन दिनों एक वरिष्ट आईएएस अधिकारी के भतीजे की शादी का पकवान चर्चा का विषय बना हुआ है। यह अफसर सरकार, शासन और मीडिया में बेहद लोकप्रिय हैं। भतीजे की शादी की बात पता चलते ही हर कोई सूंघते हुये लोकभवन स्थित उनके दफ्तर में जा धमकता है। बेचरे अधिकारी बाजार से पकवान मंगवाकर थक चुके हैं लेकिन आने वालों का सिलसिला जारी है। हर किसी को वह भतीजे की शादी का बैना बताकर बाजार से मंगाया गया पकवान खिलाये जा रहे हैं। कई लोगों ने तो दो और तीन बार पकवान का स्वाद चखा है। पकवान के लगातार चलने के बारे में जब इस अधिकारी से पूछा गया कि शादी में कितना पकवान आया, जो खत्म होने का नाम ही नही ले रहा है तो इस पर इस अधिकारी का जवाब था कि जैसे लोग दूर-दराज के धार्मिकस्थलों से प्रसाद लाकर यहां आने पर मात्रा बढ़ा देते है, वैसे ही वही फार्मूला मैने निकाला है। वैसे इस अधिकारी का बसपा और सपा की सरकारों में सिक्का चलता था। इनका जलवा अभी भी है और सरकार के लिये बड़े काम कर रहे है। यह अलग बात है कि हिन्दी फीचर फिल्म मिस्टर इण्डिया के अनिल कपूर की तरह इस सरकार में वह अदृश्य नजर आते हैं।

बसपा, भाजपा व कांग्रेस के कई नेता सपा में शामिल

लखनऊ में आयोजित सपा के कार्यक्रम में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव को अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व अन्य नेताओं ने प्रतीक चिन्ह भेंट किया

● हिंदू युवा वाहिनी के सुनील सिंह भी सपा में आये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह अपने कई साथियों के शनिवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इस मौके पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव एवं पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ ही कई नेता मौजूद थे।

सपा प्रवक्ता ने बताया कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए बहुजन समाज पार्टी, भाजपा और कांग्रेस के कई प्रमुख नेता अपने हजारों साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने समाजवादी पार्टी की जीत के लिए एकजुट संघर्ष करने का एलान किया। समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह तथा बसपा के पूर्व मंत्री डॉ रघुनाथ प्रसाद शंखवार, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मोहनलालगंज सीएल वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष बसपा लखनऊ महादीन गौतम, मऊ के राजेन्द्र कुमार, पूर्व कैबिनेट मंत्री और नोएडा के भाजपा नेता दीपक विग के साथ बसपा के कई नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। सुनील सिंह ने अपने समस्त पदाधिकारियों के साथ समाजवादी पार्टी में वाहिनी के विलय की घोषणा की। उनके साथ विभिन्न जनपदों के 46 नेताए पदाधिकारी भी आज समाजवादी पार्टी के सदस्य बन गए।

पार्टी में शामिल नेताओं तथा अन्य संस्थाओं ने मुलायम सिंह यादव व अखिलेश यादव को गदा, बुके तथा अन्य स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंच पर नेता विरोधी दल रामगोविन्द चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री इन्द्रजीत सरोज, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी, एमएलसीगण एसआरएस यादव, सुनील सिंह साजन, अरविन्द कुमार सिंह, रामबृक्ष यादव, डॉ राजपाल कश्यप, रामआसरे विश्वकर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सपा में शामिल होने वालों में जनपद लखनऊ व कानपुर के दर्जन भर से ऊपर बसपा नेता में क्रमशः डॉ रघुनाथ प्रसाद शंखवार पूर्व मंत्री विधायक बसपा भोगनीपुर बसपा के साथ गंगाराम पाल पूर्व जोनल ओआर्डिनेटर कानपुर मण्डल बसपा।

किसानों, नौजवानों, व्यापारियों को मजबूत बनाना होगा: मुलायम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने नौजवानों को सपा का भविष्य बताते हुए शनिवार को कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए किसानों, नौजवानों और व्यापारियों को बहुत मजबूत बनाना होगा।

मुलायम ने पार्टी राज्य मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि देश के किसान, नौजवान और व्यापारी को बढ़ावा देकर ही देश को दुनिया में अव्वल बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पार्टी नौजवानों के हाथों में होगी इसलिए इसकी तैयारी करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने सात क्रांतियां की हैं और नौजवानों को उनके बारे में पढ़ना चाहिए। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा नौजवानों को पार्टी की विचारधारा के बारे में पढ़ना चाहिए और उसके बाद जनता के बीच जाकर बहस करनी चाहिए।

जनता तभी मूल्यांकन करेगी कि किस पार्टी ने क्या बोला है और वह उसी आधार पर वोट डालेगी। मुलायम ने कहा नौजवानों को यह देखना होगा कि दुनिया में कितना बदलाव हो रहा है। चाहे अमेरिका हो और चाहे कोई अन्य देश हो, उनमें भी परिवर्तन हो रहा है। दुनिया में परिवर्तन की यह लहर अब आई है मगर समाजवादी पार्टी शुरू से ही परिवर्तन की राजनीति करती रही है।

योगी सरकार की उल्टी गिनती शुरू: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर धर्म के नाम पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि उनकी सरकार के पास अब ज्यादा वक्त नहीं है और उसकी उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है।

अखिलेश यादव ने हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह और उनके साथियों के सपा में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि विरोध करने पर योगी सरकार ने इन लोगों पर न जाने कितने मुकदमे लाद दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार पहले ही दिन से अन्याय कर रही है। विरोध करने वालों पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार जहां उत्तर प्रदेश को विकास की तरफ ले जा रही थी, वहीं भाजपा ने विकास का रास्ता रोककर राज्य को विनाश के रास्ते पर ले जाने का काम किया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, उसके (भाजपा) पास हिंदू और मुसलमान के अलावा और कोई नारा नहीं है। अभी नागरिकता को लेकर कितना बड़ा सवाल खड़ा कर दिया गया। नागरिकता का मामला असम से शुरू हुआ था लेकिन कोई असम के लोगों से पूछे कि क्या वे वहां हुई एनआरसी की कवायद से संतुष्ट हैं? अखिलेश ने कहा कि असम के लोग ही न जाने क्या-क्या चाहते थे।

भाजपा को मौका मिला। उन्होंने वहां भी हिंदू-मुसलमान करा दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमें इस बात की खुशी है कि योगी आदित्यनाथ की सरपरस्ती वाली हिंदू युवा वाहिनी के लोग सपा के साथ आ गए हैं। जो लोग दूसरों की नागरिकता ले रहे थे अब उन्हीं लोगों की नागरिकता खतरे में आ जाएगी। हमें भरोसा है कि भाजपा के लोग जो धर्म की आड़ में अधर्म कर रहे थे उसका भी खुलासा ए लोग कर देंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि यह परंपरा तो भाजपा ने ही शुरू की है। उसने हमारे विधान परिषद सदस्य बुक्कल नवाब को ले लिया और उनसे कहा कि जाओ हनुमान जी की पूजा करो।

लखनऊ में मंत्री मोहसिन रजा ने शनिवार को अपने परिवार के साथ मेट्रो का आनंद लिया

महापौर, अध्यक्ष और पार्षदों को मिलेगा भत्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर और पार्षदों को भत्ता मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार के स्तर पर इन्हे मानदेय के रूप में भत्ता दिये जाने की सैद्धान्तिक सहमति मिल गई है और जल्द ही इस बारे में शासनादेश जारी होने के संभावना है। नये वित्तीय वर्ष से शहरी निकायों के महापौर, पालिका अध्यक्ष तथा पार्षदों को भत्ते की सुविधा देने की सरकार की मंशा है। भत्ते पर आने वाले खर्च की धनराशि नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों को उठानी होगी। अभी जिला पंचायतों तथा ग्राम्य पंचायतों के निर्वाचित सदस्यों को भत्ता मिलता है।

नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के निर्चाचित प्रतिनिधियो द्वारा भत्ता दिये जाने की मांग पिछले दो दशक से ज्यादा समय से चली आ रही थी। लखनऊ, कानपुर, आगरा,

● सरकार की सैद्धान्तिक सहमति, शासनादेश जल्द जारी होने की संभावना

गाजियाबाद, प्रयागराज तथा वाराणसी सहित अनेक नगर निगमों से भत्ता दिये जाने के प्रस्ताव पारित कराके शासन को भेजे जाते रहे, लेकिन सरकार के स्तर पर कोई निर्णय नही हो पाता था। योगी सरकार में पिछले साल महापौर, अध्यक्ष और पार्षदों को भत्ता दिये जाने की पत्रावली पर नये सिरे से काम शुरू हुआ था। जिसमे इनके भत्ते पर आने वाले खर्च की आंकलन रिपोर्ट तथा निकायों की वित्तीय स्थित की रिपोर्ट नगर विकास विभाग द्वारा मांगी गई थी। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि नगर विकास विभाग के प्रस्ताव पर सरकार ने सैद्धान्तिक रूप से अपनी सहमति दे दी है। इसे लागू कराने के लिये आगे की कवायद नगर विकास विभाग में चल रही है। नगर विकास विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नगर निगमों के महापौर को 60 हजार रूपये की धनराशि प्रतिमाह तथा अध्यक्षों को 50 हजार रुपये की धनराशि प्रतिमाह भत्ते के रूप दिये जाने का प्रावधान प्रस्ताव में है। इसके अलावा नगर निगमों के पार्षदों को बीस हजार रुपये तथा परिषद एवं पंचायतों के पार्षदों को पन्द्रह हजार रुपये प्रतिमाह देने का प्रावधान प्रस्ताव में हैं। अधिकारियों का कहना है कि भत्ते दिये जाने का शासनादेश जारी होने पर इसे लागू करने की अनिवार्यता निकायों के लिये नही होगी। जिन निकायों की वित्तीय हालत ठीक है और वह इस खर्चे को उठा पाने में सक्षम है, उन्हे अपने निर्वाचित सदन के माध्यम से शासनादेश को पारित कराके लागू करने की छूट होगी।

लखनऊ में चौक स्थित घंटाघर के पास सीएए व एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन करतीं मुस्लिम महिलाएं

यूपी बना गौवंश की कब्रगाह, किसान छुट्टा पशुओं से कर रहे त्राहि-त्राहि: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी राज में उत्तर प्रदेश गौवंश की कब्रगाह बन गया है, वहीं किसान छुट्टा पशुओं से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जब तक गौशाला का बेहतर प्रबंधन नहीं हो पाता है तब तक सरकार छुट्टा पशुओं से पीड़ित किसानों को लल्लू ने कहा कि आज लाखों की तादाद में प्रदेश के समस्त जनपदों में आवारा गौवंश किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

किसानों सहित ग्रामीण लोगों की आय का जरिया रही पशु हाट खत्म हो गई हैं वहीं प्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण के नाम पर खानापूर्ति कर किसानों की फसलें बर्बाद कर देने पर तुली है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि रबी सीजन में किसानों के लिए आवारा पशु तबाही का कारण बन गए हैं। प्रदेश सरकार गोवंश संरक्षण के नाम पर आबकारी से लेकर मंडी परिषद तक से भारी भरकम सेस (टैक्स) वसूल रही है पर गौशालाओं के निर्माण और गायों की देखभाल के नाम पर जमीन पर कुछ भी नहीं हो रहा है। सरकारी गौशालाओं मे योगी सरकार में चारे एवं इलाज के अभाव में हजारों गायों की मौत हो चुकी है।

● गौशालाओं का बेहतर प्रबंधन न होने तक छुट्टा पशुओं से पीड़ित किसानों को रखवाली भत्ता दे सरकार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों की फसलों को अवारा पशुओं से बचाने के लिए जो गौ संरक्षण योजना की शुरूआत की वह सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है क्योंकि जो बजट आवंटित किया गया वह इन आवारा पशुओं की संख्या के मुकाबले ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है और जो बजट आवंटित है उसमें बन्दरबांट हो रहा है। उसका दुष्परिणाम यह है कि चारे और अन्य सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में आवारा पशु इन संरक्षण गृहों में आये दिन अपनी जान गंवा रहे हैं और यह संरक्षण गृह गौ वंशों के लिए जिन्दा कब्रगाह बन गये हैं।

अभी दो दिन पूर्व राजधानी के बंथरा में रामचैरा गौशाला में बीमार गायों को जिन्दा हालत में ही कुत्ते नोच-नोचकर काट रहे थे। यह भयावह स्थिति केवल राजधानी लखनऊ तक ही सीमित नहीं है बल्कि सुलतानपुर, बांदा, वाराणसी, सीतापुर, खीरी, कानपुर, हरदोई, अयोध्या, प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, बहराइच, गोण्डा, देवरिया, इटावा आदि लगभग प्रदेश के अधिकांश जिलों में ऐसी ही भयावह स्थितियां हैं जहां गौशालाओं में व्याप्त अव्यवस्था, चारे की अनुपलब्धता और रखरखाव के अभाव में गौ वंश अपनी जान गंवा रहे हैं।

बसपा व जनता दल यू के कई नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था और प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए बलिया में बसपा के मंडल प्रभारी एवं मध्य प्रदेश के प्रभारी रहे मनोज कुमार के नेतृत्व में पूर्वांचल के कई जिलों के कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो गए। वहीं जनता दल (यू) के भी कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी प्रशासन सिद्धार्थ प्रिय श्रीवास्तव ने बताया कि पार्टी मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के समक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में बसपा छोड़कर लाल बहादुर एवं अनिल कुमार जनपद मऊ, दिनेश कुमार लखीमपुरखीरी, अरूण वर्मा सीतापुर, हर्ष, समीर अहमद, अभिषेक, सुमित एवं प्रमोद सोनकर लखनऊ, गोविन्द कुमार गौड़ बलिया, अविनाश गौतम एवं राजकुमार जनपद बाराबंकी, ज्ञानेश सिंह हरदोई, विक्रांत सिंह सीतापुर, अजीत सिंह जनपद कुशीनगर सहित तमाम लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्रीवास्तव ने बताया कि इसी क्रम में जनता दल (यू) छोड़कर जनपद लखनऊ के कीर्ति द्विवेदी, सलमान गाजी आदि तमाम लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सीएए का विरोध करने वाले दलित विरोधी

● केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर बोला हमला

भाषा। हुबली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को यह साबित करने की शनिवार को चुनौती दी कि संशोधित नागरिकता कानून किसी भी भारतीय मुस्लिम की नागरिकता छीन लेगा। उन्होंने कहाकि सीएए के तहत जिन्हें नागरिकता मिलेगी उनमें से अधिकांश पाकिस्तान, बांग्लादेश में सताए गए दलित पिछड़े समुदाय के हिन्दू हैं। साथ ही उन्होंने गांधी को यह कानून पूरा पढ़ने की सलाह भी दी। सीएए का विरोध कर रहे लोगों को दलित विरोधी करार देते हुए शाह ने कहा कि नए कानून में ऐसी कोई धारा नहीं है जिसके तहत मुस्लिमों की नागरिकता ले ली जाएगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर भ्रम उत्पन्न करने की कोशिश का आरोप लगाया। शाह ने कहा, मैं राहुल गांधी को चुनौती देता हूं...सीएए पूरी तरह पढ़ें, अगर आपको कुछ भी ऐसा मिले जो भारतीय मुस्लिमों की नागरिकता लेता हो...हमारे संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी आपके साथ चर्चा करने के लिए तैयार हैं। भाजपा के राष्ट्रव्यापी जन जागरण अभियान के तहत सीएए पर यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर देश को धर्म के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जद(एस), बसपा और सपा पर सीएए को लेकर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और कई अन्य भाजपा नेता रैली में शामिल हुए।

मोदी हैं भारतीय संस्कृति और परंपरा के ध्वजवाहक

बेंगलुरु। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारतीय संस्कृति और परंपरा का ध्वजवाहक बताया। वेदांत भारती द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में अपने भाषण में शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय संस्कृति और परंपरा के ध्वजवाहक के रूप में दुनिया भर का दौरा कर रहे हैं। अपनी बात को साबित करने के लिए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी ने प्रधानमंत्री की शपथ लेने से पहले वाराणसी में गंगा में डुबकी लगाई और गंगा आरती में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ कि मोदी ने पशुपतिनाथ मंदिर में भारत सरकार की ओर से विशेष प्रार्थना के लिए लाल चंदन भेजा।

प्रज्ञा को जहरीले लिफाफे मिलने के मामले में महाराष्ट्र से डॉक्टर गिरफ्तार

भाषा। औरंगाबाद

मध्य प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने भाजपा की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को कथित तौर पर संदिग्ध लिफाफे भेजने के मामले में महाराष्ट्र के नांदेड जिले से एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। भोपाल लोकसभा क्षेत्र से सांसद ठाकुर ने सोमवार को भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें किसी ने कुछ लिफाफे भेजे हैं, जिसमें जहरीला रसायनिक पदार्थ है। पुलिस ने ठाकुर के आवास से तीन चार लिफाफे बरामद किए थे जिसमें से कुछ उर्दू में लिखे हुए हैं।

नांदेड के इतवारा पुलिस थाने के निरीक्षक प्रदीप ककाडे ने पीटीआई भाषा से बातचीत में कहा कि जांच के दौरान मध्यप्रदेश एटीएस ने यह पाया कि नांदेड जिले के धानेगांव इलाके के डॉक्टर सैयद अब्दुल रहमान खान (35) ने यह संदिग्ध लिफाफे ठाकुर को भेजे हैं। खान इलाके में अपना क्लीनिक चलाते हैं। उन्होंने बताया, मध्यप्रदेश एटीएस ने खान को बृहस्पतिवार को हिरासत में ले लिया। वह पिछले तीन माह से पुलिस के राडार पर था क्योंकि उसने पहले भी कुछ सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखा था जिसमें उसने दावा किया था कि उसके मां और भाई के आतंकवादियों से संपर्क हैं और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि ऐसे पत्र लिखने के लिए खान को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है। ककाड़े ने बताया, पुलिस उसके मोबाइल फोन की लोकेशन के जरिए उस पर नजर रख रही थी। लेकिन वह मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ कर इन पत्रों को डालने औरंगाबाद, नागपुर और अन्य स्थानों पर जाता था। उन्होंने बताया कि खान का अपने भाई के साथ भी विवाद था और उसे भाई से मारपीट के कारण पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने भेंट की

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मंत्री राजीव बिंदल राज्य भाजपा अध्यक्ष घोषित

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मंत्री राजीव बिंदल को शनिवार को औपचारिक रूप से राज्य भाजपा का अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सुनील वी देवधर ने यहां एक समारोह में मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की मौजूदगी में यह घोषणा की। समारोह में निवर्तमान राज्य भाजपा अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती और अन्य मंत्री भी मौजूद थे। बिंदल के चयन से पहले सत्ती नौ साल तक हिमाचल भाजपा के अध्यक्ष थे। पद के लिए शुक्रवार को बिंदल की ओर से एकमात्र नामांकन भरा गया। राज्य भाजपा अध्यक्ष के पद के लिए नामित होने के बाद उन्होंने राज्य विधानसभा अध्यक्ष पद से गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। बिंदल को भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का करीबी माना जाता है। नड्डा राज्य के बिलासपुर जिले के रहने वाले हैं।

रंजीत कुमार दास एक बार फिर असम भाजपा के अध्यक्ष निर्वाचित

भाषा। गुवाहाटी

भाजपा की असम इकाई के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास शनिवार को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस पद पर पुन: निर्वाचित हुए। यह घोषणा मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन (एनईडीए) के समन्वयक एवं राज्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में हुई पार्टी की बैठक में की गई। दास को अगले तीन साल के लिए पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है।

मुख्यमंत्री ने दास को बधाई देने के साथ ही जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए उनका शुक्रिया भी किया। उन्होंने कहा, दास ने पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। एनईडीए के समन्वयक ने भी दास के पुन: निर्वाचन पर उन्हें बधाई दी। शर्मा ने कहा, दास ने पार्टी में नई ऊर्जा का संचार किया है और मुझे विश्वास है कि साथ मिलकर हम भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना जारी रखेंगे। दास ने कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के शुक्रगुजार हैं जिन्होंने उन्हें सेवा करने का एक और मौका दिया है। उन्होंने कहा, हमें नई ताकत के साथ काम करना है और 2021 के विधानसभा चुनावों में 100 से ज्यादा सीटें जीतने के भाजपा के मिशन को साकार करना है। असम विधानसभा में 126 सीटें हैं। दास पहली बार 30 जनवरी, 2017 में पार्टी के अध्यक्ष बने थे। वह 1992 में भगवा पार्टी में शामिल हुए थे और 2011 में सोरभोग विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे। 2016 मे वह फिर इसी सीट से जीते थे और उन्हें सदन का अध्यक्ष चुना गया था। पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीएए पूरी तरह से केंद्रीय सूची का विषय: आरिफ मोहम्मद खान

भाषा। जयपुर

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को कहा कि संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) पूरी तरह से केंद्रीय सूची का विषय है और सभी राज्यों को इसे लागू करना ही पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा ज्ञान की परंपरा है। यहां एक कार्यक्रम में आए खान से जब अनेक राज्य सरकारों द्वारा सीएए का विरोध किए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, सीएए खालिस और खालिस केंद्रीय सूची का विषय है, ए राज्य सूची का विषय नहीं है। हम सभी को अपने अधिकार क्षेत्र को पहचानने की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि क्या विरोध कर रही राज्य सरकारें इसे लागू करेंगी, उन्होंने कहा, इसके अलावा कोई चारा नहीं है, उन्हें लागू करना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा, लोग किसी भी विषय पर अपनी अपनी राय रखते हैं, उसका स्वागत है। बस एक बात का ध्यान रखना चाहिए, हमें अपनी राय देने का अधिकार है, अपनी राय पर अड़े रहने का अधिकार है, अपनी बात के लिए विरोध करने का भी अधिकार है लेकिन यह अधिकार नहीं है कि हम कानून की सीमाएं तोड़ें। उन्होंने कहा, किसी मुद्दे पर मतभेद होने पर बौद्धिक शक्ति का प्रयोग करके आप उस पर तर्क दे सकते हैं, यह अधिकार हर किसी को है। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय में जाकर उसको चुनौती देने का अधिकार है। खान ने कहा कि सीएए जैसे मुद्दे का विरोध पहली बार नहीं हो रहा। इससे पहले भी जब केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले को पलटा था तो बहुत विरोध हुआ था। उसके बाद भी बड़े आंदोलन हुए। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा ज्ञान की परंपरा है जिसे पुनर्जीवित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारा शोषण कोई तभी कर सकता है जब हम खुद इसके लिए तैयार हों। ऐसा एक ही स्थिति में होता है, वह है अज्ञान की स्थिति। उसका हर कोई फायदा उठा सकता है। उन्होंने कहा, मैं तो जोर देता हूं कि हमें खुद अपनी परंपरा याद रखनी चाहिए। हम समझ रहे हैं कि अशिक्षा, दरिद्रता, अज्ञान जैसे ए हिंदुस्तान का प्रतीक (हॉलमार्क) है। नहीं, ए नहीं है हिंदुस्तान का हॉलमार्क। हिंदुस्तान का हॉलमार्क है ज्ञान। उसको पुनर्जीवित करिए।

मध्य प्रदेश में दूल्हे ने अपने विवाह कार्ड पर छापा सीएए के समर्थन में नारा

नरसिंहपुर (मप्र)। मध्यप्रदेश में एक दूल्हे ने अपनी शादी के निमंत्रण कार्ड पर संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के समर्थन में नारा छापा है। दूल्हे प्रभात गढ़वाल का विवाह 18 जनवरी शनिवार की शाम को हो रहा है। जिले के करेली कस्बे के निवासी प्रभात ने कहा कि सीएए के विरोध के दौरान देश में हुई हिंसा को लेकर वह परेशान है इसलिए उसने इस तरह से इसके समर्थन में आने का निर्णय लिया। दूल्हे ने कहा कि उसने शादी के कार्ड पर नारा छापा है, आई सर्पोट सीएए क्योंकि वह मानता है कि लोगों को संवैधानिक कानून के प्रति विश्वास और निष्ठा होनी चाहिए। उन्होने कहा कि सीएए के वास्तविक तथ्यों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी। प्रभात ने कहा कि शादी के कार्ड में इस नारे को पढ़ने के बाद जो भी उससे इस बारे में बात करेगा, वह उसकी गलत धारणा को दूर करने के लिए सीएए के तथ्यों की व्याख्या करेंगे। उन्होंने बताया कि शादी के कार्ड पर सीएए के समर्थन में नारे को छापने का निर्णय उसका अपना था।

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा एनएमएमएल कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष बने

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) की कार्यकारी परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले छह महीने से लगातार हो रही विभिन्न नियुक्तियों के दौर में यह ताजा नियुक्ति है। सरकार ने कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश और कर्ण सिंह को परिषद के सदस्य पद से हटाते हुए पिछले साल नवंबर में एनएमएमएल सोसायटी का पुनर्गठन किया था। उसमें टीवी पत्रकार रजत शर्मा और प्रसून जोशी सहित अन्य को शामिल किया गया था।

संस्कृति मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि 74 वर्षीय मिश्रा को 14 जनवरी को एक आदेश जारी कर नियुक्त किया गया। उन्होंने अगस्त, 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव का पद छोड़ा था। आदेश में कहा गया है कि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष ए. सूर्य प्रकाश परिषद उपाध्यक्ष होंगे। मिश्रा की नियुक्ति के साथ ही भारत के पहले प्रधानमंत्री से जुड़े इस संग्रहालय से जुड़े सभी फैसले लेने वाली एनएमएमएल सोसायटी और एनएमएमएल कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन पूरा हो गया। पिछले साल नवंबर में जारी आदेश के अनुसार, एनएमएमएल सोसायटी के अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारणमण, रमेश पोखरियाल निशंक, प्रकाश जावड़ेकर, वी. मुरलीधरन और प्रहलाद सिंह पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्रबुद्धे, प्रसार भारतीय के अध्यक्ष ए. सूर्य प्रकाश, व्यय, संस्कृति और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालयों के सचिवों को बतौर सदस्य इसमें शामिल किया गया है।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हवाईअड्डे पर तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा को प्रस्थान से पूर्व शुभकामनाएं दीं

माओवादियों से संबंध रखने के आरोप में उस्मानिया विवि का प्राध्यापक गिरफ्तार

हैदराबाद। उस्मानिया विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक को माओवादियों से संबंध रखने के आरोप में शनिवार को यहां गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय के तेलुगु विभाग में एसोसिएट प्राध्यापक सी कासिम मालूगु पुलिस थाने में 2015 में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम और अन्य कानून के तहत दर्ज किए गए एक मुकदमे में कथित तौर पर शामिल थे। सिद्दिपेट पुलिस आयुक्त डी जोएल डेविस ने कहा, मुकदमे में जांच चल रही है और हमें ठोस साक्ष्य भी मिले हैं। हाल ही में कुछ जानकारी भी मिली थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने वारंट लेकर उनके निवास पर तड़के तलाशी ली और कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जब्त किए। उन्होंने कहा कि कासिम के माओवादियों से लगातार संपर्क में होने के पुलिस के पास पर्याप्त साक्ष्य हैं। कासिम पर तेलंगाना राज्य में माओवादियों के यूनाइटेड फ्रंट वर्टिकल के संयोजक के तौर पर काम करने का आरोप है। अधिकारी ने कहा कि कासिम को गजवेल में एक स्थानीय अदालत में शनिवार को प्रस्तुत किया जाएगा।

कोलकाता में पार्क सर्कस मैदान बना शाहीन बाग

भाषा। कोलकाता

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और देश व्यापी प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ पार्क सर्कस मैदान में करीब 60 मुस्लिम महिलाएं अब भी धरना दे रही हैं। इन महिलाओं का कहना है कि जब तक उनके पक्ष में फैसला नहीं आ जाता तब तक वे यहां से नहीं हटेंगी। महिलाएं यहां पिछले 12 दिन से प्रदर्शन कर रही हैं। यह विरोध प्रदर्शन दिल्ली के शाहीन बाग में हो रहे धरना-प्रदर्शन की तरह है। इस प्रदर्शन में पेशवर महिलाओं से लेकर आम गृहिणी भी हिस्सा ले रही हैं। यहां धरना दे रही महिलाओं में से एक युवा शोधार्थी नौशीन बाबा खान ने कहा, यह करो या मरो की लड़ाई है। हम यहां शांति से तब तक बैठेंगे जब तक फैसला हमारे पक्ष में नहीं आ जाता है। सीएए को लेकर डाले गए 59 याचिकाओं की सुनवाई 22 जनवरी को उच्चतम न्यायालय में होनी है। इसको लेकर उन्होंने कहा, देखें क्या होता हैउ न्यायिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करना चाहती हूं लेकिन अगर फैसला हमारे पक्ष में नहीं आया तो धरना जारी रहेगा। वहीं एक गृहिणी फरहत इस्लाम ने कहा, हम यहां खुले में ठंड को झेलते हुए बैठे हैं। हम बीते 10 दिनों से यहां से करीब 100 मीटर दूर स्थित नजदीकी मस्जिद में महिला शौचालय का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन कभी यहां से हटने के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सबका साथ सबका विकास की बात करते हैं और अब भाजपा सीएए के नाम पर प्रमाणित भारतीय लोगों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। फरहत ने कहा कि करीब 10 दिन के धरने के बाद कोलकाता नगर निगम प्रशासन ने तीन-चार बायो शौचालय और अन्य जरूरी सुविधाएं महिलाओं को 17 जनवरी को मुहैया कराई हैं। धरने पर बैठी महिलाओं को पेश आ रही समस्याओं के बारे में फरहत ने कहा, आलिया विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, यादवपुर विश्वविद्यालय, सुरेंद्रनाथ कॉलेज के विद्यार्थियों ने सैनिटरी नैपकिन मुहैया कराए हैं जबकि इलाके के लोग हर संभावित सहायता पहुंचा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर में दस बच्चों की रहस्यमई बीमारी से मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में एक रहस्यमई बीमारी से कम से कम 10 बच्चों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से बीमार हैं। शनिवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में इस खतरनाक बीमारी की वजह जानने के लिए डॉक्टरों के कई दल जांच कर रहे हैं। जिले के रामनगर ब्लॉक के कई गांवों में पिछले 15 दिन में बच्चों की मौत हुई हैं। बच्चे बुखार, उल्टी और पेशाब में दिक्कतों की शिकायत कर रहे हैं। उधमपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सी डोगरा ने पीटीआई-भाषा को बताया, प्रभावित क्षेत्र में हमारे सर्वेक्षण से पता चला है कि 10 बच्चों की मौत रामनगर ब्लॉक के 40 किलोमीटर के दायरे में रहस्यमई बीमारी की वजह से हुई है। इस बीमारी के लक्षण सामान्य हैं और बच्चे बुखार, उल्टी और गुर्दे में परेशानी की शिकायत कर रहे हैं। डोगरा ने बताया कि चार साल से कम उम्र के तीन बच्चों का इलाज पीजीआई चंडीगढ़, दो का इलाज जम्मू के एसएमजीएस अस्पताल और एक का इलाज लुधियाना के अस्पताल में हो रहा है। उन्होंने कहा, जम्मू, उधमपुर और ब्लॉक स्तर के डॉक्टरों के कई दल प्रभावित क्षेत्रों में रूके हुए हैं और हम इस बीमारी के पीछे वास्तविक वजह जानने की कोशिश कर रहे हैं।

मोदी सरकार ने गियर बदला, अब एनआरसी की जगह एनपीआर की बात कर रही है : चिदंबरम

कोलकाता। कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि असम एनआरसी घटनाक्रम के बाद नरेन्द्र मोदी सरकार ने तुरंत गियर बदल लिया और अब एनपीआर की बात कर रही है।

यहां संवाददाताओं से चिदंबरम ने कहा कि एनपीआर और कुछ नहीं बल्कि एनआरसी का ही छद्म रूप है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनपीआर) की गलत मंशा से लड़ना और उसके खिलाफ जनता के विचार को गति देना है। उन्होंने कहा, हमारा रूख स्पष्ट है कि हम अप्रैल 2020 से शुरू हो रहे एनपीआर पर सहमत नहीं होंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि सीएए की संवैधानिक वैधता उच्चतम न्यायालय को तय करनी है। चिदंबरम ने कहा, हम एनआरसी और सीएए के खिलाफ लड़ रहे हैं। अभी एक साथ तो कभी अलग-अलग। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, एनपीआर, सीएए और एनआरसी के खिलाफ लड़ रही सभी पार्टियों को साथ आना चाहिए और मुझे विश्वास है कि वे आएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा विपक्ष की आवाज दबाने में असफल रही है और उसे लगता है कि यह वक्त निकल जाएगा।

छात्रावास में सात वर्षीय आदिवासी छात्र की हत्या के आरोप में चौकीदार गिरफ्तार

भाषा। भोपाल

प्रांतीय राजधानी के एक सरकारी आदिवासी बालक आश्रम शाला के सात वर्षीय छात्र सूरज खरते की हत्या के आरोप में पुलिस ने छात्रावास के चौकीदार को गिरफ्तार किया है।

भोपाल के पटेल नगर इलाके में स्थित इस छात्रावास के शौचालय में बुधवार रात सूरज का शव मिला था। पिपलानी थाने के प्रभारी निरीक्षक राकेश श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि सूरज की हत्या के आरोप में छात्रावास के चौकीदार जगदीश कलावत (38) को शुक्रवार रात भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आरोपी के हवाले से बताया कि सूरज बुधवार रात शौचालय के बाहर खड़े होकर पेशाब कर रहा था। मना करने पर जब उसने चौकीदार की बात नहीं सुनी तो उसने गुस्से में आकर लोहे की सरिया से छात्र के सिर पर मारा। चोट लगने से सूरज बेहोश होकर वहीं गिर गया। चौकीदार ने बताया कि उसने राज खुलने के डर से बाद में बच्चे का गला घोंटकर हत्या कर दी।

श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार रात छात्रावास में ही रहने वाले सूरज के बड़े भाई नौ वर्षीय दीपक ने अपने भाई को तलघर के बाथरुम में पड़े देखा। सूचना मिलने पर छात्रावास अधीक्षक रेचल राम उसे पहले पास के निजी अस्पताल ले गई। बाद में सूरज को सरकारी जेपी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस मामले में शुक्रवार को प्रदेश सरकार द्वारा घटना की मजिस्ट्रीयल जांच तथा पीड़ित परिवार को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई। जिला दंडाधिकारी तरुण पिथोड़े द्वारा गुरुवार को मामले में गंभीर लापरवाही व उदासीनता बरतने पर छात्रावास अधीक्षक रेचल राम और पर्यवेक्षण अधिकारी शकील कुरैशी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सूरज के पिता राजेश खरपे रेहटी जिला सीहोर में रहकर मजदूरी करते हैं। सूरज ने जुलाई 2019 में यहां आदिवासी छात्रावास में प्रवेश लिया था तथा उसका बड़ा भाई दीपक खरपे (09) भी इसी शाला में दूसरी कक्षा में पढ़ता है।

महाराष्ट्र में 2.74 करोड़ रुपए मूल्य का गुटखा, पान मसाला जब्त

ठाणे। महाराष्ट्र के खाद्य और मादक पदार्थ प्रशासन (एफडीए) ने भिवंडी के एक गोदाम से 2.74 करोड़ रुपए मूल्य का गुटखा, पान मसाला और अन्य प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है।उन्होंने बताया कि भिवंडी के खरबाओ क्षेत्र में 16-17 जनवरी की दरमियानी रात में एक गोदाम में छापेमारी के बाद ए तंबाकू उत्पाद जब्त किए गए और गिरफ्तारी हुई है। एफडीए के कोंकण संभाग के संयुक्त आयुक्त शिवाजी देसाई ने बताया कि यह अभियान 30 घंटे तक चला।उन्होंने बताया कि एक विशेष सूचना के आधार पर यह छापेमारी हुई। हाल तक इस गोदाम का इस्तेमाल विवाह सभागार के तौर पर किया जा रहा था। अधिकारियों ने इसमें गुटखा, पान मसाला और अन्य प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद पड़ा हुआ पाया। भिवंडी क्षेत्र के एफडीए के सहायक आयुक्त भूषण मोरे ने इस अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि यह सामग्री 2,74,52,700 रुपए की है।उन्होंने बताया कि इस संबंध में अमरबहादुर रामखिलावन सरोज को गिरफ्तार किया गया है। सरोज को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे सोमवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। एफडीए अधिकारियों ने कहा कि गोदाम के मालिक सहित तीन अन्य व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

रांची में एक अस्पताल के उद्घाटन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

नागरिकता कर्तव्यों के बारे में भी है: प्रधान न्यायाधीश

● कुछ शिक्षण संस्थान बेहद वाणिज्यिक मानसिकता के हो गए हैं, जबकि शिक्षा का असली उद्देश्य मेधा और चरित्र का विकास करना है: बोबडे

भाषा। नागपुर

भारत के प्रधान न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे ने शनिवार को कहा कि नागरिकता सिर्फ लोगों के अधिकारों के बारे में ही नहीं बल्कि समाज के प्रति उनके कर्तव्यों के बारे में भी है। राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (आरटीएमएनयू) के 107वें दीक्षांत समारोह में यहां अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षण संस्थान बेहद वाणिज्यिक मानसिकता के हो गए हैं, जबकि शिक्षा का असली उद्देश्य मेधा और चरित्र का विकास करना है। उन्होंने कहा, आज, शिक्षा का प्रचार-प्रसार तेजी से हो रहा है। दुर्भाग्य से कुछ ऐसे संस्थान हैं, मैं विश्वविद्यालयों के बारे में बात नहीं कर रहा, जो बेहद वाणिज्यिक मानसिकता वाले बन गए हैं। मैं यह कुछ संस्थानों को लेकर अपने निजी ज्ञान के आधार पर कह रहा हूं जो कानून की शिक्षा देते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जिस सबसे महत्वपूर्ण सवाल का हमें जवाब तलाशना चाहिए वह यह कि विश्वविद्यालय शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए। विश्वविद्यालय निश्चित रूप से ईंट और पत्थर के बारे में नहीं है। विश्वविद्यालयों को किसी उत्पादन ईकाई की तरह काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, इस बात पर जोर देना भी बेहद जरूरी है कि विश्वविद्यालय की डिग्रियां अपने आप में अंत नहीं हैं, बल्कि अंत के लिए एक साधन हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि विश्वविद्यालय का विचार यह दर्शाता है कि एक समाज के तौर पर हम क्या हासिल करना चाहते हैं। विश्वविद्यालयों को खुद को पुनर्लक्षित करके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपने असल उद्देश्य की ओर बढ़कर समाज के वास्तविक लक्ष्य की दिशा में जाएं, जो निश्चित रूप से अलग-अलग समय में बदलता रहता है। शिक्षा के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने कहा, शिक्षा के विचार के साथ अनुशासन भी जुड़ा हुआ है और मैं समझता हूं कि कुछ क्षेत्रों में अनुशासन के विचार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन अनुशासन शब्द का वह अर्थ नहीं है जो आज लगाया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश आरटीएमएनयू से पढ़े हुए हैं।

बेलगावी विवाद

न्यायालय का फैसला सभी को स्वीकार्य होगा: राउत

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के एक मंत्री को पड़ोसी कर्नाटक के बेलगावी में गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि दोनों राज्यों के बीच विवाद पर उच्चतम न्यायालय का फैसला सभी को स्वीकार्य होगा। महाराष्ट्र का दावा है कि बेलगावी तत्कालीन बंबई रियासत का हिस्सा था लेकिन भाषाई आधार पर अभी कर्नाटक का एक जिला है। यह मामला फिलहाल उच्चतम न्यायालय में है।

यहां से करीब 490 किलोमीटर दूर बेलगावी में संवाददाताओं से बात करते हुए राउत ने कहा, हमारा देश कानून के मुताबिक चलता है। संविधान सर्वोच्च है। उच्चतम न्यायालय मामले की सुनवाई कर रहा है और अदालत का जो भी फैसला होगा सभी को स्वीकार्य होगा। स्थानीय संगठन कर्नाटक नवनिर्माण सेना द्वारा क्षेत्र के उनके दौरे का विरोध किए जाने के बारे में पूछने पर राउत ने कहा कि पुलिस ने उचित इंतजाम (उनकी सुरक्षा के लिए) किए हैं। महाराष्ट्र के राज्य मंत्री राजेंद्र पाटिल यद्रावकर शुक्रवार को एक कार्यक्रम के सिलसिले में बेलगावी गए थे। कोल्हापुर के शिरोल से विधायक यद्रावकर मराठी भाषी गांवों को महाराष्ट्र में शामिल किए जाने के दौरान हुए आंदोलन में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने गए थे।हर साल पहले संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन के दौरान 17 जनवरी 1956 को मारे गए लोगों की याद में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

बच्चों के विवाद में दलित युवक को लगाई आग

● 70 प्रतिशत जला 24 वर्षीय युवक अस्पताल में भर्ती, हालत बेहद गंभीर

● भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया आरोपियों को बचाने के लिए अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप

भाषा। सागर

पुलिस ने बच्चों के बीच हुए विवाद के कारण 24 वर्षीय दलित युवक को आग लगाकर गंभीर रूप से जख्मी करने आरोप में चार लोगों के गिरफ्तार किया है। 70 फीसदी झुलसे पीड़ित युवक को इलाज के लिए शुक्रवार को भोपाल के सरकारी हमीदिया अस्पताल भेजा गया है। इस घटना पर विपक्षी दल भाजपा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर वोटबैंक के चलते तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि यह घटना पुलिस की लापरवाही के कारण हुई क्योंकि पीड़ित युवक की बार-बार की गई शिकायतों को पुलिस ने नजरअंदाज किया। शहर के मोतीनगर पुलिस थाने की प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह ने शनिवार को बताया कि धर्मश्री कॉलोनी में रहने वाले धनप्रसाद अहिरवार (24) पर कॉलोनी में ही रहने वाले छुट्टू, अज्जू पठान, कल्लू और इरफान ने 14 जनवरी को केरोसिन तेल डालकर आग लगा दी थी। चारों आरोपी 22 से 30 वर्ष की आयु के बीच के हैं। उन्होंने बताया कि 70 फीसद जली हुई बेहद गंभीर हालत में पीड़ित युवक को उपचार के लिए सागर के बुंदेलखंड चिकित्सा महाविद्यालय में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि बाद में युवक की हालत बिगड़ने पर उसे भोपाल रेफर किया गया। सिंह ने बताया कि आरोपियों से पीड़ित युवक का बच्चों को लेकर विवाद हुआ था और इसके बाद आरोपी लगातार मामले में राजीनामा करने के लिए धनप्रसाद पर दबाव बना रहे थे। इसी सिलसिले में 14 जनवरी की रात को चारों आरोपियों ने धनप्रसाद और उसके परिजनों के साथ पहले मारपीट की और बाद में धनप्रसाद को घेरकर उसको आग लगा दी। उन्होंने बताया कि पुलिस चारों आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा 294, 323, 452, 307, 34 और एसटी- एससी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके मामले की विस्तृत जांच कर रही है। इस बीच, विपक्ष के नेता गोपाल भार्गव पीड़ित से मिलने हमीदिया अस्पताल पहुंचे और आरोप लगाया कि राज्य में दलितों के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। इस मामले में भोपाल में शनिवार शाम को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि धनप्रसाद को 15-20 लोगों ने जलाया था। उन्होंने कहा कि हालांकि अब तक केवल चार लोगों की गिरफ्तारी करके अन्य लोगों की गिरफ्तारी में जानबूझकर विलंब होने से कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि धनप्रसाद बार बार पुलिस को अपनी जान को खतरा होने का निवेदन करते रहे लेकिन पुलिस की अकर्मण्यता और असंवेदनशीलता के चलते इस मामले में पहले कोई कार्रवाई नहीं हुई और आज पीड़ित दलित जीवन मृत्यु से संघर्ष कर रहा है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भाजपा पर हर मुद्दे में सांप्रदायिक राजनीति देखने का आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा को हर मुद्दे में सांप्रदायिक राजनीति को देखने की अपनी धारणा को बदलने की जरूरत है। यह एक आपराधिक मामला है और पुलिस द्वारा कानूनी कार्वाई की जा रही है और आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है।

सावरकर की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं होगी: फडणवीस

मुम्बई। महाराष्ट्र भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि हिंदुत्व विचारक वी. डी. सावरकर महज कोई व्यक्ति नहीं बल्कि एक सोच थे जिनकी प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं होगी। कुछ घंटे पहले युवा सेना के अध्यक्ष और राज्य के कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा था कि किसी को भी अतीत के पन्ने नहीं पलटना चाहिए। आदित्य शिवसेना सांसद संजय राउत के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि जो लोग सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं उन्हें अंडमान की सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारने के लिए भेजा जाना चाहिए जहां स्वतंत्रता सेनानी को कारावास के दौरान रखा गया था। पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, महान स्वतांत्र्यवीर सावरकर महज इंसान भर नहीं थे बल्कि एक सोच थे और उस सोच को कभी इतिहास नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे वर्तमान एवं भविष्य में जारी रहेगी।

पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य मुश्किल, मगर मुमकिन: गडकरी

भाषा। इंदौर

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि देश को वर्ष 2024-25 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हालांकि कठिन है, लेकिन घरेलू उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने जैसे कदमों से इसे हासिल किया जा सकता है। गडकरी ने यहां इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में कहा, किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसी ही इच्छाशक्ति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। यह लक्ष्य कठिन जरूर है। लेकिन असंभव नहीं है।

उन्होंने कहा, हमारे देश में संसाधनों की प्रचुरता तो है ही उत्पादन क्षमता भी बेहतर है। इसके बावजूद हम हर साल दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, कोयला, तांबा, कागज आदि वस्तुओं के आयात पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं। अगर हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो हमें चीजों का आयात करने के बजाय इनका घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा।

आर्थिक सुस्ती की ओर इशारा करते हुए गडकरी ने कहाकि हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था हैं। लेकिन कारोबार का एक चक्र होता है। कभी वैश्विक अर्थव्यवस्था के कारकों के चलते, तो कभी मांग और पूर्ति के अंतर या अन्य कारणों से अलग-अलग चुनौतियां आती हैं। लेकिन मैं युवा पीढ़ी के उन नेतृत्वकर्ताओं में हिंदुस्तान का भविष्य देखता हूं, जो मुश्किलों और चुनौतियों को अवसरों में बदल सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर यह भी कहा कि देश में पूंजी, संसाधनों और तकनीक की कोई कमी नहीं है। लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में सही नजरिए और नेतृत्व की कमी जरूर है। उन्होंने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की चर्चा करते हुए कहा कि विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी में इजाफे पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा और इस क्षेत्र में पांच करोड़ नए रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी।

गडकरी ने कहा, सरकार अपने हर विभाग से पूछ रही है कि वह देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में क्या योगदान दे सकता है?

पेज एक का शेष

जान बचाने को...

फांसी के लिए 22 जनवरी की तारीख तय की गई थी। लेकिन गुरुवार को ही एक दोषी द्वारा दया याचिका दायर करने के कारण फांसी पर स्टे लगा दिया गया था। गुरुवार को तीस हजारी कोर्ट के जज ने कहा था कि वह डेथ वारंट जारी करने के आदेश की समीक्षा नहीं कर रहे हैं। चूंकि एक दया याचिका दायर की गई है इसलिए फांसी पर रोक लगाते हैं। जेल अधिकारियों को यह रिपोर्ट सौंपनी है कि वे दोषियों को 22 जनवरी को फांसी नहीं दे रहे हैं। प्रतिपक्ष के वकीलों की कई याचिकाएं लंबित पड़ी हैं। उन्होंने अदालत से फांसी से पहले दोषियों पर लगे डकैती के केस का निपटाने की गुहार लगाई थी, अब दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है जिसमें दोषी पवन गुप्ता के खुद को नाबालिग बताने के दावे को खारिज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट में पवन की याचिका पर आगामी 20 जनवरी को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति आर भानुमति, अशोक भूषण और एएस बोपन्ना की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। पवन गुप्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि 16 दिसंबर 2012 को जब घटना हुई, उस समय वह नाबालिग था। यही नहीं, उसने एक फरवरी को तय मत्युदंड को लागू नहीं करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग भी अदालत से की है। दोषी पवन ने हाईकोर्ट के 19 दिसंबर के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उसके अधिवक्ता को जाली दस्तावेज दाखिल करने और अदालत में पेश नहीं होने के कारण अवमानना का दोषी पाते हुए कड़ी फटकार लगाई गई थी। इससे पहले दिन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दोषी मुकेश की दया याचिका खारिज कर दी। अन्य तीन दोषियों ने दया याचिका दायर करने के संवैधानिक उपाय का अभी तक इस्तेमाल नहीं किया है। सर्वोच्च अदालत ने बीते 14 जनवरी को विनय और मुकेश की क्यूरेटिव याचिका रद्द कर दी थी। फांसी को लटकाने की रणनीति के अलावा दो दोषियों अक्षय और पवन ने अभी तक सर्वोच्च अदालत में क्यूरेटिव याचिका भी दाखिल नहीं की है। वकील ए पी सिंह के जरिए दायर अपनी याचिका में, पवन ने दावा किया कि 16 दिसंबर, 2012 को हुए अपराध के दौरान वह नाबालिग था। पवन कुमार गुप्ता ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मामले में मृत्युदंड के खिलाफ अपनी पुनर्विचार याचिका में नाबालिग होने का दावा किया था। शीर्ष न्यायालय ने पिछले साल नौ जुलाई को उसकी याचिका खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में उसने दावा किया था कि उसके स्कूल प्रमाण-पत्र में उसकी जन्मतिथि आठ अक्टूबर, 1996 है। पवन ने इससे पहले निचली अदालत में भी अपने नाबालिग होने के दावे संबंधी याचिका दायर की थी जिसे पिछले साल 21 दिसंबर को खारिज कर दिया गया था। इस बीच, दिल्ली बार कांउसिल ने शनिवार को दोषी पवन की ओर से पेश वकील एपी सिंह को नोटिस जारी किया है। बार काउंसिल ने यह कदम पिछले महीने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देश पर उठाया जिसमें फर्जी दस्तावेज पेश करने और सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने के कारण कार्रवाई करने को कहा गया था। बार काउंसिल ने सिंह को नोटिस प्राप्त होने के दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है। अदालत ने वकील एपी सिंह पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

कानपुर में ...

दूसरी बेटी को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। उसका भी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अग्रवाल ने बताया कि इस मामले में आज दो और आरोपियों आबिद और परवेज को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण के पांच अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाकी अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

बहराइच में ...

हालांकि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवती की पहचान छिपाने के लिए हत्या के बाद उसे जलाया गया है तथा पहचान छिपाने के लिए ही उसके कपड़े गायब किए गए होंगे। लेकिन फिर भी उसकी पहचान की जा सकती है। एसपी ने बताया, आसपास के जनपदों के थानों व जिले के सभी थानों में युवती की तस्वीर भेजी गई है। नेपाल सीमावर्ती इलाका होने के चलते जरूरत पड़ने पर नेपाली पुलिस को भी उसकी तस्वीर भेजी जाएगी। फिलहाल मृतका की पहचान व घटना की जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है।

कांग्रेस ने...

लिलोठिया को मंगोलपुरी से प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने कई युवा चेहरों पर भी भरोसा जताया है। पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट राधिका खेड़ा को जनकपुरी, युवा पार्षद अभिषेक दत्त को कस्तूरबा नगर, महिला कांग्रेस की पदाधिकारी नीतू वर्मा को मालवीय नगर, आकांक्षा ओला को मॉडल टाउन और अली मेहंदी को मुस्तफाबाद से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व विधायक मतीन अहमद को सीलमपुर और तलविंदर मारवाह जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। इनके अलावा सिद्‌र्थ कुंडू (नरेला), अमर लता सांगवान (तिमारपुर), मुकेश गोयल (आदर्श नगर), प्रदीप कुमार पांडेय (रिठाला), सुरेंद्र कुमार (बवाना), डॉ. नरेश कुमार (मुंडका), जय किशन (सुल्तानपुर माजरा), मंदीप सिंह (नांगलोई जाट), सुमेश गुप्ता (रोहिणी), जेएस नॉयोल (शालीमारबाग), देव राज अरोड़ा (शकूर बस्ती), कमल कांत शर्मा (त्रिनगर), हरि शंकर जिंदल (वजीरपुर), सतबीर शर्मा (सदर बाजार), मिर्जा जावेद अली (मटिया महल), गौरव धनक (करोलबाग), कृष्णा तीरथ (पटेल नगर), रमेश पोपली (मोती नगर), अमनदीप सिंह सुदान (राजौरी गार्डन), सुरेंदर सेठी (हरि नगर)सुमेश शौकीन (मटियाला), साहिब सिंह यादव (नजफगढ़), संदीप तंवर (दिल्ली कैंट), तलविंदर सिंह मारवाह (जंगपुरा), अभिषेक दत्त (कस्तूरबा नगर), नीतू वर्मा (मालवीय नगर), प्रियंका सिंह (आरके पुरम), सतीश लोहिया (छतरपुर), अरविंद सिंह (देवली), यदुराज चौधरी (अंबेडकर नगर), सुखबीर सिंह पवार (ग्रेटर कैलाश),सुभम शर्मा (तुगलकाबाद), विजय कुमार (त्रिलोकपुरी), डॉ. हरि दत्त शर्मा (लक्ष्मी नगर), गुरुचरन सिंह राजू (विश्वास नगर), डॉ. नरेंद्र नाथ (शाहदरा), वीर सिहं धिंगान (सीमापुरी), विपिन शर्मा (रोहताश नगर), अन्वीक्षा त्रिपाठी जैन (बाबरपुर), डॉ. एसपी सिंह, (गोकलपुर)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सभी उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि आप सब पूरी मेहनत के साथ दिल्ली में काँग्रेस का परचम लहराएंगे ऐसी कामना करते हैं। आइए मिलकर बनाएं कांग्रेस वाली दिल्ली।

जम्मू कश्मीर...

लैंडलाइन, मोबाइल फोन सेवाएं बंद कर दी गई थी। जम्मू में मोबाइल इंटरनेट को छोड़ कर अन्य सभी दूरसंचार सेवाओं को एक हफ्ते के भीतर बहाल कर लिया गया था जबकि कश्मीर में लैंडलाइन, पोस्टपोड मोबाइल सेवाएं और अस्पतालों जैसी आवश्यक सुविधाओं में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं। सरकार के आधिकारिक प्रवक्ता कंसल ने कहा, सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद, समक्ष अधिकारियों ने आज आदेश दिया कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के सभी स्थानीय प्रीपेड सिम कार्ड्स पर वॉयस एवं एसएमएस सुविधाएं शुरू कर दी जाएं। कंसल ने कहा कि ऐसे सिम कार्ड पर मोबाइल इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को उपभोक्ताओं की जानकारी की पुष्टि करनी होगी। उन्होंने कहा कि इंटरनेट सेवा प्रदाता - बीएसएनएल और निजी सेवा प्रतादा- एहतियात के साथ फिक्स्ड लाइन इंटरनेट संचार सेवा उपलब्ध कराएंगे। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं से जम्मू क्षेत्र के सभी दस जिलों और कश्मीर क्षेत्र के दो जिलों कुपवाड़ा और बांदीपोरा में पोस्टपेड मोबाइलों पर 2जी मोबाइल डेटा सेवा शुरू करने को कहा गया है। हालांकि उन्होंने बताया कि घाटी के श्रीनगर, बडगाम, गांदेरबल, बारामूला, अनंतनाग, कुलगाम, पुलवामा और शोपियां जिले में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद रहेगी। उच्चतम न्यायालय केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन पर मनमाने ढंग से इंटरनेट बंद करने के लिए 10 जनवरी को जमकर बरसा था। शीर्ष अदालत ने इस सुविधा को मौलिक अधिकार बताया था। कंसल ने 14 जनवरी के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि संपूर्ण प्रयास जमीनी स्थिति को नजर में रखते हुए प्रतिबंधों को कम से कम रखने का है। इस आदेश के तहत जम्मू के 10 जिलों में से पांच में 2जी सेवाएं और बैंक, सरकारी कार्यालयों, व्यापार, पर्यटन एवं यात्रा प्रतिष्ठानों जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए ब्रॉडबैंड सुविधाएं आंशिक रूप से बहाल करने की घोषणा की गई थी। गृह विभाग के प्रधान सचिव शालीन काबरा द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, ए निर्देश शनिवार से प्रभावी होंगे और 24 जनवरी तक लागू रहेंगे बशर्ते उनमें पूर्व में कोई बदलाव न किए जाएं। आदेश में कहा गया, दूरसंचार सेवाओं के नियमन से संबंधित 14 जनवरी के निर्देशों का अनुसरण करते हुए जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के संपूर्ण परिदृश्य के आकलन से उन इलाकों में तत्काल किसी प्रतिकूल प्रभाव का संकेत नहीं मिला है जहां इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

सावरकर पर...

अतीत में डुबकी लगाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि किस हैसियत से राउत ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र विकास अघाडी लोगों की आकांक्षाओं की बात करती है। कई लोगों को इस बात से बुरा लग रहा है कि कांग्रेस और शिवसेना के बीच कोई टकराव नहीं है। आदित्य ठाकरे ने कहा, विभिन्न विचारधाराएं होने के बावजूद दोनों दल देश और राज्य के हित में साथ आए। लोकतंत्र का मतलब है कि विभिन्न विचारधाराएं देशहित में मिलकर काम कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वतंत्रता आंदोलन के सभी दिग्गजों का सम्मान करते हैं।

कालापानी की...

सावरकर 1911 से पहले अलग थे। कांग्रेस 1923 के बाद की सावरकर की विचारधारा के खिलाफ है। उन्होंने कहा, सावरकर ने छत्रपति शिवाजी के अच्छे कामों की भी आलोचना की। सावंत ने एक अन्य ट्वीट में कहा, सावरकर ने तत्कालीन रियासत त्रावणकोर को भारत में मिलाने के विरोध में चल रहे अभियान का भी समर्थन किया। उन्होंने सावरकर पर निशाना साधते हुए कहा, जिन लोगों ने भी वहां सजा काटी, उसे गर्व के साथ पूरा किया, बिना क्षमा मांगे। ऐसे लोगों को भारत रत्न दिया जाना चाहिए। नासिक के जिला कलेक्टर ए.टी.एम जैक्सन की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सावरकर को 1911 में अंडमान जेल ले जाया गया था। इस बात को लेकर विवाद है कि क्या सावरकर ने सेलुलर जेल से अपनी शीघ्र रिहाई के लिए अंग्रेजों से माफी मांगी थी?

उन्होंने कहा, अंडमान में जेल में लंबी सजा बिताए स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों का साथ नहीं दिया। उन्होंने अंग्रेजों से कोई मानदेय नहीं लिया। सावरकर के समर्थक अगर सेलुलर जेल जाएंगे तो उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदान का महत्व पता चलेगा जिन्होंने माफी मांगे बिना अपनी जान दे दी।

असम मंत्रिमंडल का विस्तार, दो नए मंत्रियों ने ली शपथ

गुवाहाटी में असम भाजपा के नए अध्यक्ष रंजीत कुमार दास (बाएं से दूसरे) को प्रमाण पत्र सौंपते वरिष्ठ भाजपा नेतागण

भाषा। गुवाहाटी

असम सरकार ने शनिवार को मंत्रिमंडल में दो नए चेहरों को शामिल किया। संजय किशन और जोगन मोहन को राज्यपाल जगदीश मुखी ने यहां राजभवन के दरबार हॉल में एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मोहन और किशन दोनों ने स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में 18 मंत्री हो गए हैं। इनमें भाजपा से 12 और गठबंधन की सहयोगी पार्टियों असम गण परिषद (अगप) और बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से तीन-तीन मंत्री हैं। नए मंत्रियों के विभागों की घोषणा की जानी अभी बाकी है। किशन और मोहन दोनों पहली बार के विधायक निर्वाचित हुए हैं। वे क्रमश: तिनसुकिया और महमोरा विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। किशन ने शपथ ग्रहण के बाद संवाददाताओं से कहा कि वह उन्हें जिम्मेदारी सौंपने के लिए मुख्यमंत्री के आभारी हैं। उन्होंने कहा, मैं राज्य के सभी समुदायों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा और असम को मजबूत बनाने और इसे वैश्विक मंच पर ले जाने में मुख्यमंत्री की मदद करूंगा। मोहन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें मंत्री के रूप में नियुक्त करके उनपर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वह उनके आभारी हैं। मोहन ने कहा, जो मंत्रालय मुझे आवंटित किया जाएगा, मैं उसके कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश करूंगा और यह सुनिश्चित करेंगे कि शुरू की गई योजनाओं से राज्य के सभी समुदाय लाभान्वित हों। किशन चाय की खेती करने वाले जनजाति समुदाय से आते हैं, जबकि मोहन अहोम समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्होंने चाय की खेती करने वाले समुदाय के पल्लब लोचन दास और अहोम समुदाय के तपन गोगोई की जगह ली है, जो क्रमश: तेजपुर और जोरहाट संसदीय क्षेत्रों से लोकसभा के लिए चुने गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन राज्य के मुख्य सचिव कुमार संजय कृष्ण ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, वित्त और स्वास्थ्य मंत्री हेमंत विश्व शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, संस्कृति मंत्री नब कुमार डॉली, भाजपा अध्यक्ष रंजीत दास और सांसद क्वीन ओजा और कामख्या प्रसाद तासा समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

26 जनवरी के बाद चौबीसों घंटे खुले रह सकेंगी दुकानों, मॉल और रेस्तरां: आदित्य

मुंबई। महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने शनिवार को कहा कि मुंबई के गैर-आवासीय क्षेत्रों में दुकानें, मॉल और रेस्तरां 26 जनवरी से चौबीसों घंटे खुले रह सकते हैं। यह वैकल्पिक है, इसे अनिवार्य नहीं बनाया जाएगा। लंदन और मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में नाइटलाइफ का उदाहरण देते हुए, ठाकरे ने कहा, मुंबई को भी लोगों को रात में वैसी सुविधा देने से पीछे नहीं हटना चाहिए। महानगर में सेवाएं 24X7 जारी रहनी चाहिए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि नाइटलाइफ को केवल शराब पीने के साथ जोड़ना गलत है। उन्होंने कहा, मुंबई 24X7 काम करता है।

राशिद सिंगापुर ओपन गोल्फ में सातवें स्थान पर

सेंटोसा (सिंगापुर)। भारतीय गोल्फर राशिद खान एसएमबीसी सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शनिवार को तीसरे दौर में यहां दो अंडर 69 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर है। एशियाई टूर पर दो खिताब जीतने वाले दिल्ली के 28 साल के इस गोल्फर ने तीसरे दौर में चार बोगी और छह बर्डी लगाई जिससे उनका कुल स्कोर आठ अंडर 205 हो गया। तालिका पर शीर्ष पर काबिज मैट कुचर ने नौ अंडर 62 का शानदार कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर अंडर-17 हो गया। वह दूसरे स्थान पर काबिज जानेवात्थानोंद (67) से चार शाट आगे है।

जेमिमा को एमआईजी क्लब की मानद सदस्यता दी गई

मुंबई। भारत की युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्ज को शनिवार को बांद्रा स्थित एमआईजी क्रिकेट क्लब द्वारा मानद सदस्यता प्रदान की गई। जेमिमा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नियमित सदस्य है। क्लब के महासचिव संजय फातेरपेकर और अध्यक्ष श्रीकांत शेट्टी ने क्लब के क्रिकेट सचिव और मुंबई क्रिकेट संघ के शीर्ष परिषद सदस्य अमित दानी की मौजूदगी में जेमिमा को सदस्यता प्रदान की।

लाहिड़ी संयुक्त 84वें स्थान पर खिसके

ला क्विंटा (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी यहां द अमेरिकन एक्सप्रेस गोल्फ चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में दो डबल बोगी कर बैठे जिससे उन्होंने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। लाहिड़ी कल तक संयुक्त 74वें स्थान पर थे लेकिन स्टेडियम कोर्स पर डबल बोगी से संयुक्त 84वें स्थान पर खिसक गए। वह अभी चार अंडर पर है और यहां कट तीसरे दौर के बाद होगा। इस भारतीय ने महज 20 फीट से पांचवे होल में पार-5 पर बर्डी की। इसके बाद उन्होंने सातवें, 12वें, 13वें, 16वें और 17वें होल में बर्डी की जबकि वह छठे और 18वें होल में डबल बोगी कर बैठे।

राव को हराकर मुंडा भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा शनिवार को तीन पर्यवेक्षकों की निगरानी में कराए गए चुनाव में निलंबित भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के अध्यक्ष चुने गए। एएआई के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार मल्होत्रा के समर्थन से मुंडा ने सेवानिवृत आईएएस अधिकारी बीवीपी राव को 34-18 के अंतर से हराया। मुंडा के पूरे पैनल ने जीत दर्ज की जिनका कार्यकाल चार साल का होगा। महाराष्ट्र के प्रमोद चंदुरकर ने सचिव पद के चुनाव में चंडीगढ़ के महासिंह को 31-21 से हराया जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के चुनाव में हरियाणा के कैप्टन अभिमन्यु ने मणिपुर के जीए इबोपिशाक को 32-20 से शिकस्त दी। कोषाध्यक्ष पद के चुनाव में उत्तराखंड के राजेन्द्र सिंह तोमर ने ओड़िशा के समिख्या नंदा दास को 34-18 से हराया।

आस्ट्रेलियाई ओपन में वायु प्रदूषण सीमा निर्धारित

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने क्वालीफाईंग के दौरान जहरीले धुएं को लेकर कड़ी आलोचना के बाद शनिवार को वायु गुणवत्ता रेटिंग के मानक तय किए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कब खेल रोकना है। आस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के कारण मेलबर्न की वायु गुणवत्ता मंगलवार को दुनिया में सबसे खराब आंकी गई थी तथा बुधवार को इसमें मामूली सुधार हुआ था। लोगों और उनके पालतू पशुओं को घर के अंदर ही रहने के लिए कहा गया था लेकिन इसके बावजूद वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम के क्वालीफाईंग मैच पूर्ववत होते रहे। स्लोवेनिया की डालिला जाकुपोविच को लगातार खांसी के कारण मैच से हटना पड़ा जबकि ब्रिटेन के लियाम ब्राडी ने दावा किया कि कई खिलाड़ियों को अस्थमा का उपचार करवाना पड़ा। लगातार आलोचनाओं के बाद आयोजकों ने मेलबर्न पार्क के निगरानी केंद्रों द्वारा मापे गए प्रदूषकों के आधार पर शनिवार को पांच स्तरीय वायु गुणवत्ता रेटिंग जारी की।

सिंधू, ताई जु यिंग होंगी पीबीएल 5 की स्टार आकर्षण

चेन्नई। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और बी साई प्रणीत के अलावा पूर्व महिला नंबर एक ताई जु यिंग सोमवार से यहां शुरू होने वाली प्रीमियर बैडमिंटन लीग के पांचवे चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे। स्पोर्ट्जलाइव के कार्यकारी निदेशक प्रसाद मंगीपुडी ने शनिवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सात टीमें लीग में खिताब हासिल करने की कोशिश करेगी जिसकी कुल इनामी राशि छह करोड़ रुपए की है। विश्व चैम्पियन सिंधू के अलावा भाग लेने वाले बड़े खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताई जु यिंग, ओलंपिक रजत पदकधारी क्रिस्टिना पेडरसन (महिला युगल), दुनिया की पूर्व नंबर नौ तानोनगसाक साएनसोमबूनसुक के अलावा भारतीय स्टार शटलर साई प्रणीत, पारुपल्ली कश्यप, लक्ष्य सेन और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी है। बेंगलुरू रैप्टर्स के प्रणीत ने कहा, लीग ने बैडमिंटन को और अधिक लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका अदा की है और यह खेल को अपार ऊंचाईयों तक ले गई है। हमें उम्मीद है कि हम अगले कुछ दिनों में यहां चेन्नई में कुछ शानदार मैच खेलेंगे। क्रिस्टिना पैडरसन लीग में अवध वारियर्स के साथ वापसी करेंगी। उन्होंने कहा, भारत हमें दूसरे घर जैसा महसूस होता है।

सानिया ने वापसी पर होबार्ट में जीता खिताब

● किचनोक के साथ मिलकर युगल में हासिल की सफलता

भाषा। होबार्ट

सानिया मिर्जा ने दो साल के विश्राम के बाद वापसी पर स्वप्निल शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां नादिया किचनोक के साथ मिलकर डब्ल्यूटीए होबार्ट इंटरनेशनल का युगल खिताब जीता। भारत और उक्रेन की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुहाई पेंग और शुहाई झांग की दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी को एक घंटे 21 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-4 से हराया। सानिया बेटे इजहान के जन्म के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थी।

इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने इस तरह से ओलंपिक वर्ष में शानदार शुरुआत की और आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए भी पुख्ता तैयारियों का सबूत पेश किया। सानिया बेटे के जन्म के कारण 2018 और 2019 के सत्र में डब्ल्यूटीए सर्किट में नहीं खेली थी। सानिया और नादिया ने पहले गेम में ही चीनी खिलाड़ियों की सर्विस तोड़ी लेकिन अगले गेम में उन्होंने सर्विस गंवा दी। दोनों जोड़ियों के बीच इसके बाद 4-4 तक करीबी मुकाबला देखने को मिला। सानिया और नादिया को नौवें गेम में ब्रेक प्वाइंट मिला जिसके बाद उन्होंने आसानी से पहला सेट अपने नाम किया। चीनी जोड़ी का खेल दूसरे सेट के शुरू में भी अच्छा नहीं रहा और उन्होंने तीसरे गेम में सर्विस गंवा दी। उन्होंने हालांकि ब्रेक प्वाइंट लेकर फिर से वापसी की। सानिया और नादिया छठे गेम में 0-30 से पीछे थी लेकिन पेंग और झांग ने उन्हें सर्विस बचाए रखने का मौका दिया। इससे भारत और उक्रेन की जोड़ी ने 4-2 से बढ़त बनाई। चीनी टीम ने हालांकि संघर्ष जारी रखा और आठवें गेम में ब्रेक प्वाइंट से स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। सानिया और नादिया ने हालांकि नौवें गेम में चीनी जोड़ी की सर्विस तोड़ दी और अगले गेम में अपनी सर्विस बचाकर मैच अपने नाम कर दिया। इस जीत से सानिया और नादिया को 13580 डालर की इनामी राशि मिली। दोनों को अलग अलग 280 रैंकिंग अंक भी मिले।

हम्बर्ट ने पहला एटीपी खिताब जीता

आक्लैंड। फ्रांस के उभरते हुए खिलाड़ी उगो हम्बर्ट ने शनिवार को यहां आक्लैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट में तीन सेट तक चले रोमांचक फाइनल में हमवतन बेनो पेयरे को हराकर पहला एटीपी खिताब अपने नाम किया। फाइनल फ्रांसिसी खिलाड़ियों के बीच था। गैर वरीयता प्राप्त हम्बर्ट ने फाइनल में पांचवे वरीय और विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज पेयरे को 7-6 3-6 7-6 से शिकस्त दी। इक्कीस साल के हम्बर्ट एक साल पहले शीर्ष 100 रैंकिंग के बाहर थे लेकिन टूर्नामेंट से पहले उन्होंने 57वीं रैंकिंग से शुरूआत की और अब ट्राफी जीतने से वह शीर्ष 50 के अंदर आ जाएंगे।

बार्टी को घरेलू सरजमी पर पहली ट्राफी

एडीलेड। आस्ट्रेलिया की एशले बार्टी ने एटीपी-डब्ल्यूटीए एडीलेड इंटरनेशनल के फाइनल में 19 साल की डायना यास्त्रेमस्का को से हराकर शनिवार को करियर में पहली बार घरेलू सरजमी पर खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में नंबर एक पायदान पर काबिज बार्टी ने यूक्रेन की 24वीं रैंकिंग वाली खिलाड़ी को 87 मिनट तक चले मुकाबले को 6-2, 7-5 से जीता। उन्होंने इसके साथ ही सोमवार से शुरू हो रहे आस्ट्रेलिया ओपन के खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की।

प्रजनेश आस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रा में

● दूसरे दौर में जोकोविच से हो सकता है मुकाबला

भाषा। मेलबर्न

भारतीय टेनिस खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन ने शनिवार को लकी लूजर के तौर पर आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के मुख्य ड्रा में जगह बनाई और अगर वह पहली बाधा पार करने में सफल रहते हैं तो दूसरे दौर में उनका मुकाबला विश्व के नंबर दो नोवाक जोकोविच से हो सकता है। प्रजनेश क्वालीफाईंग दौर के अपने अंतिम मैच में लाटविया के अर्नेस्ट गुलबिस से सीधे सेटों में हार गए थे लेकिन भाग्य के सहारे वह मुख्य ड्रा में जगह बनाने में सफल रहे क्योंकि सीधा प्रवेश पाने वाले एक खिलाड़ी ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। बाएं हाथ से खेलने वाले प्रजनेश लगातार पांचवीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में खेलेंगे। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने पिछले साल क्वालीफायर के जरिए आस्ट्रेलियाई ओपन में जगह बनाई थी लेकिन विंबलडन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में बेहतर रैंकिंग के आधार पर उन्होंने मुख्य ड्रा में स्थान पाया था। प्रजनेश को शुरू में अच्छा ड्रा मिला है। उनका पहला मुकाबला जापान के तात्सुमो इटो से होगा जो भारतीय खिलाड़ी से 22 पायदान नीचे 144वीं रैंकिंग पर काबिज हैं। यह इन दोनों के बीच पहला मुकाबला होगा। इससे 30 वर्षीय प्रजनेश को न सिर्फ ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में अपना पहला मैच जीतने का मौका मिला है बल्कि इसमें जीत दर्ज करने पर वह सर्बियाई दिग्गज जोकोविच से भी भिड़ सकते हैं। प्रजनेश ने कहा कि वह पहले दौर से आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे लकी लूजर वाली जगह मिली है और अब मैं केवल पहले दौर के मैच के बारे में सोच रहा हूं। मैं इसका अधिक से अधिक फायदा उठाने की कोशिश करूंगा। इटो अच्छा खिलाड़ी है। वह पहले शीर्ष 100 में रह चुका है और अनुभवी है। मुझे उसे हराने के लिए अच्छा खेलना होगा। पिछले साल यूएस ओपन में सुमित नागल ने दिग्गज रोजर फेडरर के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करके सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा था।

नागल और रामकुमार रामनाथन मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाए। ए दोनों क्वालीफायर्स में हार गए थे।

आनंद से जोर्डन वान फोरीस्ट से ड्रा खेला

भाषा। विज्क आन जी (नीदरलैंड)

पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथ आनंद ने टाटा स्टील मास्टर्स में शनिवार को यहां छठे दौर में नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरीस्ट से ड्रा खेला। काले मोहरों से खेलते हुए आनंद से सफेद मोहरों से खेल रहे जोर्डन को 34 चाल के बाद ड्रा पर रोका। इस ड्रा मुकाबले से आनंद छह मुकाबलों में तीन अंक के साथ संयुक्त रूप से छठे स्थान पर बरकरार हैं। अभी सात दौर का खेल बाकी है और अगर आनंद को शीर्ष पर पहुंचना है जो उन्हें दमदार वापसी करनी होगी। सातवें दौर में इस भारतीय खिलाड़ी का सामना मैगनस कार्लसन से होगा। कार्लसन को छठे दौर में अमेरिका के फाबियानो कारूआना ने ड्रा पर रोका। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह लगातार 18वां ड्रा मुकाबला है। चैलेंजर वर्ग में भारत के सूर्यशेखर गांगुली स्थानीय ग्रैंडमास्टर जान स्मीट्स से ड्रा खेलकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर खिसक गए। गांगुली के नाम चार अंक है। युवा भारतीय ग्रैंड मास्टर निहाल सरीन ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के साथ ड्रा खेला।

बजरंग फाइनल में, जितेंदर व दीपक बाहर

● रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता

भाषा। रोम

भारत के स्टार पहलवान बजरंग पूनिया ने शनिवार को यहां रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में पहुंचकर कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया। बजरंग को पहले दौर में अमेरिका के जैन एलेन रदरफोर्ड के खिलाफ पसीना बहाना पड़ा, हालांकि वह 5-4 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। क्वार्टरफाइनल में भारतीय पहलवान ने अमेरिका के जोसफ क्रिस्टोफर मैक केना को 4-2 से शिकस्त दी और फिर सेमीफाइनल में यूक्रेन के वासिल शुपतार का सफर 6-4 से समाप्त किया। बजरंग का सामना अब शनिवार को रात को फाइनल में अमेरिका के पहलवान जोर्डन माइकल ओलिवर से होगा। हालांकि जितेंदर का 74 किग्रा में और विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदकधारी दीपक पूनिया का 86 किग्रा वर्ग में अभियान समाप्त हो गया। जितेंदर ने पहले दौर में यूक्रेन के डेनिस पावलोव को 10-। से हराया था लेकिन वह क्वार्टरफाइनल में तुर्की के सोनेर देमिरतास से 0-4 से हार गए। उन्हें रेपेचेज में खेलने का मौका मिला क्योंकि देमिरतास फाइनल में पहुंच गए थे। पर यह भारतीय इस मौके का फायदा नहीं उठा सका और कजाखस्तान के दानियार काईसानोव से 2-9 से पराजित हो गया। वहीं 86 किग्रा वर्ग में दीपक को शुरूआती दौर में पुअर्तो रिको के इथान एड्रियन रामो से।-11 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। रवि कुमार दहिया 57 किग्रा के बजाय 61 किग्रा में भाग ले रहे हैं, उन्होंने दोनों दौर जीत लिए हैं। उन्होंने पहले मोलदोवा के एलेक्सांद्रू चिरतोआका और कजाखस्तान के नूरीस्लाम सानाएव को मात दी।

रिकी ब्राबेक ने 31 साल के बाद होंडा को डकार का विजेता बनाया

भाषा। रियाद। अमेरिकी राइडर रिकी ब्राबेक ने शुक्रवार को खत्म हुई डकार रैली 2020 के 12वें चरण के बाद ओवरआल रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए होंडा को 31 साल के बाद चैम्पियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। मोस्टर ईनर्जी होंडा टीम फैक्ट्री के इस चालक ने सीआरएफ 450 रैली बाइक से यह जीत दर्ज की। पहली बार इस टीम से जुड़े 28 साल के ब्राबेक के लिए यह पांचवी डकार रैली थी। उन्होंने तीसरे चरण में जीत दर्ज करने के बाद आखिर तक अपनी ओवरआल बढ़त बरकरार रखी। उनके टीम के जोश इगनासिओ कोर्नेजो चौथे और युआन बोंडा सातवें स्थान पर रहे।

सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
सीआईएन :एल74899डीएल1994पीएलसी061995
पंजीकृत कार्यालय : एनएस-92, खसरा नंबर 33/21, राणाजी एन्क्लेव, नजफगढ़, निकट अर्जुन पार्क बस स्टैंड, नई दिल्ली-110043,
ई-मेल आईडी : superiorfinlease@gmail.com
वेबसाइट : http:www.superiorfinlease.com
फोन नंबर : +91-9953798335
कम्पनी सेक्रेटरी एवं अनुपालन अधिकारी की आवश्यकता है
सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड ("कम्पनी") चुनौतीपूर्ण करियर अवसर ऑफर कर रही है तथा इसको स्थायी आधार पर कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय - एनएस-92, खसरा नंबर 33/21, राणाजी एन्क्लेव, नजफगढ़, निकट अर्जुन पार्क बस स्टैंड, नई दिल्ली-110043 में नियुक्ति के लिए उपरोक्त पद के लिए एक ऊर्जावान प्रोफेशनल की आवश्यकता है। विस्तृत विवरण के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट नामतः http://www.superiorfinlease.com/career देखें तथा अपना आत्म-विवरण (रेज्युमे) अपलोड करें अथवा आत्म-विवरण (रेज्युमे) ई-मेल superiorfinlease@gmail.com पर भेजें।
वास्ते सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
तिथि : 18 जनवरी, 2020 हस्ता./-
स्थान : नई दिल्ली (वैभव वशिष्ट)
सीएफओ एवं अनुपालन अधिकारी

अभियुक्त/संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश

आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि दो अभियुक्त/संदिग्ध व्यक्ति नामतः अज्ञात पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात वांछित हैं और फरार हैं तथा अपनी गिरफ्तारी से बच रहे हैं एवं कानून से स्वयं को छुपा रहे हैं। इस संबंध में **थाना-नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में एक मुकदमा FIR No. 29/19 दिनांक 02.03.2019 धारा 382/34, भा.द.स. दर्ज किया गया है।**
उपरोक्त कथित मुकदमा श्री सुरेन्दर कुमार महतो पुत्र महेन्दर महतो निवासी मकान नं. 334, ब्लॉक बी, गली नं. 10, स्वरूप विहार, नत्थुपुरा, बुराड़ी, दिल्ली की शिकायत पर दर्ज किया गया था और इस मुकदमे की जांच अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जा रही है। दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 03.10.2018 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से टैक्सी नम्बर डीएल-1आरटीए-3856 सफेद रंग हुंडई एसेंट किराये पर ली गई थी और इसे सैक्टर-135 नोएडा के नजदीक से उनके द्वारा लूट लिया गया था। जांच के दौरान एससीआरबी, कमला मार्केट द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों के चित्र बनाए गए थे। संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में हर संभव प्रयास किये गये हैं लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यदि किसी व्यक्ति को संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में कोई जानकारी है, तो कृपया इसकी सूचना तुरंत थाना/नई दिल्ली रेलवे स्टेशन अथवा अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित फोन नं. 011-23744073, 23363622, 8750871305 दें।
हस्ता./-
थानाध्यक्ष
थाना : नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली
फोन नं. 8750871305, 011-23744073
DP/4040/RLY/19

आस्ट्रेलियाई ओपन पर धुएं का कहर

● फेडरर ने संवादहीनता पर आयोजकों को कोसा

भाषा। मेलबर्न

रोजर फेडरर ने शनिवार को आस्ट्रेलियाई ओपन में वायु गुणवत्ता को लेकर बेहतर संवाद की मांग की क्योंकि जंगलों में लगी आग के कारण फैले धुंए से इस टूर्नामेंट की तैयारियों पर असर पड़ा और आयोजकों को प्रदूषण को लेकर नए दिशानिर्देश जारी करने पड़े। बीस बार के ग्रैंडस्लैम विजेता फेडरर ने कहा कि संवादहीनता के कारण खिलाड़ियों के लिए स्थिति और बुरी बन गई है जिन्हें शनिवार और बुधवार को मजबूर होकर कोर्ट पर उतरना पड़ा जबकि इन दिनों मेलबर्न की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब में से एक आंकी गई थी।

स्लोवेनिया की डालिला जाकुपोविच को लगातार खांसी के कारण मैच से हटना पड़ा जबकि ब्रिटेन के लियाम ब्राडी ने दावा किया कि कई खिलाड़ियों को अस्थमा का उपचार करवाना पड़ा। फेडरर ने कहा, मेरा मानना है कि टूर्नामेंट के आयोजकों का लोगों, मीडिया, प्रशंसकों, खिलाड़ियों से संवाद बेहद जरूरी है क्योंकि आप सुन रहे हैं कि बाहर निकलना सुरक्षित नहीं है, अपने पालतू पशुओं को अंदर रखे और खिड़कियां बंद रखें। विश्व में नंबर छह स्टीफेनोस सिटसिपास अन्य खिलाड़ी हैं जो धुंध से परेशान है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न में इंडोर कोर्ट पर अभ्यास करने के बावजूद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। मैं लगातार खांस रहा था। मुझे दो घंटे तक सांस लेने में परेशानी हुई। कनाडा के युवा डेनिस शापोवालोव ने कहा कि अगर टूर्नामेंट के दौरान स्थिति बिगड़ती है तो वह नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा, मैं 20 साल का हूं। मैं अपनी जिंदगी को खतरे में नहीं डाल सकता। मैं ऐसी परिस्थितियों में खेलकर अपने स्वास्थ्य को जोखिम में नहीं डाल सकता। इस बीच आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने क्वालीफाईंग के दौरान जहरीले धुएं को लेकर कड़ी आलोचना के बाद शनिवार को वायु गुणवत्ता रेटिंग के मानक तय किए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कब खेल रोकना है। आयोजकों ने मेलबर्न पार्क के निगरानी केंद्रों द्वारा मापे गए प्रदूषकों के आधार पर शनिवार को पांच स्तरीय वायु गुणवत्ता रेटिंग जारी की। अगर पार्टिकुलेट मैटर रेटिंग (पीएम 2.5) 200 तक पहुंचती है तो खेल रोक दिया जाएगा। यदि यह 97 से 200 के बीच रहती है तो चिकित्सक और आयोजक इस पर विचार करेंगे कि क्या मैच जारी रखना चाहिए। मैच रेफरी को अगर लगता है कि खेल रोक देना चाहिए तो वह ऐसा कर सकता है। नियम सभी बाहरी कोर्ट पर लागू होगा जबकि ग्रैंडस्लैम के तीन एरेना में तभी तक खेल रोका जाएगा जब तक कि उन्हें छत से ढक नहीं दिया जाता।

भारत ने पदार्पण मैच में नीदरलैंड को 5-2 से हराया

● एफआईएच प्रो लीग

भाषा। भुवनेश्वर

भारतीय पुरूष हाकी टीम ने शनिवार को यहां दो मैच के मुकाबले में शुरूआती भिड़ंत में दुनिया की तीसरे नंबर की टीम नीदरलैंड को 5-2 से हराकर एफआईएच प्रो लीग में स्वप्निल पदार्पण किया। रूपिंदर पाल सिंह ने 12वें और 46वें मिनट में दो पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जबकि गुरजांत सिंह ने पहले ही मिनट में और मंदीप सिंह ने 34वें और ललित उपाध्याय ने 36वें मिनट में शानदार मैदानी गोल दागे। नीदरलैंड के लिए जिप जानसेन ने 14वें और जेरोएन हर्टबर्गर ने 28वें मिनट में गोल किए। प्रो लीग के पहले चरण में नहीं खेलने वाली भारतीय टीम ने तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों की आदर्श शुरूआत की। भारतीय टीम अब रविवार को दूसरा मुकाबला खेलेगी। भारतीयों ने गुरजांत की मदद से 30 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बनाकर शानदार शुरूआत की।

भारत 2028 ओलंपिक में शीर्ष 10 की सूची में होगा: रीजीजू

पणजी। खेल मंत्री कीरेन रीजीजू ने शनिवार को यहां कहा कि देश का वास्तविक लक्ष्य ओलंपिक 2028 है और भारत लास एंजिल्स खेलों में शीर्ष 10 में आने की कोशिश करेगा। उन्होंने आगामी तोक्यो ओलंपिक के बारे में कहा कि भारत को मौजूदा प्रतिभाओं पर निर्भर रहना होगा लेकिन वास्तविक लक्ष्य लास एंजिल्स ओलंपिक होगा। खेल मंत्री ने यहां राष्ट्रीय खेलों के लिए चार स्टेडियम का उद्घाटन करने के बाद कहा, भारत में दुनिया की युवा जनसंख्या का 20 प्रतिशत रहती है। हर पांचवां युवा भारतीय है। क्या हम ओलंपिक में एक या दो पदक जीतकर गर्व महसूस कर सकते हैं। हम इस हालत को स्वीकार नहीं कर सकते। इसलिए हमने रोडमैप तैयार किया है। तोक्यो 2020 के लिए हम तैयार हैं लेकिन हमारी अपनी सीमाएं हैं। हमारे पास जो मौजूदा प्रतिभा है, हम उम्मीद कर रहे हैं कि तोक्यो 2020 भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक होंगे लेकिन वास्तविक लक्ष्य 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक हैं।

जैश इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : 43/5, बहलगढ़ रोड, सोनीपत -131021, फोन : 0130 - 2216666, फैक्स : 011-66173923
सीआईएन : एल24302एचआर1985पीएलसी022758य वेबसाइट : www.jaschindustries.com, ई-मेल : accounts@jasch.biz

31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और नौ माह की अवधि हेतु पुनरीक्षित आईएनडी एएस वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(सूचीयन विनियमावली के विनियम 47(1)(ख) के अधीन पृथक्कृत एवं समेकित वित्तीय परिणाम) (रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत						समेकित			
		तिमाही समाप्त			नौ माह समाप्त		वर्ष समाप्त	तिमाही समाप्त		नौ माह समाप्त	वर्ष समाप्त
		31.12.19	30.09.19	31.12.18	31.12.19	31.12.18	31.03.19	31.12.19	30.09.19	31.12.19	31.03.19
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	प्रचालनों से कुल आय	3262.12	3117.23	3927.64	9859.36	11928.87	15453.23	3262.12	3117.23	10180.23	17940.24
2	ब्याज, मूल्यह्रास एवं करों से पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए)	371.13	59.79	467.55	817.18	1179.09	1539.21	371.13	59.79	749.50	1669.62
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर तथा अपवाद मदों से पहले)	234.94	(74.25)	327.97	407.07	766.03	1046.63	234.94	(74.25)	308.88	1059.48
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर से पहले (अपवाद मदों के बाद)	234.94	(74.25)	327.97	407.07	766.03	997.65	234.94	(74.25)	308.88	1010.51
5	अवधि हेतु शुद्ध लाभ कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	180.27	(60.99)	236.73	304.07	552.36	785.17	180.27	(60.99)	205.88	797.95
6	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं]	180.27	(60.99)	236.73	304.07	552.36	785.17	180.27	(60.99)	205.88	797.95
7	इक्विटी शेयर पूंजी	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00	1133.00
8	संचेय	4506.92	4326.65	3970.04	4506.92	3970.04	4202.85	4506.92	4326.65	4506.92	4366.71
9	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/- प्रत्येक का) मूल एवं तनुकृत :	1.59	(0.54)	2.09	2.68	4.88	6.93	1.59	(0.54)	1.82	7.04

नोट्स :
1. उपरोक्त परिणामों का पुनरीक्षण लेखापरीक्षा समिति द्वारा और अनुमोदन निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 18 जनवरी, 2020 को उनकी संबंधित बैठक में किया गया है। कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा इन वित्तीय परिणामों का सीमित पुनरीक्षण किया गया है।
2. कम्पनी के वित्तीय परिणाम भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।
3. पूर्व अवधियों हेतु आंकड़े, जहां कहीं आवश्यक है, चालू अवधि के वर्गीकरण के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्समूहित किए गए हैं.

सोनीपत, 18 जनवरी, 2020
हस्ता./- (जे. के. गर्ग)
प्रबंध निदेशक

श्रृंखला पर कब्जा करने को उतरेंगी टीमें

● निर्णायक मुकाबले में रोमांचक जंग के लिए तैयार हैं भारत और आस्ट्रेलिया

● तीसरा वनडे आज

भाषा। बेंगलुरू

विश्व की दो दिग्गज टीमों भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां होने वाले तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है जिसमें दोनों टीमें श्रृंखला पर कब्जा जमाकर एक दूसरे पर बादशाहत कायम करने की कोशिश करेंगी।

इस श्रृंखला के शुरू से ही रोमांचक होने की संभावना थी लेकिन जिस तरह से आस्ट्रेलिया ने पहले मैच में एकतरफा जीत दर्ज की उससे एकबारगी लगने लगा था कि वह वह भारत में लगातार दूसरी श्रृंखला जीतने में कामयाब रहेगा। भारत ने हालांकि राजकोट में हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करके शानदार वापसी की और साबित कर दिया कि मुंबई में दस विकेट से हार के बाद हायतौबा मचाना जल्दबाजी थी। सबसे महत्वपूर्ण बात रही कि भारत दूसरे वनडे में अपने बल्लेबाजी संयोजन को ढें पर ले आया तथा केएल राहुल ने भी पांचवें नंबर पर मिले मौके का पूरा फायदा उठाया। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने पारी का आगाज किया जबकि कप्तान विराट कोहली अपने पसंदीदा तीसरे नंबर पर उतरे और श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर आए। रविवार को भी यही बल्लेबाजी क्रम बरकरार रहने की संभावना है। रोहित शुक्रवार को क्षेत्ररक्षण करते समय चोटिल हो गए थे लेकिन कोहली को विश्वास है कि यह स्टार सलामी बल्लेबाज चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले निर्णायक मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेगा। धवन की भी पसलियों में पैट कमिंस की गेंद लग गई थी, जिससे वह आस्ट्रेलियाई पारी के दौरान मैदान से बाहर चले गए थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, शिखर धवन और रोहित शर्मा अच्छी प्रगति कर रहे हैं। उनके उबरने पर करीब से नजर लगाए हैं और अंतिम वनडे में उनके भाग लेने पर फैसला मैच से पहले ही लिया जाएगा। चोटिल ऋषभ पंत की जगह मनीष पांडे को खेलने का मौका मिला और यह देखना होगा कि बाएं हाथ का यह विकेटकीपर बल्लेबाज मैच के लिए फिट हो पाएगा या नहीं। राजकोट में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण राहुल की पारी रही जो उन्होंने नंबर पांच पर खेली। इससे नई संभावनाएं पैदा हो गई जिससे टीम संतुलन को सुधारने में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज राहुल ने 150 से अधिक स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वह पिछले मैच में नंबर तीन पर खेले थे। कोहली ने तो इसे राहुल की सर्वश्रेष्ठ पारी तक करार दे दिया था। पंत की अनुपस्थिति में उन्होंने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली और आरोन फिंच को बड़ी चपलता से स्टंप आउट करने के अलावा दो कैच भी लिए। गेंदबाजी में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है और टीम तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनरों के साथ ही उतर सकती है। कुलदीप यादव पिछले साल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन पिछले मैच में उन्होंने एक ओवर में अलेक्स कैरी और स्टीव स्मिथ के विकेट लेकर मैच का पासा पलटा और खुद को उपयोगी साबित किया। कलाई के दूसरे स्पिनर युजवेंद्र चहल को कुलदीप के साथ खेलने का मौका मिल सकता है क्योंकि चिन्नास्वामी आईपीएल में उनका घरेलू मैदान है। चोट से उबरकर वापसी करने वाले जसप्रीत बुमराह की कसी हुई गेंदबाजी भारत के लिए एक और सकारात्मक पहलू रहा। उन्होंने एक छोर से दबाव बनाया और दूसरे छोर से विकेट मिलते रहे। मोहम्मद शमी और नवदीप सैनी ने भी अंतिम ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की। आस्ट्रेलिया भी हार के बाद बहुत ज्यादा बदलाव करेगा ऐसी संभावना नहीं है। कुलदीप के ओवर में दो विकेट गंवाने से पहले वह लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में बना हुआ था। बेहतरीन फार्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन ने अपनी पहली वनडे पारी में प्रभाव छोड़ा। मिशेल स्टार्क ने पिछले मैच में दस ओवर में 78 रन लुटाए लेकिन वह वापसी के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उनके साथ नई गेंद संभालने वाले पैट कमिन्स की गेंदों पर रन बनाना फिर से आसान नहीं रहा जबकि एडम जंपा फिर से कोहली को आउट किया। बाएं हाथ के स्पिनर एश्टन एगर हालांकि प्रभाव नहीं छोड़ पाए। उन्हें निर्णायक मैच में बेहतर खेल दिखाना होगा।

टीमें : भारत: विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, के एल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, केदार जाधव, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, नवदीप सैनी, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद शमी।

ऑस्ट्रेलिया: आरोन फिंच (कप्तान), एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिन्स, सीन एबॉट, एश्टन एगर, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, मार्नस लाबुशेन, केन रिचर्डसन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, एशटन टर्नर, डेविड वार्नर और एडम जंपा।

राहुल की टेस्ट और हार्दिक की फिट होने पर वनडे में वापसी संभव

● आज होगा टीम चयन

भाषा। बेंगलुरू

केएल राहुल सीमित ओवरों में शानदार फार्म के कारण न्यूजीलैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में भी जगह बनाने के दावेदार बन गए हैं जिसके लिए टीम का चयन रविवार को यहां किया जाएगा। चयनकर्ता वनडे टीम का चयन करने से पहले आलराउंडर हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर भी गौर करेंगे। राहुल टी20 और वनडे में नियमित रूप से खेलते रहे हैं लेकिन आस्ट्रेलिया दौरे के बाद वह टेस्ट टीम से बाहर हो गए थे। कप्तान विराट कोहली ने हालांकि कहा है कि राहुल जैसे खिलाड़ी को किसी भी टीम से बाहर रखना मुश्किल है और ऐसे में फिर से फिट पृथ्वी साव और शुभमन गिल पर उनका पलड़ा भारी लगता है। कुलदीप यादव के रूप में तीसरा स्पिनर रखने के बजाय तेजी से उबर रहे तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में टेस्ट टीम में रखा जा सकता है क्योंकि न्यूजीलैंड में रविचंद्रन अश्विन या रविंद्र जडेजा में से किसी एक को ही अंतिम एकादश में जगह मिलने की संभावना है। इसी तरह से भारतीय टीम प्रबंधन पंड्या का गेंदबाजी करने के लिए फिट होने का इंतजार कर रहा है और अगर वह फिट होते हैं तो फिर वनडे में उनका चयन तय है। पंड्या गेंदबाजी को लेकर अनिवार्य टेस्ट में नाकाम रहे थे जिसके बाद उनके निजी ट्रेनर एस रजनीकांत ने उन्हें भारत ए दौरे से हटने की सलाह दी थी। अगर हार्दिक फिट नहीं होते तो चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव की शॉट खेलने की काबिलियत पर विश्वास दिखा सकते हैं। वनडे के लिए अजिंक्य रहाणे के नाम पर भी विचार किया जा सकता है। उन्हें केदार जाधव की जगह चुना जा सकता है। बीसीसीआई सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, केदार निश्चित तौर पर 2023 विश्व कप में नहीं खेलेगा और अब वह गेंदबाजी भी नहीं करता। वह टी20 टीम में भी नहीं है इसलिए उसे न्यूजीलैंड ले जाने को कोई मतलब नहीं बनता है। सूर्य और रहाणे में किसी को आजमाए जाने की संभावना है।

बीसीसीआई ने स्कोरर कौशिक साहा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को स्कोरर कौशिक साहा के निधन पर शोक व्यक्त किया। साहा का शुक्रवार को कोलकाता मे दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। साहा 52 वर्ष के थे और उन्हे दिल का दौरा पड़ने से दो दिन पहले मधुमेह से संबंधित उपचार के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई ने बयान मे कहा, वह हमेशा पसंदीदा अधिकारियों मे से एक रहेगे। बीसीसीआई दुख की इस घड़ी मे उनके परिवार और मित्रो के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है। साहा ने स्कोरर के रूप मे बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त 500 से अधिक मैचों तथा 16 टेस्ट मैचों मे अपनी सेवाएं दी। कोलकाता मे हाल मे खेले गए गुलाबी गेंद के टेस्ट मैच मे भी वह स्कोरर थे।

बांग्लादेश के बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच पाक दौरे से हटे

ढाका। बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच नील मैकेंजी और क्षेत्ररक्षण कोच रेयान कुक पाकिस्तान के आगामी दौरे के पहले चरण से हट गए है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने कहा कि टीम कोचिंग स्टाफ के पांच सदस्यो के बिना पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मैकेंजी और कुक जहां खुद ही दौरे से हटे है वही बीसीबी ने इस कम अवधि की श्रृंखला के लिए स्पिन सलाहकार डेनियल विटोरी को नही बुलाने का फैसला किया। टीम विश्लेषक श्रीनिवास चंद्रशेखरन के नाम पर भी विचार नही किया गया क्योकि वह भारतीय नागरिक है जबकि अनुकूलन कोच मारिया विल्लावारायन के हाथ मे चोट लग गई है। अकरम ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, हाल मे मारियो का हाथ टूट गया था जबकि टीम विश्लेषक स्काईपी के जरिए टीम के साथ काम करेगे। मैकेंजी और क्षेत्ररक्षण कोच भी नही जाएंगे जबकि हमने अभी तक अपने नए गेंदबाजी कोच की पुष्टि नही की है। इससे पहले इस सप्ताह के शुरू मे विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने पाकिस्तान का दौरा करने से इन्कार कर दिया था। बांग्लादेश को पाकिस्तान मे जनवरी से लेकर अप्रैल तक तीन चरणों मे होने वाली श्रृंखला मे तीन टी20, दो टेस्ट और एक वनडे खेलना है।

रीजीजू ने किया फिट इंडिया साइक्लोथोन का उद्घाटन

पणजी। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यहां गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ फिट इंडिया साइक्लोथोन का उद्घाटन किया। फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत इस साइक्लोथोन का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर रीजीजू ने गोवा मे आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों के बारे मे कहा कि ए सर्वश्रेष्ठ खेल होंगे। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन गोवा मे 20 अक्टूबर से चार नवंबर तक किया जाएगा। रीजीजू ने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि गोवा मे होने वाले आगामी राष्ट्रीय खेल भारत मे सर्वश्रेष्ठ होंगे। यह मै आपको आश्वस्त कर सकता हूं क्योकि हमारे मुख्यमंत्री गोवा को खेल और फिट राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

राहुल ने स्मिथ व विलियमसन के वीडियो देखकर मध्यक्रम में खेलने की तैयारी की

भाषा। राजकोट

सलामी बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक सहज महसूस करने वाले केएल राहुल ने मध्यक्रम में सफल होने के लिए वर्तमान समय के दिग्गज विराट कोहली से लगातार बातचीत करने के अलावा स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन के वीडियो देखकर खुद को चुनौती के लिए तैयार किया। राहुल ने दूसरे वनडे के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं लगता है कि तकनीकी तौर पर मैंने अलग तरह से अभ्यास किया। मैंने केवल मध्यक्रम के बल्लेबाजों से बहुत अधिक बातचीत की तथा ढेर सारे वीडियो देखे। मैंने विराट (कोहली) से काफी बात की तथा एबी (डिविलियर्स) और स्टीव स्मिथ के कई वीडियो देखे कि कैसे वे अपनी पारी संवारते हैं।

मैंने केन विलियमसन का अनुसरण करने की कोशिश की और उनके कुछ वीडियो देखे और यह समझने की कोशिश की कि वह अपनी पारी को कैसे आगे बढ़ाते हैं और कुछ विशेष परिस्थितियों में कैसे खेलते हैं। मैं इस चीज को समझने की कोशिश कर रहा हूं कि मैं कुछ विशेष परिस्थितियों में कैसे बेहतर खेल सकता हूं। इस 27 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में विभिन्न स्थानों पर खेलने से खेल की उनकी समझ बेहतर हो गई है। वह अब तक 17 बार सलामी बल्लेबाज, तीन बार तीसरे नंबर, चार बार चौथे नंबर, दो बार पांचवें और एक बार छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। इससे पहले आखिरी बार वह अगस्त 2017 में श्रीलंका के खिलाफ नंबर पांच पर उतरे थे और तब उन्होंने सात रन बनाए थे। राहुल ने कहा, यह बड़ी चुनौती है। मैं अच्छी फार्म में हूं और अपने कौशल पर मुझे पूरा विश्वास है इसलिए हर मैच में नई जिम्मेदारी और नई भूमिका भी किसी वरदान से कम नहीं है, बहुत कम बल्लेबाजों को ऐसा मौका मिलता है। मैं इसे इसी तरह से देखता हूं और मैं अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठा रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा बल्लेबाजी का आगाज करता रहा हूं तो उस स्थिति में मैं खुद को सबसे अधिक सहज महसूस करता हूं। मैं जानता हूं कि पारी को कैसे आगे बढ़ाना है लेकिन जब मुझे तीन, चार या पांच नंबर पर उतरना पड़ता है तो मुझे स्वयं के बारे में, अपनी बल्लेबाजी और एक कला के रूप में बल्लेबाजी के बारे में काफी कुछ सीखने को मिलता है। इस बीच राहुल को पिछले दो वनडे में विकेटकीपर की भूमिका भी निभानी पड़ी। राहुल अंडर-19 विश्व कप में विकेटकीपिंग कर चुके हैं। वह कर्नाटक के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग में भी यह भूमिका निभा चुके हैं। नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के बाद राहुल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। यह एक चुनौती है। यहां तक कि मैं कुछ अवसरों पर कुलदीप (यादव) और (रविंद्र) जडेजा की गेंदों की गति को नहीं समझ पाता। मुझे अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ इस तरह की गेंदबाजी का सामना नहीं करना पड़ा था। मुझे जो भी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है मैं केवल उसका आनंद उठा रहा हूं और अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास कर रहा हूं।

केएल लंबे समय के लिए विकेटकीपर का विकल्प नहीं

भाषा। बेंगलुरु

विशेषज्ञों की सलाह

ज्यादातर विशेषज्ञ आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग में शानदार योगदान देकर भारत को जीत दिलाने वाले लोकेश राहुल के लंबे समय तक विकेटकीपिंग करने के पक्ष में नहीं हैं। टीम के नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के बाद राजकोट में खेले गए वनडे में राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाई। इसके बाद उनकी तुलना दिग्गज राहुल द्रविड़ से की जाने लगी जिन्होंने 70 से अधिक एकदिवसीय मैचों में मध्यक्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी। राहुल ने इस मुकाबले में 52 गेंद में 80 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली जिससे भारत ने बड़े स्कोर वाले इस मुकाबले को 36 रन से जीता। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने जसप्रीत बुमराह और नवदीप सैनी की गेंद पर कैच लपकने के साथ रविन्द्र जड़ेजा की गेंद पर शानदार स्टंपिंग कर आरोन फिंच की पारी का अंत किया। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि राहुल की विकेटकीपिंग राहुल द्रविड़ से बेहतर है। उन्होंने कहा कि दांए हाथ के इस बल्लेबाज को हालांकि दोहरी जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। चोपड़ा ने रविवार को यहां खेले जाने वाले निर्णायक एकदिवसीय की पूर्व संध्या पर पीटीआई से कहा, लोकेश राहुल विकेटकीपिंग के मामले में द्रविड़ से बेहतर हैं लेकिन मैं नहीं चाहूंगा कि उन्हें नियमित तौर पर यह जिम्मेदारी दी जाए। यह नहीं होना चाहिए की वह 50 ओवर विकेटकीपिंग करें और फिर शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करे। उन्होंने कहा, अगर कोई बल्ले से अच्छा कर रहा है और वह टीम में कोई और योगदान दे सकता है तो इसका यह मतलब नहीं कि उसे विकेटकीपिंग भी करनी चाहिए। लोकेश राहुल एक विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में मेरे लिए बहुत कीमती हैं। इस तरह उसके कार्यभार को प्रबंधित करने के बजाय आप उसे बढ़ा रहे हैं। चोपड़ा ने कहा, कभी कभार जरूरत के मुताबिक या टीम संयोजन के लिए वह ऐसा करते हैं तो ठीक है लेकिन लंबे समय तक आपको उन्हें 10000 रन बनाने का मौका देना होगा। वह अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो यह संभव नहीं होगा। श्रृंखला से पहले ऐसा लग रहा था कि पारी का अगाज करने के मामले में रोहित शर्मा के जोड़ी बनाने के लिए शिखर धवन और राहुल के बीच टक्कर होगी। राहुल पर भरोसा करने वाले कप्तान विराट कोहली ने दोनों को अंतिम 11 में मौका दिया। राहुल मुंबई में खेले गए पहले एकदिवसीय में तीसरे जबकि राजकोट में पांचवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया का भी मानना है कि राहुल लंबे समय के लिए विकेटकीपर का विकल्प नहीं हो सकते। मोंगिया ने कहा, वह टीम में शानदार दूसरे विकेटकीपर हो सकते हैं। वह एकदिवसीय में नियमित विकेटकीपर नहीं हो सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह चल जाएगा लेकिन एकदिवसीय में नहीं। टीम में नियमित विकेटकीपर होना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर वह नियमित तौर पर विकेटकीपिंग करेंगे तो उनकी बल्लेबाजी प्रभावित होगी। वह टीम के लिए विकेटकीपर की जगह एक बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा अहम है। राहुल को इससे पहले भी विकेटकीपर की भूमिका भी निभानी पड़ी। राहुल अंडर-19 विश्व कप में विकेटकीपिंग कर चुके हैं। वह कर्नाटक के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग में भी यह भूमिका निभा चुके हैं। नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के बाद राहुल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। विकेटकीपिंग एक चुनौती है। यहां तक कि मैं कुछ अवसरों पर कुलदीप (यादव) और (रविंद्र) जडेजा की गेंदों की गति नहीं समझ पाता। मुझे अपनी प्रथम श्रेणी टीम के साथ इस तरह की गेंदबाजी का सामना नहीं करना पड़ा था। मुझे जो भी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है मैं केवल उसका आनंद उठा रहा हूं और अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास कर रहा हूं।

द्रविड़ जैसे महान बल्लेबाज से तुलना सम्मान की बात : राहुल

राजकोट। टीम की जरूरत के हिसाब से विभिन्न भूमिकाओं मे खरा उतरने की सीख ले रहे केएल राहुल की दिग्गज राहुल द्रविड़ से तुलना की जाने लगी है और इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि यह एक सम्मान है। राहुल द्रविड़ की तरह केएल राहुल भी मध्यक्रम मे खेल रहे है और साथ मे विकेटकीपिंग भी कर रहे है। राहुल सलामी बल्लेबाज है लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ वह मध्यक्रम मे खेल रहे है। राजकोट मे दूसरे वनडे मे उन्होने पांचवे नंबर पर उतरकर 80 रन बनाए और ऋषभ पंत की अनुपस्थिति मे विकेटकीपिंग भी की। द्रविड़ से तुलना के बारे मे राहुल ने कहा, उनके जैसे बल्लेबाज के साथ तुलना सम्मान है। बहुत पहले से ऐसी तुलना की जाती रही है। वह राहुल द्रविड़ है और मै राहुल इसलिए इस तरह की तुलना होती रही और वह उन लोगो मे शामिल है जिनके साथ मैने क्रिकेट और बल्लेबाजी पर काफी बात की है और वह भी उसी राज्य (कर्नाटक) के रहने वाले है। द्रविड़ ने दक्षिण अफ्रीका मे 2003 मे खेले विश्व कप मे विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी।

अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम प्रबल दावेदार

● श्रीलंका के खिलाफ मुकाबला आज

भाषा। ब्लोमफोंटेन

गत चैम्पियन भारतीय टीम रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में प्रबल दावेदार के रूप में अपने अभियान की शुरूआत करेगी। भारतीय टीम में पांच ऐसे खिलाड़ी भी हैं जो आईपीएल में खेलने का अनुबंध हासिल कर चुके हैं। बार बार टूर्नामेंट में दिखा है कि जूनियर स्तर पर भारत और अन्य टीमों के बीच काफी अंतर है जिसका सबूत है कि टीम पिछले चार चरण में दो में खिताब हासिल कर चुकी है और एक में उप विजेता रह चुकी है। मौजूदा चरण से पहले भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ द्विपक्षीय और फिर चतुष्कोणीय श्रृंखला जीती। अभ्यास मैच में उन्होंने अफगानिस्तान को हराया और फिर इसी अफगानिस्तानी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को विश्व कप के शुरूआती मैच में पस्त किया। राहुल द्रविड़ के जूनियर क्रिकेट की जिम्मेदारी संभालने के बाद मजबूत ढांचा बनाया गया जिससे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकले। इस सत्र में बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अहम होंगे जिन्हें हाल में आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रायल्स से 2.4 करोड़ रूपए का अनुबंध मिला। उन्हें अभी तक से जूनियर क्रिकेट में बड़ा खिलाड़ी बनने के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने देश की सीनियर राष्ट्रीय एकदिवसीय चैम्पियनशिप (विजय हजारे ट्राफी) में दोहरा शतक जड़ा। कप्तान प्रियम गर्ग को भी करोड़ रूपए का आईपीएल करार मिला और वह काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने 12 प्रथम श्रेणी और 19 लिस्ट ए मैच खेले हैं। लंबी कद काठी के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी में भी सभी की दिलचस्पी है। फिर लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी होंगे जिन्हें किंग्स इलेवन पंजाब ने दो करोड़ रूपए का अनुबंध दिया। श्रीलंकाई टीम में भी कई खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल में सीनियर स्तर खेलने का मौका मिला जिसमें जूनियर एशिया कप शामिल है। लेकिन उनके लिए भारतीय टीम काफी मजबूत साबत होगी।

टीमे : भारत : प्रियम गर्ग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, दिव्यांश सक्सेना, ध्रुव चंद जुरेल (उप कप्तान और विकेटकीपर), शाश्वत रावत, सिद्धेश वीर, शुभांग हेगड़े, रवि बिश्नोई, आकाश सिंह, कार्तिक त्यागी, अथर्व अंकोलकर, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), सुशांत मिश्रा, विद्याधर पाटिल। **श्रीलंका :** निपुन धनंजय (कप्तान), आशियान डैनियल, सोनल दिनुशा, थ्वीशा कहदुवाराच्ची, दिलशान मदुशंका, कामिल मिश्रा, कविंद्र नदीशन, नवोद परानविथाना, माथीशा पथिराना, रविंद्र रसांथा, मोहम्मद शमाज, अमशी डि सिल्वा, सुदीरा तिलकरत्नेे, अहान विक्रमसिंघे, चामिडु विजसिंघे। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर एक बजकर 30 मिनट शुरू होगा।

बीसीसीआई ने नए चयनकर्ताओं के लिए आवेदन मांगे

भाषा। नई दिल्ली

बीसीसीआई ने राष्ट्रीय चयनसमिति के अध्यक्ष एमएसके प्रसाद और उनके सहयोगी गगन खोड़ा की जगह लेने के लिए शनिवार को आवेदन मंगाए है। सीनियर चयनसमिति के दो सदस्यो के अलावा महिला चयनसमिति के सभी सदस्यो और जूनियर चयनसमिति मे दो बदलाव होने है। इसके लिए आवेदन देने की आखिरी तिथि 24 जनवरी है। यह हालांकि अभी साफ नही है कि मदन लाल, गौतम गंभीर और सुलक्षणा नाइक की प्रस्तावित क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) आवेदन देने वाले उम्मीदवारो का साक्षात्कार करेगी या नही। सौरव गांगुली की अगुवाई वाली बीसीसीआई ने चयनकर्ता बनने के लिए जो शर्त तय की है उसके मुताबिक उम्मीदवार की उम्र 60 साल से अधिक नही होनी चाहिए। वरिष्ठ चयनकर्ता के पद के लिए उम्मीदवार को सात टेस्ट और 30 प्रथम श्रेणी मैच या 10 एकदिवसीय मैच और 20 प्रथम श्रेणी मैच का अनुभव होना चाहिए। आवेदको को क्रिकेट के हर प्रारूप से पांच साल पहले संन्यास लिया हुआ होना चाहिए। जूनियर चयनसमिति के लिए आवेदक को कम से कम 25 प्रथम श्रेणी मैचो का अनुभव होना चाहिए। सीनियर महिला टीम का चयनकर्ता बनने के लिए आवेदक के पास कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैच का अनुभव होना चाहिए।

कम गेंदबाजी करने से परेशान उमेश की निगाहें काउंटी में खेलने पर

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज अपने कार्यभार को लेकर चिंतित रहते हैं लेकिन भारत के उमेश यादव कम गेंदबाजी से परेशान हैं जिनका कहना है कि वह अधिक गेंदबाजी करने के लिए काउंटी क्रिकेट में खेलने पर निगाह लगाए हैं। भारत के तेज गेंदबाजों में से एक उमेश भारत की खतरनाक चौकड़ी का हिस्सा हैं लेकिन अब वह सफेद गेंद के क्रिकेट में नहीं दिखते और अब चयनकर्ताओं से थोड़ा साफ पूछना चाहते हैं कि उनका गेम टाइम कैसे बढ़ सकता है। उमेश ने कहा, कार्यभार प्रबंधन ऐसा संतुलन है जो आपके लगातार मैच खेलने पर किया जाता है। लेकिन मेरे मामले में यह उलट है। मैंने पिछले दो वर्षों (2018 और 2019) में काफी कम खेला है। इसलिए मेरे ऊपर ऐसा कार्यभार नहीं है। वह यहां विदर्भ के लिए रणजी ट्राफी मैच खेलने के लिए आए हुए हैं। उनके 45 टेस्ट में 142 विकेट हैं और उनका मानना है कि उनकी उम्र में उन्हें ज्यादा से ज्यादा खेलने की जरूरत है ताकि वह लय में रह सकें। उमेश ने कहा कि मैं 31 साल का हूं और मेरे लिए अगले चार से पांच साल काफी अहम हैं। अगर आप मेरे रिकार्ड को देखो तो मैंने पिछले साल (2019) चार टेस्ट खेले और इससे पिछले साल (2018) भी चार टेस्ट खेले थे। सफेद गेंद से मैंने पिछले साल सिर्फ एक ही मैच खेला था। उमेश ने 2019 में चार टेस्ट में 23 विकेट चटकाए थे और अब तीन रणजी मैच खेल लिए हैं। उन्होंने कहा कि इस उम्र में, मैं जितनी ज्यादा गेंदबाजी करूंगा, उतना बेहतर बनूंगा। इसलिए मैं पांच प्रथम श्रेणी मैच खेल रहा हूं ताकि कुछ ज्यादा गेंदबाजी कर सकूं। नागुपर के इस गेंदबाज के 75 वनडे में 106 विकेट हैं। उन्होंने कहा, इसलिए विश्व टी20 वाले साल में न्यूजीलैंड दौरे के बाद मेरे पास केवल आईपीएल होगा और फिर कोई क्रिकेट नहीं। अगर मैं सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए नहीं चुना गया तो मेरे पास खेलने के लिए कुछ नहीं होगा। तो वह काउंटी क्रिकेट क्यों नहीं खेलते, इस पर उन्होंने कहा, मुझे पिछले सत्र में ग्लूस्टरशर से काउंटी पेशकश मिली थी। वे मुझे सात मैच में खिलाना चाहते थे लेकिन बीसीसीआई की कार्यभार प्रबंधन नीति मुझे दो या तीन से ज्यादा मैच खेलने की अनुमति नहीं देती। इसलिए यह कारगर नहीं रहा। साथ ही आईपीएल के बाद मुझे कुछ हल्की फुल्की चोटें भी थीं।

बीच के ओवरों में तीन विकेट जल्दी गंवाने से मिली हार : स्मिथ

राजकोट। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि बीच के ओवरो मे कम अंतराल मे तीन विकेट गंवाने से उनकी टीम को भारत के खिलाफ दूसरे वनडे मे 36 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर छह विकेट पर 340 रन बनाए और फिर आस्ट्रेलिया को 304 रन पर आउट करके तीन मैचो की श्रृंखला।-। से बराबर की। स्मिथ ने शुक्रवार को मैच के बाद कहा, हमने तभी मैच गंवा दिया जब हमने 30 से 40 ओवर के बीच तीन विकेट गंवाए और हमारे पास कोई ऐसा बल्लेबाज नही बचा था जो तेजी से रन बना सके। उन्होने कहा, अगर हमारे पास ऐसा कोई बल्लेबाज होता जो कि क्रीज पर टिका रहता तो हो सकता है कि चीजे भिन्न होती लेकिन हमने वही मैच गंवा दिया था। आस्ट्रेलिया ने 30 से 40 ओवर के बीच तीन विकेट गंवाए। मार्नस लाबुशेन 31वे ओवर मे आउट हुए जबकि चाइनामैन कुलदीप यादव ने 38वे पहले अलेक्स कैरी और स्मिथ को आउट करके मैच का नक्शा बदल दिया था। स्मिथ ने कहा, मार्नस ने वनडे क्रिकेट मे अपनी पहली पारी मे शानदार बल्लेबाजी की। हम कुछ समय तक छह रन प्रति ओवर की अच्छी दर से आगे बढ़ रहे थे। हम अच्छे शॉट लगा रहे थे। मुझे लगता है कि तब रन गति अच्छी थी लेकिन 30 से 40 ओवर के बीच मे तीन विकेट गंवाने से हमे बहुत बड़ा झटका लगा। स्मिथ ने कहा कि भारत की जीत मे मध्यक्रम मे निभाई गई साझेदारियो की भूमिका अहम रही। हमने वनडे मैच के लिए अपनी सामान्य रणनीति अपनाई। गेंदबाजी करते हुए हमारी रणनीति विकेट निकालने और इस तरह से रन गति पर अंकुश लगाने की थी। निश्चित तौर पर उन्होने कुछ शानदार साझेदारियां निभाई।

रोहिंग्या विवाद केबावजूद चीन और म्यामां ने साथ खड़े होने का संकल्प लिया

एएफपी। नेपीडा (म्यामां)

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और म्यामां की नेता आंग सान सू ची के बीच देश में विशाल बुनियादी ढांचा निर्माण संबंधी समझौते को लेकर शनिवार को बैठक हुई। इस बीच सू ची ने कहा है कि म्यामां हमेशा चीन के साथ खड़ा रहेगा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और म्यामां की नेता आंग सान सू ची के बीच यहां हुई मुलाकात के बाद चीन और म्यामां के बीच शनिवार को 33 आधारभूत परियोजनाओं के समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। चीनी नेता म्यामां की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के साथ बुरे बर्ताव को लेकर कई पश्चिमी देशों की आलोचना मोल लेने वाले म्यामां के समर्थन में चीन खड़ा हुआ है।

नेपीडा (म्यामां) में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और म्यामां की नेता आंग सान सू ची

शी की दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन उनसे मुलाकात के दौरान सू ची ने रोहिंग्या मुद्दे को लेकर म्यामां की आलोचना करने वाले पश्चिमी देशों को आड़े हाथों लिया। म्यामां की सेना द्वारा कथित तौर पर हमले किए जाने के बाद सात लाख 30 हजार से ज्यादा रोहिंग्या मुसलमान पड़ोसी बांग्लादेश भाग गए थे जिससे वैश्विक शरणार्थी संकट शुरू हो गया।

शी और सू ची ने 33 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें राजनीति, व्यापार, निवेश, लोगों से लोगों के स्तर पर संपर्क, बेल्ट और रोड पहल (बीआरआई) से जुड़ी परियोजनाओं से जुड़े समझौते शामिल हैं। बीआरआई चीन के नए व्यापार मार्ग को रेखांकित करता है जिसे 21वीं सदी का रेशम मार्ग करार दिया जाता है। बातचीत के दौरान सू ची ने शी को बताया कि म्यामां-चीन आर्थिक गलियारे के निर्माण को बढ़ावा देना और परिवहन, ऊर्जा, उत्पादन क्षमता, मानवीय एवं सांस्कृतिक विनिमय, सीमावर्ती इलाकों और क्षेत्रीय मामले म्यामां की प्राथमिकता में हैं।

बुर्किना फासो में बम की चपेट में आने से छह सैनिकों की मौत

आउगादोयगु (एएफपी)। बुर्किना फासो के उत्तरी प्रांत में सड़क के किनारे पड़े बम की चपेट में आने से एक वाहन में सवार छह सैनिकों की मौत हो गई। रक्षा सूत्रों ने बताया कि अभी तक इस विस्फोट की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन इस तरह के हमलों के पीछे यहां अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूहों का हाथ माना जाता है। सेना ने एक बयान में बताया कि सैनिक सौउम प्रांत में वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे और उसी दौरान एक देसी बम में विस्फोट से छह सैनिकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना के बाद क्षेत्र में सैन्य दल गश्त करने लगे हैं। बुर्किना फासो और पड़ोसी देश माली तथा नाइजर में हाल के दिनों में आतंकवादी हमले बढ़े हैं।

अल्पाइन मीडोज स्की रिजॉर्ट में एक चेयरलिफ्ट की सवारी करते स्कीयर्स जो कि सबवे सर्के स्की रन से गुजरने वाले पहाड़ के सामने है जहां शुक्रवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दूसरा हिमस्खलन में गंभीर रूप से घायल हो गया था।

पाकिस्तान ने सीडीएस रावत के बयान की निंदा की

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के उस बयान की निंदा की है, जिसमें उन्होंने कश्मीर घाटी में युवाओं को कट्टरपंथ से मुक्ति दिलाने के लिए शिविर चलाने का सुझाव दिया था।

नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2020 को संबोधित करते हुए जनरल रावत ने पाकिस्तान का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा था कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को आतंक निरोधक संस्था एएफटीएफ की काली सूची में डालने तथा कूटनीतिक रूप से अलग थलग करने की जरूरत है।

जनरल रावत ने कश्मीर में हालात का जिक्र करते हुए कहा था कि घाटी में 10 और 12 साल के लड़के-लड़कियों को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, इन लोगों को धीरे-धीरे कट्टरपंथ से अलग किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे लोग भी हैं जो पूरी तरह कट्टरपंथी हो चुके हैं। इन लोगों को अलग से कट्टरपंथ से मुक्ति दिलाने वाले शिविर में ले जाने की आवश्यकता है।

● कश्मीर घाटी में युवाओं को कट्टरपंथ से मुक्ति दिलाने के लिए शिविर चलाने का दिया था सुझाव

जनरल रावत के बयान की निंदा करते हुए पाकिस्तान के विदेश विभाग ने कहा, यह टिप्पणी चरमपंथी मानसिकता और दिवालिया सोच को दर्शाती है जो स्पष्ट रूप से भारत के राजकीय संस्थानों में फैल चुकी है।

श्रीलका में ईस्टर हमलों के बाद ड्रोन पर लगा प्रतिबंध हटा

कोलंबो (एपी)। श्रीलंका में ईस्टर रविवार के हमलों के बाद ड्रोन पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया गया है। इन हमलों में 263 लोग मारे गए थे। मीडिया संस्थानों, वेडिंग वीडियोग्राफरों, फोटोग्राफरों और वाणिज्यिक विज्ञापन कंपनियों से ड्रोन उड़ाने की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रतिबंध हटाया गया है। हालांकि, प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों में ड्रोन का संचालन बंद रहेगा। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर शनिवार को कहा कि सभी ड्रोन ऑपरेटरों को ड्रोन उड़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय से मंजूरी लेनी होगी। मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के निर्देश पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। दक्षिण एशिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े स्थानीय मुस्लिम समूह के सात आत्मघाती हमलावरों ने तीन गिरिजाघरों और लक्जरी होटलों में हमला किया था जिसमें 258 लोग मारे गए थे और लगभग 500 लोग घायल हो गए थे।

ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता को दी संभल कर बात करने की नसीहत

एएफपी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई को शुक्रवार को संभल कर बात करने की नसीहत दी।

ईरान की राजधानी तेहरान में खामनेई की टिप्पणी के बाद ट्रंप ने ट्वीट किया, ईरान के तथाकथित सर्वोच्च नेता जो अब उतने सर्वोच्च नहीं रह गए हैं, को अमेरिका और यूरोप के बारे में कुछ खराब बातें कहनी है। ट्रंप ने कहा कि खामनेई ने जो अपने भाषण में बोला वह उनकी भूल है। दरअसल खामनेई ने अपने भाषण में अमेरिका को बुरा और ब्रिटेन, फ्रांस तथा जर्मनी को अमेरिका का प्यादा बताते हुए ट्रंप पर हमला बोला था। ट्रंप ने ट्वीट किया, उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा रही है और उनकी जनता परेशान है। उन्हें बोलते वक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

खामनेई ने अपने भाषण में अमेरिका को बुरा और ब्रिटेन, फ्रांस तथा जर्मनी को अमेरिका का प्यादा बताते हुए ट्रंप पर हमला बोला था

ट्रंप के बचाव दल में शामिल हुए केन स्टार और सेलिब्रेटी वकील देरशोविज

वाशिंगटन (एएफपी)। बिल क्लिंटन महाभियोग मामले को लेकर 1990 के दशक में चर्चा में रहे केन स्टार और देश के सबसे बड़े सेलिब्रेटी वकील एलन देरशोविज सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चलने वाली महाभियोग की कार्वाई में उनका बचाव करेंगे। प्रशासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने पूरी टीम का खुलासा नहीं किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस टीम का नेतृत्व व्हाइट हाउस के वकील पैट सिपलोन करेंगे और इसमें ट्रंप के निजी वकील जे सेकुलोव उनका पूरा साथ देंगे। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार की शाम एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ गलत नहीं किया है और उन्हें पूरा विश्वास है कि यह टीम उनका और इस आधारहीन और गैरकानूनी महाभियोग से हमारे लोकतंत्र का बचाव करेगी।

मुशर्रफ के आत्मसमर्पण के बाद ही न्यायालय उनकी अर्जी सुनेगा

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय ने विशेष पंचाट द्वारा दोषी करार दिए जाने और सजा सुनाए जाने के खिलाफ, स्वनिर्वासन में रह रहे पूर्व शासक परवेज मुशर्रफ की याचिका वापस करते हुए कहा कि उन्हें कानून के समक्ष समर्पण किए बगैर अपील करने की अनुमति नहीं है।

74 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने देशद्रोह के मामले में उन्हें सुनाई गई मौत की सजा को चुनौती दी थी। फिलहाल मुशर्फ दुबई में हैं। मुशर्फ के वकील बैरिस्टर सलमान सफदर ने शीर्ष अदालत को 90 पन्ने की याचिका सौंपी। अर्जी में उन्होंने विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार कार्यालय ने शुक्रवार को यह कहते हुए अपील ठुकरा दी कि यह मान्य कानून है कि

दोषी को अपील दायर करने से पहले अदालत के समक्ष समर्पण करना चाहिए। दिसंबर में विशेष अदालत का यह फैसला पाकिस्तान के इतिहास का पहला फैसला था, जिसमें किसी पूर्व सैन्य प्रमुख को देशद्रोह के मामले में दोषी करार देकर मौत की सजा सुनाई गई हो। मामले की सुनवाई शुरू होने के छह साल बाद मुशर्रफ को मौत की सजा सुनाई गई. तीन नवंबर, 2007 में संविधान रद्द कर पूर्व राष्ट्रपति ने देश में आपातकाल लागू कर दिया था, जिसपर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पीएमएल-एन) सरकार ने मामला दर्ज किया था।

क्विक न्यूज

लीबिया मुद्दे पर बर्लिन कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे पुतिन: रूस

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लीबिया मुद्दे पर बर्लिन सम्मेलन के बारे में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के साथ फोन पर चर्चा की है, जिसमें रविवार को शामिल होने की उनकी योजना है। रूस ने एक बयान में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिनहुआ के मुताबिक, शुक्रवार को बयान में कहा गया कि बर्लिन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वालों से लीबिया संकट के समाधान पर विचारों का आदान-प्रदान करने किए जाने की उम्मीद है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के तत्वाधान में शत्रुता को तेजी से समाप्त करना, युद्धरत पक्षों का सामंजस्य और एक व्यापक राजनीतिक वार्ता की शुरुआत शामिल है।

फेसबुक दुर्भावनापूर्ण एप संबंधी आंकड़ों का करे खुलासा: न्यायाधीश

न्यूयॉर्क। कैम्ब्रिज एनालिटिका डेटा घोटाले के मद्देनजर जांच के आदेश के तहत एक अमेरिकी जज ने फेसबुक को उन हजारों एप के आंकड़ों को सौंपने का निर्देश दिया है, जिसने करीब 8.7 करोड़ उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता का उल्लंघन किया है। फेसबुक ने पिछले साल स्वीकारा था कि उसने संभावित गोपनीयता के इस उल्लंघन के लिए कई एपों को निलंबित कर दिया है। वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि मैसाचुसेट्स के एक न्यायाधीश ने राज्य जांचकर्ताओं से प्रमुख जानकारियों को दबाने के इस सोशल नेटवर्किंग साइट के प्रयासों को खारिज कर दिया है।

बधिर व्यक्ति ने सबटाइटल नहीं होने पर पॉर्न वेबसाइटों पर मुकदमा किया

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क मे रहने वाले एक बधिर व्यक्ति ने तीन पॉर्न वेबसाइटो के खिलाफ वर्ग भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। व्यक्ति ने अपनी अर्जी मे कहा है कि सबटाइटल के बिना वह वेबसाइटो पर उपलब्ध सामग्री का पूरा-पूरा लुत्फ नही उठा पाता है। ब्रुक्लीन फेडरल कोर्ट मे गुरुवार को दी गई अर्जी मे यारोस्लाव सुरिज ने पॉर्नहब, रेडट्यूब और यूपॉर्न तथा उसके कनाडाई मुख्य कंपनी माइंडगीक के खिलाफ मुकदमा दायर कर कहा है कि वे अमेरिकंस विद डिसैबिलिटी एक्ट (विकलांग अमेरिकी कानून) का उल्लंघन कर रहे है। इससे पहले भी सुरिज इसी बात को लेकर फॉक्स न्यूज के खिलाफ मुकदमा कर चुके है। उन्होने कहा था कि वह अक्टूबर और इस महीने कुछ वीडियो देखना चाहते थे।

ओलंपिया, वाश में वाशिंगटन कैपिटल की सीढ़ियों पर रैली करते गन-राइट समर्थक

अमेरिका में एक घर में गोलीबारी में चार की मौत: पुलिस

लॉस एंजिलिस (एएफपी)। अमेरिका के उटाह प्रांत में शुक्रवार रात एक घर में हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। पुलिस और मीडिया ने यह जानकारी दी। यह हमला राज्य की राजधानी साल्ट लेक सिटी के बाहरी इलाके में स्थित छोटे से शहर ग्रांट्सविले में हुआ। ग्रांट्सविले की पुलिस अधिकारी रेंडा फील्ड्स ने कहा कि अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, उन्होंने निवास को खाली करा दिया और चारों मृतक का पता लगाया। फील्ड्स ने कहा कि पुलिस उनके रिश्तेदारों को सूचित कर रही है और पांचवें पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उटाह के गवर्नर गैरी हर्बर्ट ने ट्विटर पर कहा, आज रात ग्रांट्सविले से आई भयानक खबर से हमारा दिल टूट गया है।

चीन के वायरस से सैंकड़ों लोगों के प्रभावित होने की आशंका: अनुसंधानकर्ता

एएफपी। लंदन

चीन में अज्ञात वायरस से आधिकारिक तौर पर सैंकड़ों लोगों के प्रभावित होने की आशंका है। इस वायरस से दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह वायरस एसएआरएस (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) से मिलता जुलता है। चीन के अधिकारियों ने बताया था कि इस वायरस से देश में 41 लोग प्रभावित हैं। वुहान में एक सीफूड बाजार इस वायरस का केंद्र है।

लंदन के इम्पेरियल कॉलेज के वैज्ञानिकों ने एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इंफेक्शियस डिसीज एनालिसिस के साथ मिलकर शुक्रवार को एक अनुसंधान पत्र प्रकाशित किया, जिसमें कहा गया है कि इस वायरस से प्रभावित लोगों की संख्या सैंकड़ों तक हो सकती है।केंद्र के वैज्ञानिकों ने कहा कि उन्होंने अनुमान लगाया है कि वुहान में 12 जनवरी तक वायरस से प्रभावित लोगों की संख्या 1,723 तक हो सकती है। अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि चीन के अलावा दो मामले थाईलैंड में और एक मामला जापान में सामने आया है। इस शोध में शामिल प्रोफेसर नील फर्गुसन ने बीबीसी को बताया कि वुहान से तीन मामले विदेशों में रिपोर्ट किए गए हैं जिसका मतलब है कि रिपोर्ट किए गए आंकड़ें की तुलना में और अधिक मामले हो सकते हैं।

● एक सीफूड बाजार इस वायरस का केंद्र है

बारिश ने बुझाई पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में जंगलों में लगी आग

सिडनी (एफपी)। बारिश और आंधी तूफान ने पूर्वी आस्ट्रेलिया के जंगलों में लंबे समय से लगी आग को काफी हद तक बुझा दिया है लेकिन इससे कुछ क्षेत्रों में बाढ़ आने की आशंका पैदा हो गई है। देश के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व के क्षेत्रों के जंगलों में भीषण आग का प्रकोप जारी है क्योंकि यहां अब तक बारिश नहीं हुई है। इसमें दक्षिणी तट के कंगारू द्वीप पर स्थित वन्यजीव-बहुल वन भी शामिल हैं। संकट की मार झेलने वाले देश के सबसे अधिक आबादी वाले न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की दमकल सेवा ने कहा कि 75 जगहों पर शनिवार को भी आग जलती रही, जबकि कुछ दिन पहले तक यह संख्या 100 से अधिक थी। बारिश और तापमान कम होने से बनी अनुकूल स्थिति शेष स्थानों पर लगी आग को नियंत्रित करने के प्रयासों में मदद दे रही है।

कुरैशी से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री पोम्पियो

● अफगान शांति के लिए पाकिस्तानी प्रयासों को सराहा

एएफपी। वाशिंगटन

अमेरिका के दौरे पर आए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो से यहां मुलाकात की, जिस दौरान पोम्पियो ने अफगान संघर्ष को हल करने में मदद करने के लिए एक राजनीतिक और शांतिपूर्ण समाधान के लिए इस्लामाबाद के प्रयासों की सराहना की।

कुरैशी अमेरिका-ईरान तनाव को कम करने के उद्देश्य से अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने निर्देश दिया है। द न्यूज इंटरनेशनल के मुताबिक, अफगान शांति प्रक्रिया के अलावा, कुरैशी और पोम्पियो ने शुक्रवार को पाकिस्तान-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से संबंधित मामलों पर भी

चर्चा की। कुरैशी जिन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद भी अमेरिका से अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में लगे रहने का आग्रह किया था, ने शीर्ष अमेरिकी राजनयिक को बताया कि पाकिस्तान अफगान संघर्ष के राजनीतिक समाधान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगा।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान ईमानदारी के साथ अफगान शांति प्रक्रिया के लिए इस संयुक्त जिम्मेदारी को पूरा कर रहा है।

हिमालय श्रेणी में हिमस्खलन में लापता हुए सात लोगों में चार कोरियाई नागरिक

एएफपी। काठमांडू

नेपाल के अन्नपूर्णा क्षेत्र में हुए हिस्खलन में चार दक्षिण कोरियाई नागरिकों सहित कम से कम सात लोग लापता हो गए हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को हुई बर्फबारी के कारण हिमालय श्रेणी की सबसे ऊंची चोटियों में से एक अन्नपूर्णा के आधार शिविर के पास यह हादसा हुआ। आधार शिविर करीब 3,230 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

नेपाल के पर्यटन विभाग की मीरा धकल ने बताया, हमें सूचना मिली है हादसे के चार दक्षिण कोरियाई और तीन नेपाली नागरिकों से संपर्क टूट गया है। कल रात एक बचाव दल को रवाना किया गया है। स्थानीय पुलिस प्रमुख दान बहादुर कार्की ने बताया कि खराब मौसम के कारण बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। कार्की ने कहा, टीम पहुंचने वाली है। हमने एक हेलीकॉप्टर भी तैयार रखा है, जैसे ही मौसम सही होगा, हम उड़ान भरेंगे। अन्नपूर्णा में हिमस्खलन होना आम बात है और तकनीकी तौर पर इस चोटी पर चढ़ाई करना सबसे मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट के मुकाबले इसपर चढ़ाई करने वालों के मरने की संख्या बहुत ज्यादा है।

दक्षिण कोरिया के शिक्षा विभाग ने बताया कि हादसे में लापता हुए चारों नागरिक वॉलेंटियर शिक्षक थे और नेपाल में बच्चों को पढ़ा रहे थे।दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि लापता हुए लोगों के परिजन को सूचित कर दिया गया है। जल्दी ही एक आपात टीम को नेपाल भेजा जाएगा।

शीतकालीन तूफान की वजह से कई घंटे तक शिकागो हवाईअड्डे पर बंद रही विमानों की आवाजाही

शिकागो (एपी)। संघीय उड्डयन प्रशासन ने शुक्रवार को शीतकालीन तूफान को देखते हुए शिकागो के ओ हारे हवाईअड्डे पर आने वाली और यहां से रवाना होने वाली उड़ानों पर कई घंटों के लिए रोक लगा दी। इस तूफान की वजह से मिडवेस्ट के बड़े हिस्से में स्कूल, विश्वविद्यालय और सरकारी कार्यालयों को बंद कर दिया गया। हालांकि शुक्रवार को रात नौ बजकर 45 मिनट पर आवागमन बहाल किया लेकिन तब तक सैंकड़ों उड़ानें रद्द हो चुकी थीं।

ओ हारे देश के व्यस्ततम हवाईअड्डों में से एक है। शुक्रवार को डेल्टा एयरलाइन का एक विमान कंसास सिटी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर बर्फ की वजह से फिसल गया था। इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

इराक में सरकार विरोधी प्रदर्शन में दो लोगों की मौत, 20 घायल

एपी। बगदाद

इराक की राजधानी बगदाद में सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। कई सप्ताह तक प्रदर्शन बंद रहने के बाद विरोध की यह ताजा घटना है।

कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने बताया कि दंगा रोधी बल ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और तेज आवाज पैदा करने वाला बम फेंका। प्रदर्शनकारी सिनाक पुल पर थे और वे सीमेंट की दीवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इस सीमेंट वाली दीवार को सुरक्षाबलों ने बनाया था।

तीन कार्यकर्ताओं और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 घायल हो गए। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि प्रदर्शनकारी बड़े बदलाव, नया नेतृत्व और समय से पूर्व चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

बगदाद हवाई अड्डे के बाहर अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष जनरल की मौत के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया था जिसके बाद ए प्रदर्शन रूक गए थे लेकिन कुछ समय की शांति के बाद प्रदर्शन फिर से शुरू हो गया।

पायनियर
रविवार, 19 जनवरी, 2020
एजेण्डा

जरूरी है ऐसी चीज में पूर्ण निष्ठा से विश्वास करना, जिससे आप कभी भी निरुत्साहित न हों
-सलमा हयाक

दुनिया को देखना-समझना सिखातीं बाल फिल्में

हाल ही में राजधानी दिल्ली के स्कूलों की मेजबानी में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन हुआ । जिसमें चालीस से अधिक देशों के छात्रों व उनके परिजनों ने भागीदारी की। समारोह की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करती शालिनी सक्सेना

दो मिनट की संवादमुक्त फ्रेंच फिल्म: माएस्ट्रो का दृश्य, तथा नीचे: टीम आईकेएफएफ

यदि कोई सोचता है कि फिल्म समारोह केवल उनके लिए होते है जो गंभीर सिनेमा देखने वाले हैं तो वे अब ज्यादा उचित सोच रखने वाले नहीं माने जा सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह के तीसरे संस्करण एक अनोखा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह है जिसे दुनिया भर के स्कूलों की मेजबानी हासिल हुई है।

इस साल, भारत, संयुक्त अरब अमीरात, इंगलैंड, फ्रांस, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, और सऊदी अरबिया ऐसे कुछ देशों में रहे जिन्होंने समारोह में हिस्सा लिया। इस समारोह का उद्देश्य था- छात्रों को कुछ सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्में देखने का अवसर प्रदान करना। इस समारोह को आयोजित करने की वजह दो नजरियों से थी।

एमडी एंड चीफ लर्नर एट एलएक्सएल आइडिया के सैय्यद सुल्तान अहमद कहते हैं, ''पहला कारण यह कि साक्षरता पढ़ने और लिखने की ओर अग्रसर करती है। लेकिन ज्यादा कंटेंट आडियो-विजुअल पद्धति में रचा व स्वीकारा जा रहा है। बच्चे उतना ज्यादा पढ़ने व लिखने नहीं जा रहे हैं जितना कि हम पढ़ते व लिखते थे। मेरे लिए बच्चों को अच्छे कंटेंट से परिचित कराना उन्हें शिक्षित करने का मूलाधार है। फिल्म समारोह बच्चों के लिए एक अवसर है जिसमें वह कुछ शानदार फिल्में देख सकते हैं। हमारे पास 35 देशों से 25 भाषाओं में फिल्में आई थीं। हमारे द्वारा आठ सौ फिल्मों में से लगभग 100 फिल्मों का चयन किया गया।''

दूसरे पहलू की चर्चा करते हुए वह बताते हैं कि वो था बच्चों को दुनिया के बारे में बताना। विश्व विस्थापन सबसे बड़े बदलावों में से एक रहा है। हम बच्चों को किस प्रकार इसके लिए तैयार करते हैं? अहमद बताते हैं, ''हमें उन्हें विश्व समस्याओं, संस्कृतियों व भाषाओं से परिचित करना पड़ेगा।''

अहमद कहते हैं, ''दुखद यह कि, बच्चे जिस प्रकार की फिल्में देख रहे हैं, वे व्यवसायिक कंटेंट वाली हैं। अच्छी बाल फिल्में फिल्म समारोह में उपलब्ध है। यहां, हम समारोह को बच्चों तक ले जा रहे हैं- कर्नाटक, तेलंगाना, आसाम व आंध्रप्रदेश में 9000 स्कूलों में से 7500 स्कूल सरकारी स्कूल हैं। हमारा मूल मकसद है, उन्हें अच्छा सिनेमा दिखाना।''

दो महीने के वैश्विक आयोजन में फिल्में दिखाना, फिल्म निर्माण संबंधी मास्टर क्लासेस आयोजित करना तथा उन्हें विश्व की सबसे बड़ी छात्र फिल्म निर्माण प्रतियोगिता का हिस्सा बनाना शामिल था, यह एक शिक्षण प्रक्रिया भी है।

कुछ फिल्में जो समारोह में दिखाई गयीं उनमें प्रमुख थीं माएस्ट्रो, कप आफ टी, थ्री फीट, ए डे इन द पार्क, डॉग गान तथा एथलेटिकस जिम कीपर। फिल्मों को आयु के आधार पर विभाजित किया गया था: ये विभाजित आयु श्रेणियां थीं- दो से पांच वर्ष की श्रेणी, छह से आठ की श्रेणी, नौ से 11 की श्रेणी, 12-14 श्रेणी तथा 15 से 17 की विभाजन श्रेणी।

''पारंपरिक रूप से, साक्षरता का अर्थ है - पढ़ने और लिखने की हमारी योग्यता क्योंकि सारा ज्ञान किताबों में था, मगर आज की पर्दे की दुनिया में, साक्षरता की एक नयी परिभाषा है- पढ़ना, लिखना और रचना। आज बड़ी चुनौती यह है कि दुनिया भर के बच्चों को फिल्मों व विषयवस्तु के अत्यंत निम्न मानकों से परिचित कराया गया है। सर्वश्रेष्ठ फिल्में, जो बच्चों के लिए बनाई जा रही हैं, वे बच्चों को आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। हमारे बच्चों को अच्छी फिल्मों, वास्तविक विश्व समस्याओं, संस्कृतियों व कहानियां से परिचित कराने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है।'' अहमद ने स्कूल सिनेमा के सृजन तथा इस फिल्म समारोह के जरिए फिल्म शिक्षाशास्त्र की अवधारणा प्रस्तुत की है।

वह मानते हैं कि यह फिल्म समारोह बच्चों के लिए अपने स्कूलों में ही सर्वश्रेष्ठ विश्व सिनेमा देखने का, फिल्म निर्माण की कला सीखने का, तथा फिल्म बनाने तथा विश्व की सबसे बड़ी छात्र फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में भाग लेने का एक बहुत बड़ा अवसर है। द स्कूल सिनेमा एप छात्रों व उनके परिवारों को उनके अपने घरों में विश्व सिनेमा देखने का अवसर प्रदान करता है।

यह दुखद है कि बच्चे जिस प्रकार की फिल्में देख रहे हैं, वे व्यवसायिक कंटेंट वाली हैं। यह फिल्म समारोह बच्चों के लिए अपने स्कूलों में ही सर्वश्रेष्ठ विश्व सिनेमा देखने का, फिल्म निर्माण की कला सीखने का, तथा फिल्म बनाने तथा विश्व की सबसे बड़ी छात्र फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में भाग लेने का एक बहुत बड़ा अवसर है।

- सुल्तान अहमद खान

>> पेज 3

अर्थपूर्ण बाल क्षेत्र

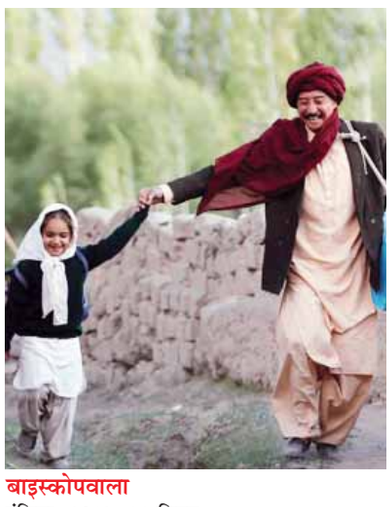

बाइस्कोपवाला
इंडिया: 2018: 91 मिनट
निर्देशक: देब मेधेकर
यह अफगानिस्तान के काबुल के व्यक्ति, रहमत खान की कहानी है जो अपने बाइस्कोप के जरिए बच्चों को फिल्में दिखाया करते थे। भारत आने के बाद, रहमत की मिनी नामक एक नन्हीं लड़की से दोस्ती हो जाती है जो रहमत की अपनी बेटी की उम्र के बराबर है।

माई ग्रेंडपा इज एक एलियन
क्रोएशिया: 2019: 79 मिनट
निर्देशक: ड्रेजन ज़ारकोविक, मेरिना आंद्री स्कोप
ऊना नाम की नन्हीं लड़की का जीवन उलट पुलट जाता है जब उसके दादा को एलियंस द्वारा बंधक बना लिया जाता है। अपने घर की बेसमेंट में वह संयोगवश पता लगाती है कि उसके दादा खुद एक एलियन हैं जिनका जहाज काफी समय पहले धरती पर गिर गया था। उनका पायलट, एक गुस्सैल नन्हा रोबोट, भी यहां पर रह गया था। दोनों के पास दादा का पता लगाने और उन्हें बचाने के लिए 24 से भी कम घंटे होते हैं।

अमू
इंडिया: 2017: 30 मिनट
निर्देशक: अक्टा पंवर
यह फिल्म जो पांच वर्षीय लड़की के जीवन का पता लगाती है जब वह अपनी मां के साथ अपने शहर को छोड़कर राजस्थान के एक छोटे कस्बे में अपनी दादी के पैतृक घर में रहने आ जाती है। उसका एकमात्र पलायन उसकी काल्पनिक दोस्त सीमा है। यह ऐसी फिल्म है जो बच्ची की अपने इर्दगिर्द वयस्क संबंधों के तनाव से घिरी कल्पना की तह में जाती है।

एपल्स एंड ओरेंजेस
इंडिया: 2018: 23 मिनट
निर्देशक: रुख्साना तबस्सुम
फलों से भरपूर इस अद्भुत देश में, लोग बंटे हुए हैं- जो इस दुनिया से ज्यादा अलग नहीं है जिसमें कि हम रहते हैं। इस धरती में, जहां के लोग, जो सेब खाते हैं, उन लोगों से , जो संतरे खाते हैं, से संबंध नहीं रखते हैं। टुलिप और डेज़ी दोस्त बन जाते हैं। उनकी दोस्ती में जल्द खटास आ जाती है जब उन्हें पता चलता है कि उनमें से एक एपल है और दूसरा आरेंज। क्या उनकी दोस्त बच पाती है?

ए सेलीब्रेशन
कनाडा: 2019: 11 मिनट
निर्देशक: माह्सा रज़ावी
टोरेंटो में अपनी मां के साथ रहने वाली 8 वर्षीया अदा से संबंधित एक संक्षिप्त ड्रामा, जब वे दोनों समस्या से बाहर निकलने की कोशिश करती हैं और इसमें कामयाबी पाती हैं। अदा अपनी नयी अप्रवासी मां को मनाने की कोशिश करती हैं कि टर्की को पकाकर शुकराना उत्सव मनाया जाए। हालांकि जैसे ही अदा सच्चे कनाडावासी के रूप में शुकराना उत्सव मनाने की तैयारी करती है कि उसे पता चल जाता है कि एक आप्रवासी परिवार के लिए इसका क्या अर्थ होता है।

एक फील्ड गाइड टू बीइंग अ 2 ईयर ओल्ड गर्ल
आस्ट्रेलिया: 2017: 20 मिनट
निर्देशक : टिल्डा कोभम- हेर्वे
यह फिल्म 12 साल की लड़कियों के बारे में है, जिसे 12 साल की लड़कियों ने , 12 साल की लड़कियों के लिए या हर उस लड़की के लिए बनाया है , जो 12 साल की हुई है या फिर वह 12 साल की होगी या फिर चाहती हैं कि वे 12 साल की लड़की होतीं।

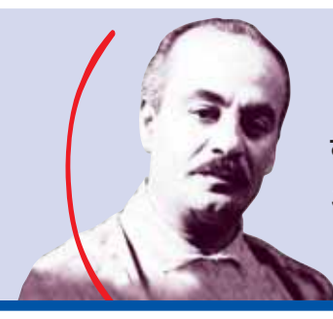

सपनों में विश्वास करो, क्योंकि इनमें अनंतता का द्वार है
- खलील जिब्रान

आपका आश्रय क्या है?

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि यदि हम ईश्वर की शरण लेंगे, तो हम कभी भी अपने निवास स्थान समेत, अपनी मूल आवश्यकताओं से वंचित नहीं होंगे

आम आदमी के लिए शरण शब्द का आमतौर पर अर्थ है रहने या टिकने का स्थान हासिल होना, जिसे मूल मानव आवश्यकता माना जाता है। फिर, एक दार्शनिक अर्थ भी होता है, जो निर्भरता है- जीवित रहने या सफल होने के लिए किसी व्यक्ति या किसी के सहयोग व सहायता की आवश्यकता की स्थिति। उदाहरण के लिए, एक भक्त ईश्वर की शरण लेता है, जैसाकि शांति व परम सुख हासिल करने के लिए गीता में उसे बताया गया है (18.62)।

मैं शरण के भौतिक पहलू से शुरुआत करता हूं, जो कि, जहां हम आमतौर पर रहते हैं- हमारे घर। क्या वह सचमुच आपका आसरा है? फिर क्यों आप अस्पताल में शरण लेने के लिए मजबूर होते हैं जब आप बीमार होते हैं? क्योंकि आपका साधारण आवास आपकी सच्ची शरण नहीं है। यह अधिक से अधिक एक अस्थायी शरण है। क्या हम अपने जीवन में अपने निवास स्थलों को बदलते नहीं हैं? क्या हम कुछ समय के लिए होटलों में रहने या टिकने नहीं जाते हैं? वास्तविकता यह है कि हम जिसे अपने घर या आश्रयों के रूप में पहचानते हैं वो हमें हमारे कर्मफलों के अनुसार दिए गए हैं। एक दिलचस्प उदाहरण में, एक व्यक्ति को एक विशाल बंगलें में रहना सुनिश्चित किया गया जैसा कि उसके ज्योतिषी ने भविष्यवाणी की थी और वह आजीवन वहीं रहा।

आइए इसे एक ऐसे व्यक्ति के उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं जिसकी कुछ समय पहले मृत्यु हुई थी। कल्पना करें कि आत्मा किसी और काया में अपने पहले के स्थान की ओर लौट आती है, वो इमारत, जो उसे पहले हासिल थी, उस समय भी मौजूद रहती है। तो क्या उसे संपत्ति का पुन: दावा करने का अधिकार होगा? नहीं, क्योंकि आत्मा

संपत्ति की स्वामी नहीं होती है, उसे उसके कर्मफल, अच्छे व बुरे दोनों, के अनुसार अस्थायी रूप से यह सुविधा हासिल हुई थी, और यह उसकी पूर्व कार्या से संबंधित थी, उसकी पूर्व कार्या से संबंधित कुछ भी शेष नहीं रहता है। उसे एक अन्य काया प्राप्त होती है, जिसका उसकी पूर्व काया से कोई संबंध नहीं होता है। पूर्व में जो संपत्ति उसने हासिल की थी वो किसी अन्य आत्मा या आत्माओं को प्राप्त हो जाती है और उसका उस पर कोई अधिकार नहीं रह जाता है।

फिर हमारा स्थायी आश्रय क्या है? लेकिन इससे पहले कि मैं इस प्रश्न का उत्तर दूं, मैं विभिन्न प्रकार के आश्रयों की भी चर्चा करना चाहूंगा, आवासों की नहीं, जिनकी हम तलाश करते हैं। सबसे आम आश्रय है धन। हमें लगता है कि जब हमारे पास पर्याप्त मात्रा में धन होता है तो हम ठीक हैं। क्या यह सच है? यदि ऐसा होता, तो क्यों कुछ अमीर लोग अपना घर छोड़ देते हैं और किसी आश्रम में शरण तलाशते हैं? क्योंकि अपनी आवश्यकता के लिए पर्याप्त धन होना बहुत अच्छा है लेकिन वह आपकी सच्ची शरण नहीं है। यही बात सत्ता के लिए भी सच है और तब क्या होता है जब वो सत्ता, यदि हासिल हो गयी, आपसे छीन ली जाती है और आप बर्बाद हो जाते हैं। प्रसिद्धि भी अनेक लोगों की एक और इच्छित शरण है। यह स्पष्ट पूर्वानुमानित भविष्य न होने के कारण खोखली साबित होती है। सुंदरता के , बतौर आश्रय, ढल जाने की भी एक सुनिश्चित अवधि है।

अब हम अपनी उस सच्ची शरण की पहचान करने के लिए तैयार हैं जिसे अनेक संयासी व महान व्यक्ति अपनाते हैं। वे अपना घर छोड़ देते हैं और पूरी तरह ईश्वर पर आश्रित हो जाते हैं। ईश्वर क्या करता है? वह उनके समस्त जीवन में दिन पर दिन उन्हें शरण प्रदान करता है। यह आश्चर्य नहीं है कि ऐसे संयासी कभी भी उन घरों में वापस लौटकर नहीं आए जिसे वे पीछे छोड़ कर गए थे। यदि ऐसा नहीं होता तो कोई भी व्यक्ति कभी संयासी बनने का फैसला नहीं करेगा, और आश्रम व्यवस्था विफल हो जाएगी। अभी तक ऐसा नहीं हुआ है और भविष्य में भी कभी नहीं होगा क्योंक यह ईश्वर की रचना है, और वह सुनिश्चित करता है कि जिसका वह सृजन करता है, वो कायम रहे। तथ्यगत रूप में, जिन्होंने ईश्वर के प्रति समर्पण किया, वे कभी भी इंसान की इस मूल आवश्यकता से वंचित नहीं होते हैं। ऐसे व्यक्तियों के लिए समूची कायनात उपलब्ध होती है। ईश्वर सुनिश्चित करता है कि उनकी हमेशा देखभाल हो, भले ही वे कहीं भी हों। इसीलिए, आइए ईश्वर की शरण लें, उसके आदेशों पर चलें। हम कभी भी, निवास स्थान समेत, अपनी मूल आवश्यकताओं से वंचित नहीं होंगे। बल्कि जो लोग ईश्वर से जुड़े होते हैं, उनके पास , विजय, संपत्ति व नैतिक सिद्धांतों का भंडार होता है। अब चुनाव आपका है।

2020 : आप और आपका धन

ज्योतिषी, एवं हस्तरेखा शास्त्री, आचार्य प्रवीन चौहान आगामी वर्ष के लिए वित्तीय भविष्यवाणियां करते हैं कि इस नये साल में आपके लिए क्या संभावित है

मेष: आप इस अवधि के दौरान न केवल सभी बाधाओं से पार पाएंगे बल्कि आपकी प्रखर योग्यता आपको अपेक्षित सफलता हासिल करने में सक्षम भी बनाएगी। व्यक्ति दिनचर्या तनावमुक्त रखने की सलाह है। सफल विदेशी व्यवसायिक यात्राएं तथा नए वित्तीय संबंध बनने की संभावनाएं हैं।

वृष: यह आप सबके लिए नया व्यवसाय शुरू करने का सर्वाधिक शुभ समय है- उस नए व्यवसाय को जिसकी आपने लंबे समय से योजना बनाई है। सालों से बनाए गए संबंध, दुनिया पर राज करने में आपकी सहायता करेंगे। इसी प्रकार, आप भी अपने संसाधनों से परे जाकर भी दूसरों के लिए व उनकी सहायता करने का प्रयास करेंगे।

मिथुन: सितारे भविष्यवाणी करते हैं कि आप बड़ी सफलता पाने वाले हैं, खास तौर पर, वे लोग जो ई बिजनेस या साफ्टवेयर व मल्टीमीडिया से संबंधित क्षेत्र में हैं। अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ प्रतिस्पर्धा की आपकी सोच फलित नहीं हो सकती लेकिन आपकी अपनी स्वतंत्र सोच आपको कामयाबियां दिलाएगी। वंचितों के प्रति करुणा आपको देवताओं का आर्शीवाद दिलाएगी।

कर्क: आपके व्यापार साल 2020 के उत्तरार्द्ध में अप्रत्याशित बुलंदियों हासिल कराएंगे। जैसा कि कहावत है: बिना कड़ी मेहनत के कुछ भी हासिल नहीं होता है। जैसे जैसे वर्ष बीतेगा, राशिधारक अपने उद्यम में उल्लेखनीय प्रगति देखेंगे। राशिफल सभी नव उद्यमियों व स्टार्ट अप उद्यमियों के लिए जबरदस्त सफलता की भविष्यवाणी करता है।

सिंह: सितारों के मुताबिक आप नए साझा उद्यम की शुरुआत कर सकते हैं। उनका यह भी पूर्वानुमान है कि परियोजना शायद अपेक्षानुरूप शुरू न हों। लेकिन साल 2020 में आपके लिए मेरी भविष्यवाणी यह

आचार्य प्रवीण चौहान

है कि भविष्य आपके अनुकूल है। हालांकि सफलता शुरुआत में अस्थिर नजर आ सकती है, मगर साल के अंत तक चीजें अनुकूल रूप में नजर आने लगेंगी। निवेशकों के लिए, सजग बरतना अपरिहार्य है।

कन्या: सितारों का कहना है कि सभी साझा उद्यम आरंभ किए जाएंगे। बस आगे बढ़ें और पहल करें। सजगता फिर भी बरतें। अपने चिर जिज्ञासु व शंकाल स्वभाव को अपनी आत्मा पर छाने न दें और अपनी खुद की उत्कृष्ट पहल करें। अपने धन की समझदारीपूर्वक योजना बनाएं।

तुला: आपके लिए साझीदारियां नहीं बनी हैं। आप चाहेंगे तो उससे आगे जाएंगे लेकिन सावधान रहें कि लालची न हो जाएं। मौजूदा साझीदारियों में भी, तार्किक होने का प्रयास करें। साल के दौरान लाभ में ऊंच नीच होने को लेकर परेशान न हों। बेहतर है, नए उपक्रमों पर ध्यान दें। वैयक्तिक तुष्टि के लिए साल को समर्पित करना बेहतर होगा।

वृश्चिक: यह अपने स्वप्निल व्यवसाय की ओर कदम बढ़ाने का अच्छा समय है। आसान रास्ता न तलाशें, पूरी गंभीरता के साथ उस दिशा में कदम बढ़ाएं। काम की खुशी आपकी सफलता का मंत्र होगा।

धनु: यह आप पर निर्भर है कि आप किस चीज को सर्वाधिक महत्व देते हैं। आप जो कुछ भी चुनें- काम, सफलता, कृतज्ञता, संतुष्टि, संबंध या वित्तीय सफलता- बस यह सुनिश्चित करें कि उसके प्रति सनकपन का शिकार न हो जाएं। जीवन व सफलता आपके व्यक्तिगत जुनून पर निर्भर नहीं है। जीवन के नियमों का पालन करें।

मकर: गृहीय संयोजन कहता है कि आप साल 2020 में विभिन्न माध्यमों में, बहुआयामी दायरों में अपने प्रयासों को विस्तारित करेंगे। आप दुनिया की चोटी पर हो सकते हैं लेकिन व्यक्तिगत संबंध आपके दुख की वजह बन सकते हैं, यहां तक आपके उत्साह पर चोट पहुंचा सकते हैं। सावधान रहें, आप अनेक अवसरों से घिर सकते हैं। किन्हीं भी व्यवसासिक प्रलोभनों के संजाल में दूर रहें।

कुम्भ: अतीत में हासिल हुई विफलताओं से दुखी न हों। आपके सभी फैसले समझदारी भरे होंगे। आप चापलूसी भरी प्रशंसा से बहक जाते हैं जो कभी भी सकारात्मक सोच नहीं है। अच्छा समय आने वाला है, आपके साझा उद्यम आपके काम आएंगे, चाहे वो सामाजिक जीवन हो या वित्तीय जीवन।

मीन: खुद पर भरोसा रखते हैं और परिस्थितियों के भुलावे में नहीं आते हैं जैसा कि सितारे संकेत करते दिखते हैं। आप पुरजोर वापसी करेंगे और साल के उत्तरार्द्ध में राज करेंगे। आपने भावनात्मक स्वास्थ्य तथा अपनी व्यक्तिगत छवि का खयाल रखें।

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

उतार-चढ़ाव से घिरा है - 2020

अब जैसा कि नव वर्ष समारोहों का उत्साह समाप्त होने को है, यह समय है कि उस इच्छा सूची पर विचार किया जाए जिसे आप जैसे कइयों ने बनाया होगा। हालांकि, कुछ भी किसी की मर्जी के मुताबिक नहीं चलता। याद रखें, हम एक जटिल दुनिया में रहते हैं जहां हर व्यक्ति अनोखा जन्मा है, प्रत्येक के अपने विविध मानसिक रुझान होते हैं। ऐसी संरचना में, कोई भी पहलकदमी चुनौतियों का सामना किए बगैर नहीं रह सकती- चाहे वो स्वयं की मानसिक अस्थिरता संबंधी कारकों से उत्पन्न हों या प्रतिस्पर्धीक हितों व विपरीत शक्तियों द्वारा प्रस्तुत हों।

इन सभी कठिनाइयों से लड़कर, हम फिर भी अपने मिशन में कामयाब हो सकते हैं, यदि हम अपनी गुणात्मक श्रेष्ठता का उपयोग करते हैं। जो हालांकि, तभी संभव होगा, यदि हम अपने मन की सुनते हैं, जिसके अनुपालन से हमारा परम सशक्तकारी उपकरण बुद्धि- विशिष्ट बौद्धिक क्षमता- सक्रिय अवस्था में बनी रहेगी। जो आपको असंभव लक्ष्यों को चुनना व छोड़ना, उचित राह चुनना, अपने कार्यों का बेहतर आंकलन करना, तथा राह में आने वाली चुनौतियों का समझदारीपूर्वक सामना करना सिखाएगी। फिर भी, कुछ भी अपेक्षानुसार नहीं घटित होगा यदि कभी परिस्थितिगत हालात प्रतिकूल रहते हैं।

इसीलिए आइए, उस संभावित क्रम के ज्योतिष संकेतों पर नजर डालते हैं, जिनसे राष्ट्र के मौजूदा वर्ष में होकर गुजरने की संभावना है। सचेतन रूप से, इस रूप में कि हम व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से तैयार हैं। पहला संकेतक होगा 2019 की विरासत जो हमने आगे बढ़ाई है, जो 26 दिसंबर को हुए सूर्यग्रहण का नतीजा हो सकती है। क्योंकि, ग्रहण तालिका ब्रहमांड के ऊर्जा आयामों में प्रमुख बदलाव को दर्शाती है जो इन नतीजों से संबंधित है कि किस प्रकार सामूहिक रूप से देश के आगे बढ़ने की संभावना है।

यह ग्रहण प्रचंड राशि धनु में हो रहा है, जो संयोगवश भारत की स्वतंत्रता तालिका के आठवें घर में हैं, जो मृत्यु एवं गंभीर कठिनाइयों का परिचायक है। ग्रहण के समय पर धनुराशि में सात ग्रहों- राहु, बुध, सूर्य, चन्द्रमा, बृहस्पति, केतु, शनि एवं प्लूटो की उपस्थिति है, जिनमें से अंतिम दो ग्रह मृत्यु के स्वाभाविक परिचायक ग्रह हैं। यह विशिष्ट गृहीय संयोजन अग्नि कांडों के कारण सामूहिक मौत की घटनाओं की वृद्धि की संभावनाएं दिखाता है। साथ ही, लोगों का असंतोष व आक्रोश स्थितियां बिगाड़ सकता है। बृहस्पति का केतु के साथ होना, संयोगवश भारत की स्वतंत्रता तालिका में मंगल के विपरीत होना, सांप्रदायिक विभाजन के गहराने की संभावना इंगित करता है। ग्रहण राशि में बुध की उपस्थिति को इसके साथ मिलाकर देखना दर्शाता है कि ऐसे नीतिगत फैसले,जो संदेह की भावना पैदा करेंगे,

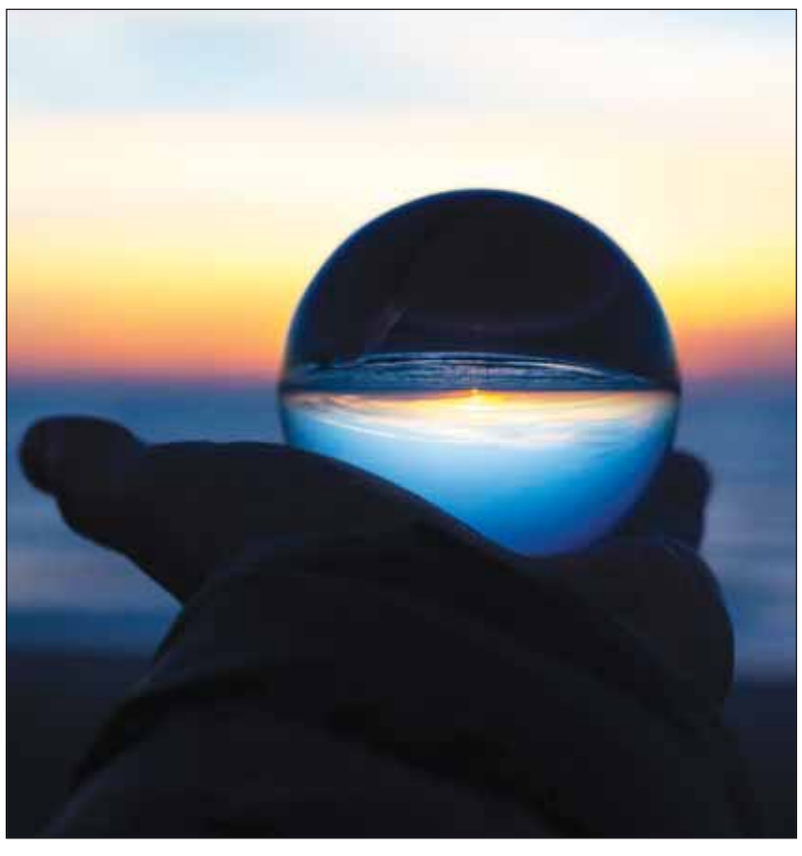

सहमति की ओर ले जाएंगे। साथ ही, अज्ञानियों को बोलबाला और बुद्धिजीवियों का उत्पीड़न हो सकता है। ये सब तो दिख भी रहा है। धनु का युद्ध राशि होना सीमा पर गंभीर सुरक्षा चिंताएं बढ़ाता है। अनेक प्रतिष्ठित लोग दुनिया छोड़कर जा सकते हैं। दूसरा ध्यान में रखने वाला संकेतक है आगामी गृहीय संयोजन। मार्च अंत तथा अप्रेल आरंभ में, मंगल का बृहस्पति व शनि के साथ सहयोग बनेगा, जो सांप्रदायिक तनाव तथा लगभग युद्ध जैसी स्थिति की संभावना को बढ़ाता है।

अगला संकेतक है 21 जून, 2020 को होने वाला कुंडलाकार सूर्य ग्रहण। यह ग्रहण तालिका के चौथी- दसवीं धुरी पर घटित हो रहा है। यह सरकार के, अपनी नीतियों के खामियाजों को आंकलन करने की उनकी विफलता के कारण, उनकी प्रतिष्ठा घटने का संकेत करता है, जो बुध की पतनशील उपस्थिति से दर्शाएगा। भारत की स्वतंत्रता तालिका में चन्द्रमा की शनि के विपरीत स्थिति जन असंतोष को दर्शाती है। इसके बाद नवंबर मे, शनि और बृहस्पति दोनों भारत की स्वाभाविक परिचायक राशि, मकर राशि के साथ समन्वय में होंगे। महान परिवर्तन के रूप में ऐसे संयोजन बीस वर्षों के अंतराल पर होते है जो देश की राजनीति व संभावित सामाजिक आयामों में प्रमुख बदलावों की ओर इशारा करने वाले होते हैं।

शनि का 24 जनवरी को मकर राशि की ओर बढ़ना, अपने आप में गंभीर समस्याओं की शुरुआत दर्शाने के लिए पर्याप्त है। क्योंकि, राष्ट्र की स्वतंत्रता तालिका के उत्तराधिकार में यह चन्द्रमा, बुध, वीनस, शनि व सूर्य के विपरीत होगा। वे क्रमानुसार, आम तौर पर लोगों, युवाओं, वित्त, वंचित समूहों तथा सरकार के मुखिया में नजर आता है। पूर्व में 1990 में ऐसा हुआ था। इसके बाद की अवधि राजनीतिक अस्थिरता में दिखी थी। 1990 अंत और 1991 के बीच तीन प्रधानमंत्रियों ने अपने सहयोगी बदले थे। पिछड़ी जातियों को दिए गए आरक्षण के बाद जातिगत टकरावों के कारण बड़ी संख्या में युवाओं की मौत हुई। अडवाणी जी की रथ यात्रा ने सांप्रदायिक जुनून पैदा किया , जिससे बाद में बाबरी मस्जिद ढहाने की स्थिति उत्पन्न हुई। अर्थव्यवस्था की हालत सुस्त थी जो हमें अपने घाटे की भरपाई तथा देश की वित्तीय स्थिति संभालने हेतु सोना गिरवी रखने के लिए बाध्य कर रही थी। वित्तीय संकट से पार पाने के लिए, आर्थिक नीति पीवी नरसिम्हा राव के शासन के दौरान जबरदस्त परिवर्तन से होकर गुजरी। जिसने देश की अर्थव्यवस्था को ताजा तेवर प्रदान किया। आतंकवाद पंजाब में अपने चरम पर था। मई 1991 में चुनावी रैली के दौरान आत्महंता बम हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी गयी। इसका अनिवार्य अर्थ यह नहीं होता है कि दुबारा ऐसा ही होगा, लेकिन हम भविष्य में गंभीर चुनौतियों का सामना करते नजर आते हैं।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

वायदों से भरपूर यह शानदार सप्ताह है। आपको भारी सहयोग तंत्र, उत्तम संतुलन एवं घर पर सद्भाव प्राप्त होगा। आप आशावादी, महत्वाकांक्षी व सकारात्मक ऊर्जा से घिरे हैं। आप अच्छे स्वास्थ्य, रचनात्मकता का आनंद लेंगे। रोमांचकारी यात्रा पर जाने की संभावना है। करियर मोर्चे पर, आप निराशा का सामना कर सकते हैं, आपकी परियोजनाएं लंबित हो सकती हैं या आपका पेशेवर सौदा रद्द हो सकता है।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आप परिपक्व होंगे व समझदारी से कदम उठाएंगे। भले ही आप दबदबे वाले व दबंग व्यक्ति के हों, मगर आपको अपने व्यक्तित्व का संवेदनशील व करुणामयी पक्ष प्रदर्शित करना होगा। परिवार में किसी बुजुर्ग का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है। रोकथाम की तुलना में सावधानी बेहतर है। करियर फलेगा फूलेगा और आर्थिक प्राप्तियों के संकेतक हैं। नौकरीशुदा लोग के लिए शुभ समय का संकेतक है।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

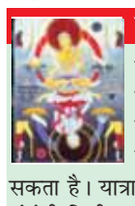

इस सप्ताह आपको खुशी, अच्छी सेहत, व मनोरंजन हासिल होगा। परिवार में किसी का स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है। यात्रा की संभावना है। कोई मित्र या संबंधी वित्तीय सहायता की मांग कर सकता है। पुराने दोस्तों से मिल सकते हैं। करियर मोर्चे पर, समय अच्छा है, आपकी मानसिक क्षमताएं व तार्किक क्षमता ठोस हैं। अपने तर्क व ज्ञान से, आप काम का नया अजेंडा प्रस्तुत करेंगे। वकीलों व दुकानदारों के लिए सप्ताह शुभ है।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य व खुशी का सुख लेंगे। आपका जीवन व आपके इर्दगिर्द की दुनिया विचित्र भावनाओं से भरी होगी जो सकारात्मक संदेश देगी। किसी मनमोहक जगह पर जाने की संभावना है। पेशेवर मोर्चे पर, काम हाशिए पर चला जाएगा क्योंकि आपका ज्यादा ध्यान भावनात्मक व आध्यात्मिक लक्ष्यों की ओर है और आप उनकी प्राप्ति में समय बिताते हैं। पेशेवर सपने व आकांक्षाएं हैं मगर आप अवकाश चाहते हैं।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** मंगलवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

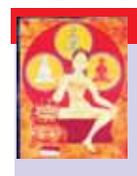

आप विवाद में उलझ सकते हैं या खुद को दूसरों से असहमत पा सकते हैं, जिससे तनाव व दुखी हो सकते हैं। आपका आक्रामक व गुस्सैल स्वभाव आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। रक्त संबंधी रोगों से बचें। यह अनुकूल सप्ताह नहीं है, इसीलिए, हृदयरोगियों को कड़ी मेहनत व तनाव से बचना चाहिए। पेशेवर रूप में, आप यथास्थिति बनाए रखने के लिए हिंसक या अराजक हो सकते हैं।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** धानी **शुभ दिन:** गुरुवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

इस सप्ताह आप अत्यंत प्रेरित व उत्साहित व नवीनता महसूस करेंगे। आप ऐसे नए विचार के प्रति प्रेरित महसूस करेंगे जो आपके सामने एक बिलकुल नयी दुनिया प्रस्तुत करेगा। आप आने वाली संभावनाओं व अवसरों को लेकर रोमांचित होंगे। करियर मोर्चे पर, आप अपने घर पर ऊर्जा, धन व समय बिताएंगे। यह अच्छा समय है बशर्ते आप बहुत कर्ज नहीं लेते हैं। लोग आपकी राय की प्रतीक्षा करेंगे। कार्य जीवन में कोई स्त्री महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग** भूरा **शुभ दिन:** सोमवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

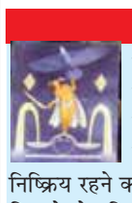

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इस स्थिति में धैर्य, व समझदारी की आपके जीवन में सर्वाधिक आवश्यकता है। यह निष्क्रिय रहने का समय है। किसी भी दुविधा से निपटने के लिए आपके अंतर्मन की आवाज सर्वोत्तम माध्यम है। करियर मोर्चे पर, आप जबरदस्त महत्वाकांक्षा, दृढ़ता व सफलता की भावना से भरे हैं। आपकी राह में कोई रोड़ा नहीं है। आप नहीं देखेंगे, न ही किसी भावी चुनौती, जोखिम आदि की परवाह करेंगे।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग :** पीला **शुभ दिन:** गुरुवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

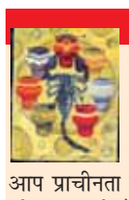

इस सप्ताह आप जीवन के गहन अर्थ की तलाश कर सकते हैं। आप बदलाव व रूपांतरण के लिए तैयार है, खासतौर पर चूंकि आप प्राचीनता से मुक्त हो रहे हैं और नवीनता को अपना रहे हैं। पेशेवर रूप में, आपको जटिल मसलों पर नया नजरिया अपनाना पड़ सकता है। संदेह, प्रेम व संवेदना के लाभ के साथ स्थिति को देखें। अपने अंतर्बोध को सुनना कभी न नकारें व अपने सपनों पर विश्वास करें। रिश्तों में अलगाव का सामना कर सकते हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

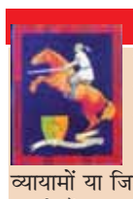

स्वास्थ्य स्थिर रहता है। आप वजन घटाने या अच्छा दिखने के तरीकों के बारे में सोचेंगे। आप ध्यान, योग, ऐरोबिक व्यायामों या जिम के कोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। इस सप्ताह आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। संशयता, भ्रम या अज्ञानता आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। आप ऐसे पेशेवर मामलों में दृढ़ नहीं हैं जो चुनौतीपूर्ण हैं आपकी एकाग्रता चाहते हैं। यह सप्ताह किसी भी बिजनेस साझीदारी के लिए शुभ नहीं है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** शुक्रवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह आप सुव्यवस्थित हैं। दृढ़ता, उत्साह व अच्छे स्वास्थ्य के आसार हैं। आप रचनात्मक ढंग से सोचेंगे व समझदारी से काम करेंगे। कार्य मोर्चे पर, आप आत्म विश्वास नजर आएगा। नौकरी के इंटरव्यू में भाग लेने वालों की शुभ समाचार मिलेंगे। आपके ज्ञान को शक्तिशाली संस्थाओं का साथ मिलेगा और आपके विचार व फैसले अनेक लोगों को प्रभावित करेंगे। आपकी ईमानदारी, वफादारी की परीक्षा ली जा सकती है।

शुभ अंक : 13 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** बुधवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

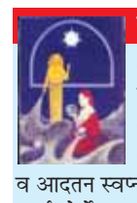

आप स्वप्नजीवी हैं। आपको फर्क करना चाहिए कि क्या असल है और क्या काल्पनिक। अस्पष्टता या सदिच्छापूर्ण सोच व आदतन स्वप्नजीवन बनने से खुद को बचाएं। कार्य मोर्चे पर, आपको नए अवसर प्रस्तावित हो सकते हैं। इंक्रीमेंट या संपत्ति के रूप में आर्थिक लाभ की संभावना है। आपमें प्रेम व उदारता के साथ कठिन स्थिति से निपटने की योग्यता है। अधिकारियों के साथ संबंध दूरगामी रूप से आपके लिए लाभकारी होंगे।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

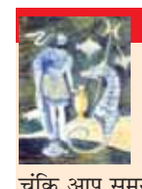

इस सप्ताह आप उस खास स्थिति से दूर भागने का प्रयास कर सकते हैं जो आपके लिए अब कारगर नहीं रह गयी है। चूंकि आप समस्याओं से निपटने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए आप ऐसे समाधान ढूंढ़ रहे हैं जहां आप इनसे बच सकें और आपको इन सबकी चिंता न सताए। करियर मोर्चे पर, भावनाओं की सिद्धहस्तता पूर्ण होगी व सफलता दिलाएगी। सत्ता व प्रभाव को स्थिर आधार की जरूरत होती है।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

अगर कोई किसी किताब को बार बार पढ़ने का आनंद नहीं ले सकता, तो उस किताब को पढ़ने का कोई भी औचित्य नहीं है
- आस्कर वाइल्ड

समस्त जिज्ञासाओं का समाधान करती पुस्तक

राधानाथ स्वामी महाराज का कहना है कि भागवतगीता न केवल अपनी विलक्षण अवधारणाओं के कारण आकर्षित कर रही है बल्कि यह समझने में आसान तथा समय की सीमाओं के परे अनुपालन योग्य भी है

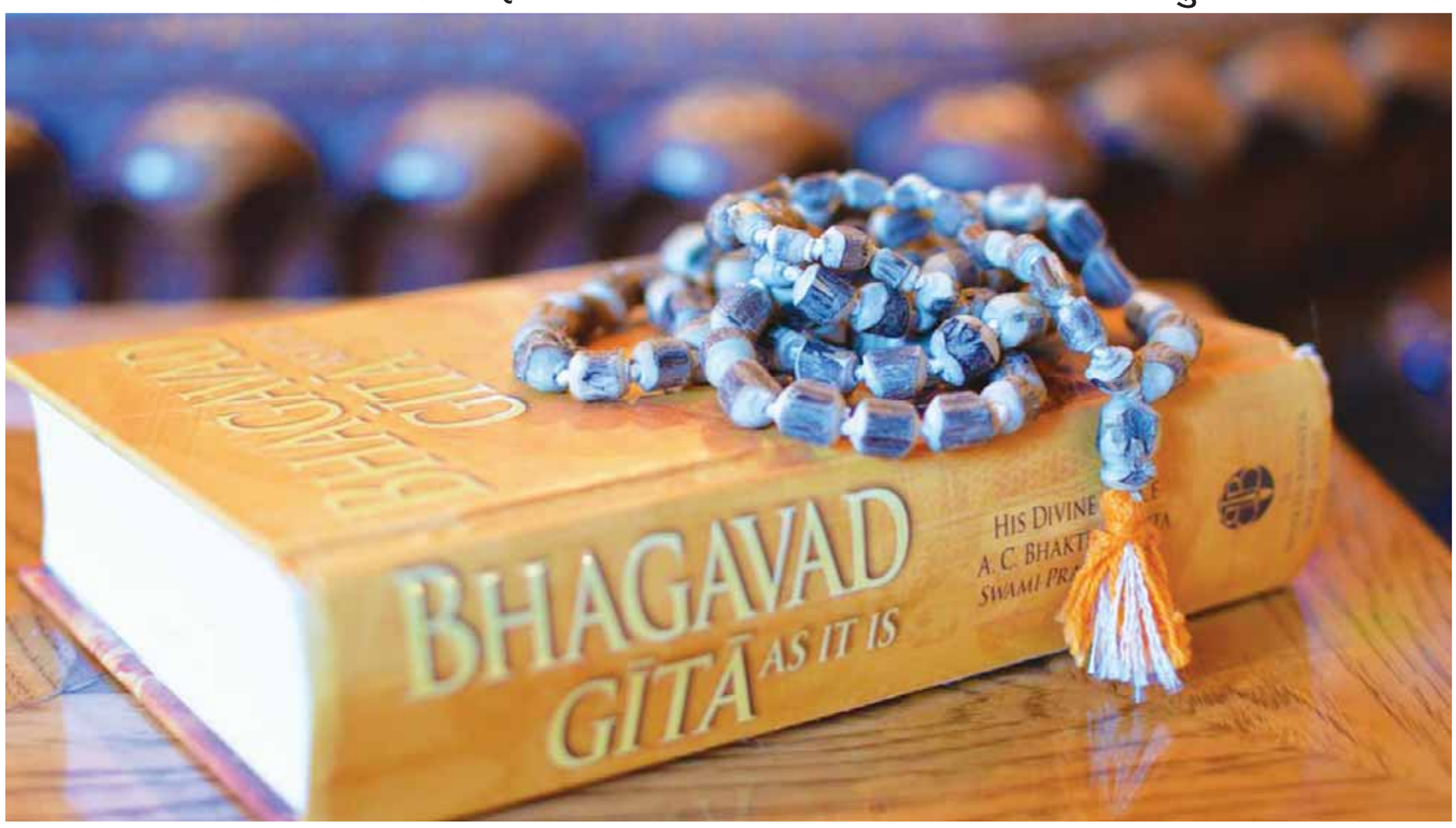

ज्ञान, जीवन व सुख की इंसानी जिज्ञासा ने मानवजाति के इतिहास में उत्पन्न असंख्य पुस्तकें देखी हैं। बेस्ट सेलर सूची में होने के अलावा, इनमें से कुछ किताबें सचमुच परिवर्तनकारी साबित हुई हैं। इन सभी किताबों में, एक किताब सचमुच विशेष स्थान रखती है जिसे पैरवी महान आदि शंकराचार्य जैसों का दर्जा हासिल है।

वह कहते हैं, एको शास्त्रो देवकी पुत्र गीतं: एक धर्मग्रंथ जो देवकी पुत्र कृष्ण द्वारा गाया गया और वह धर्मग्रंथ है भगवतगीता। भगवतगीता में व्यक्तिगत वास्तविकतार, भौतिक परमात्मा, तथा सर्वव्यापी ब्रम्ह के रूप में इसकी विशेषताओं में परम सत्य के बारे में ज्ञान है। यह जीवित प्राणियों, भौतिक सृष्टि, अवतारों, कर्म सिद्धान्त, समयकाल तथा प्रकृति, भोजन, जीवनशैली की तीन अवस्थाओं, मन के स्वभाव आदि के बारे में ज्ञान देती है।

कृष्ण स्वयं इस ज्ञान को सर्वोत्तम ज्ञान घोषित करते हैं, जिसे जानकर इस दुनिया में कुछ भी जानना शेष नहीं रह जाता है चूंकि व्यक्ति जान जाता है कि भगवान कृष्ण ही हर चीज के मूल कारक हैं यहां तक कि हर चीज उनकी विभिन्न शक्तियों से निर्मित हुई है।

जैसा कि सालाना गीता जयंती का हाल में उत्सव मनाया गया था, ऐसे में इसकी महिमा को समझना महत्वपूर्ण है ताकि हम हृदय से सचमुच इसकी प्रशंसा कर सकें, यहां तक कि अपने जीवन में गीता के उपदेशों को लागू कर सकें। भगवतगीता की विशिष्ट खूबियां भगवतगीता की महिमा का बखान करने के लिए सूचीबद्ध हैं।

सबसे प्राचीन मगर आज भी नवीन व प्रासंगिक

भागवतगीता अपनी विलक्षण अवधारणाओं के कारण न केवल एक बहुसहस्राब्दी महाकाव्यात्मक रचना है बल्कि यह समझने में आसान तथा समय की सीमाओं के परे अनुपालन योग्य भी है। बीती सदियों से संतों से लेकर आइंस्टीन, इमर्सन, थोरियू, हक्सले, हेस्से, महात्मा गांधी जैसे आधुनिक वैज्ञानिकों, दार्शनिकोंव राजनेताओं ने उल्लेखनीय ढंग से भगवतगीता की महिमा की प्रशंसा की है।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापानी सम्राट को गीता की प्रति उपहार में दी और इन शब्दों के साथ इसे महिमामंडित किया, ''क्योंकि मैं नहीं सोचता कि मेरे पास इससे बेहतर देने को कुछ है और दुनिया के पास भी इससे बेहतर हासिल करने के लिए कुछ नहीं है।''

व्यापक मगर विशिष्ट

यह न केवल हर एक को, उनके स्तर तथा आचरण की इच्छा के मुताबिक, आश्रय देने के लिए ईश्वर की सर्व स्तरीय समझ को संयोजित करने के लिए व्यापक है, बल्कि यह निजी ईश्वर के रूप में इस दिव्यता की सर्वोच्च समझ को प्रस्तुत करने के अर्थ में विशिष्ट है, उनके लिए , जो उस सर्वशक्तिमान के पास जाने के इच्छुक हैं।

भागवतगीता न केवल परम सत्य की उत्कृष्ट अवधारणाओं की बौद्धिक रूप से मान्य समझ प्रदान करती है व व्यक्ति को आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए बाध्य करती है, बल्कि यह इसकी उपलब्धि का व्यवहारिक रास्ता तथा इसमें निहित प्रेम की शिक्षा भी प्रदान करती है

भागवतगीता भक्त के मार्गदर्शन के लिए कर्मयोग, ज्ञान योग, अष्टांग योग की चर्चा करती है ताकि वे वे इन मार्गों के प्रति आकर्षित हों और वह उनकी पहले से सहायता करती है। यह लोगों की आध्यात्मिक उन्नति के स्तरों के आधारित विभिन्न स्तरों का आध्यात्मिक आचरण भी प्रस्तावित करती है (भगवतगीता 12.8-12), लेकिन अंत में यह ईश्वर के व्यक्तित्व के प्रति सभी अन्य प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए पूर्णतया समर्पण के उद्घोष के साथ समाहार करती है, इस भरोसे के साथ कि आत्मा पूरी निष्ठा के साथ उसके प्रति समर्पित हो।

उत्कृष्ट मगर व्यवहारिक

यह न केवल परम सत्य की उत्कृष्ट अवधारणाओं की बौद्धिक रूप से मान्य समझ प्रदान करती है व व्यक्ति को आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए बाध्य करती है, बल्कि यह इसकी उपलब्धि का व्यवहारिक रास्ता तथा इसमें निहित प्रेम की शिक्षा भी प्रदान करती है और व्यक्ति को भक्ति के उस मार्ग की ओर प्रेरित करती है जो सेवा से प्रेम के रूप में ईश्वर से जोड़ता है।

अनेक किताबें मन और बुद्धि को आकर्षित करती हैं लेकिन वे उनमें उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने का व्यवहारिक तरीका बताने में विफल रहती हैं। लेकिन भागवतगीता, अपने दार्शनिक तर्क के साथ, न केवल परम सत्य की प्रगतिशील समझदारी प्रस्तुत करती है बल्कि व्यवहारिक मार्ग (उदाहरणार्थ, भागवतगीता 9.26-27)भी प्रस्तावित करती है, जिसे भगवतगीता 9.32 में उल्लेखानुसार, मानव समाज के वर्णक्रम व दर्जाक्रम द्वारा शुद्धिकृत तथा क्रियान्वित भी किया जा सकता है। भागवतगीता में भोजन, जीवनशैली, कार्य, कल्याण, आचरण, वाचन, त्याग आदि व्यवहारिक शिक्षाओं का भी उल्लेख है। आध्यात्मिक जीवन के आचरण के लिए उपकारी।

संक्षिप्त एवं सारभूत मगर वृहद एवं प्रवाहमान

यह संक्षिप्त तथा सारभूत है जिसमें जीवन की श्रेष्ठता व ज्ञान के लिए जो कुछ भी आवश्यक है उसका समावेश है फिर भी यह बहुत व्यापक तथा निष्ठुर है क्योंकि यह ईश्वर के असीम व्यक्तित्व का वर्णन करती है। गीता के उद्घोषक, कृष्ण भागवतगीता में कहते हैं, ''इस ज्ञान को जानकर और कुछ भी जानना शेष नहीं रह जाएगा। ''

गीता के 700 श्लोकों में, कृष्ण आध्यात्मिक शुद्धता के ज्ञान से संबंधित आवश्यक पूर्ण ज्ञान प्रदान करते हैं। इस ज्ञान की समझदारी व्यक्ति को इसमें विचार की गयी आध्यात्मिक संस्कृति का आचरण करने की ओर ले जाती है, लेकिन चूंकि परम सत्य बगैर किसी विराम व सर्वव्यापकता के होता है, भागवतगीता से मिलने वाला इसका अहसास हमेशा प्रगतिगामी है। जैसा कि कृष्ण गीता के श्लोक 10.40 में कहते हैं: '' ओ शत्रुओं के परम विजेता, मेरी दिव्य अभिव्यक्तियों का कोई अंत नहीं है। जो मैंने तुमसे कहा है, वो सिर्फ मेरी असीम कृपा का संकेतक है।''

- लेखक इस्कोन के आध्यामिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

कार्रवाई करने व सजा देने का वक्त

भले ही पुलिस द्वारा दिशा बलात्कार मामले में चार आरोपियों को मार गिराने की हैदराबाद मुठभेड़ की यादें आम लोगों के मन से धुंधली पड़ गयी हों मगर सवाल फिर भी उठता है। क्या वो कदम उचित था? इसलिए भी, इस तथ्य के मद्देनजर कि महिलाओं के खिलाफ उसी प्रकार के अपराध होने लगातार जारी हैं। उस देश में ऐसी घटनाएं क्यों घटती हैं जहां महिलाएं बुरी शक्तियों की विनाशक ''शक्ति '' का प्रतीक हैं। दिल्ली से लेकर उन्नाव, हैदराबाद व अन्य तमाम क्षेत्रों की घटनाएं हमें अमरीका के मिसीसिपी कोर्टरूप ड्रामे की याद दिलाती हैं जिसने एक युवा अर्टानी जॉन ग्रीषम को कानूनी अपराध उपन्यास लेखन का विश्व स्तरीय लेखक बना दिया। और ग्रीषम एक बारह वर्षीय बलात्कार पीड़िता के भयावह बयान के साक्षी बने जिसने उन्हें इतना अधिक सिहरा दिया कि उन्होंने सोचा कि यदि कोई सजा थी जो बलात्कारी को दी जा सकती थी, तो वो यह कि उसे मार दिया जाए। और उन्होंने लिखा ''ए टाईम टू किल'' । हैदराबाद पुलिस की कार्रवाई ने कुछ खास मुद्दे उठा दिए हैं जिससे औचित्य से लेकर दंड के दायरे में देशव्यापी बहस छिड़ गयी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है कि पुलिस ने ठीक किया या नहीं। यह कार्रवाई राज्य द्वारा की गयी थी। क्या होता अगर न की गयी होती? इसे साबित करने का कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। असलियत में, पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाने का मुद्दा तभी उठता यदि मुठभेड़ फर्जी होती। न्याय का प्रश्न तो बहुत अधिक जटिल है इसे हां या ना में कहना बहुत कठिन है। अनेक बार, कानून और न्याय परस्पर टकरा जाते हैं। यह आम कहावत है कि न्याय सिर्फ मिलना ही नहीं चाहिए बल्कि मिलते दिखाई भी देना चाहिए। जब लोग उसे न्याय प्रदान होते नहीं देखते हैं जो कि ठोस न्याय का दावेदार है और उसे जन समर्थन भी प्राप्त है। कुछ लोगों के लिए, यह अराजकता का रास्ता हो सकता है लेकिन उन्हें याद दिलाने की जरूरत है कि अराजकता न्याय व्यवस्था की विफलता के बाद उत्पन्न होती है। हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली का स्पष्ट उद्देश्य है कि भले ही हजारों अपराधी छूट जाएं मगर एक भी निरपराध को सजा नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन हम जो पाते हैं वो यह कि अपराधी आम तौर पर कानूनी दावंपेंचों का सहारा लेकर छूट जाते हैं जबकि बेगुनाह लगातार पीड़ित हो रहे हैं। हिन्दू विधि प्रदाता मनु के न्याय संबंधी विचार को पुन: देखने की जरूरत है। मनुस्मृति में, यह स्पष्ट कहा गया है कि जानबूझ कर किए गए अपराध में तथा गलत कार्य के निहितार्थों की पूर्ण जानकारी, अपराध के प्रतिउत्तर में सजा कहीं अधिक गंभीर दी जानी चाहिए। बलात्कार ऐसा ही अपराध है जो हमेशा जानबूझ कर तथा दुष्कृत्य के दुष्परिणामों की पूर्ण जानकारी के बावजूद किया जाता है। प्रसंगवश, हिन्दू विधि पुस्तक यह भी कहती है कि सजा प्रत्यक्षतया अपराध करने वाले व्यक्ति की सामाजिक हैसियत के समानुपात में दी जानी चाहिए। पर्याप्त स्पष्ट संकेतक है कि उन्नाव आरोपी को कैसी सजा मिलनी चाहिए, यानी उस सामाजिक वरीयताक्रम के अनुसार जिससे कि वह संबंध रखता है। जैसा कि दानवी प्रवृत्तियां उभार पर है, हमें महसूस करना चाहिए कि हिन्दू धर्मग्रंथों ने स्पष्ट दिखाया है कि देवताओं ने भी न्याय की रक्षा हेतु अनुचित साधनों द्वारा दानवों का वध किया था। ज्ञान व सूचना की उपलब्धता ने अनेक लोगों को कानून के साथ छल करने तथा यह सोचने की धृष्टता करने की योग्यता प्रदान की है कि वे सबकुछ करके साफ बच सकते हैं। कुख्यात निर्भया मामले के अपराधियों के मामले में किशोरावस्था कानून जघन्य अपराधियों के बचाव में काम आया। कुछ खास किस्म के अपराध तथा अपराधियों की श्रेणियों के लिए , फिर, जीसस क्राइस्ट के प्रसिद्ध अंतिम शब्द पढ़ने की आवश्यकता है: ''ओ ईश्वर उन्हें सूली पर चढ़ाओ, क्योंकि वे पूरी तरह जानते हैं कि वे क्या करते हैं।'' और उन्हें ऊंचा लटकाओ। यह वो संदेश है जो दिए जाने की जरूरत है।

पेज एक का शेष

दुनिया को देखना-समझना सिखातीं बाल फिल्में

बकौल अहमद, ''यह मंच बदलाव का एक शानदार उदाहरण है जिसे हमारी शिक्षा प्रणाली में अपनाए जाने की जरूरत है। यह रोमांचकारी, प्रासंगिक, मापनयोग्य तथा सस्ता है- इसमें वे सभी विशेषताएं हैं जो एक अच्छे शिक्षा कार्यक्रम में होने चाहिए।''

वह बताते हैं कि हालांकि ये फिल्में विभिन्न समस्याओं व मुद्दों से संबंधित थी, मगर इनमें जो एक आम थीम थी वो थी सम्मान: अपना सम्मान, अन्य संस्कृतियों का सम्मान, दूसरों के विचारों व नजरियों का सम्मान तथा पर्यावरण के प्रति सम्मान, श्रम के प्रति सम्मान तथा कलाओं के प्रति सम्मान।,

जिस फिल्म की सर्वाधिक प्रशंसा हुई थी, वो थी 3 फीट जिसे कोलंबिया के गिसेल्ली जेने द्वारा निर्देशित किया गया था। अहमद कहते हैं, ''यह फिल्म जो स्पेनिश भाषा में थी, एक दस वर्षीय लड़के की कहानी है जो फुटबाल खेलने का शौकीन है, वह रोज सुबह स्पेन में पंप्लोना का पहाड़ी कस्बा पारकर अपने सबसे प्रिय मित्र (फुटबाल खिलाड़ी) से मिलने जाता है, उसके साथ अपनी स्कूल की छुट्टियां समाप्त होने तक फुटबाल खेलता है और अपने जूते गंदे कर लेता है। हर रोज, उसे उसकी टीचर रेमोन द्वारा यूनिफार्म की जांच करने के दौरान डांटा जाता है और अपने जूते पॉलिश करने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि दूसरे छात्र अपने इंटरवल का आनंद लेते हैं। उस दिन सबकुछ बदल जाता है जब टीचर फैसला करती है कि वह न केवल ब्रेक के दौरान गोंजालों को सजा देगा, बल्कि वह अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ भी सदा के लिए रहेगा।''

> *हालांकि ये फिल्में विभिन्न समस्याओं व मुद्दों से संबंधित थी, मगर इनमें जो एक आम थीम थी वो थी सम्मान: अपना सम्मान, अन्य संस्कृतियों का सम्मान, दूसरों के विचारों व नजरियों का सम्मान तथा पर्यावरण के प्रति सम्मान, श्रम के प्रति सम्मान तथा कलाओं के प्रति सम्मान।*

आयोजन ने स्कूल सिनेमा फिल्म , सेविंग ग्रीन के निर्देशकों - शिवानी मोंगा एवं नजमूस साकिब- के साथ दो बाल ज्यूरी सदस्यों- अक्षय शर्मा और अनंत गोखले की मौजूदगी भी देखी।

न केवल इस ज्यूरी, जो फिल्मों का चयन करती है, में हंड्रेड फिनलैंड, एजूकेशन इन्नोवेशन अंबेसेडर,अन्ना निकोना- ख्होनेन, जया बच्चन सांसद, मनीषा कोइराला- अभिनेत्री, एवं जॉन एडमंड -क्विर्नलैंड फिल्म फेस्टिवल के समारोह निर्देशक जैसी मशहूर हस्तियां थीं, इसमें नौ साल से लेकर 17 साल की उम्र के बच्चे भी शामिल थे। ये बच्चे दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों से थे। फिल्म्स एट द रेट एलएक्सएल आडियाज की प्रमुख, नेहा जैन ने कहा कि मेक सिनेमा- द फिल्ममेकिंग कंपटीशन फार स्टूडेंट्स- पिछले एक साल की प्रमुख सुर्खी बनी है। ''हम सौभाग्यशाली रहे कि हमने ऐसे युवा, अमेच्योर फिल्म निर्माताओं द्वारा बनाई गयी कुछ शानदार फिल्में देखीं, जिन्होंने स्पष्ट रूप से अपनी फिल्म में अपना दिल और आत्मा डाल दी थी। मेक सिनेमा 2018 के हमारे विजेताओं समेत पिछले साल के बाल ज्यूरी सदस्यों को इटली की यात्रा करने तथा पचास सालों से चला आ रहे गिफोनी फिल्म फेस्टिवल में भाग लेने का अनोखा अवसर मिला।'' नेहा जैन ने अपनी बात में जोड़ा, ''हमने पिछले साल गिफोनी के युवाओं की मेजबानी भी की थी और इस साल भी मेजबानी करेंगे। हमारे साथ किर्गिस्तान के मेक सिनेमा के दो विजेताओं भी होंगे। वे भारत में स्कूलों की यात्रा करेंगे और वहां के छात्रों से बातचीत करेंगे। इसके अलावा, हमारे साल 2018 के अन्य मेक सिनेमा विजेताओं को इस साल बाल ज्यूरी में शामिल होने का अवसर भी मिलेगा।''

आईकेएफएफ संपन्न नहीं हो हुआ होता यदि उसे पिछले तीन सालों के दौरान अनेक लोगों व संस्थाओं को प्यार व समर्थन हासिल नहीं हुआ होता। आस्ट्रेलियन कंसूलेट इन इंडिया उन्हीं कद्रदानों में से एक है। वे आस्ट्रेलिया से पांच फिल्में लेकर आए साथ ही साथ उन्होंने प्रतिभाशाली फिल्मनिर्माता से मिलने का अवसर भी प्रदान किया।

सुश्री जैन ने कहा, ''मैं अपने अनोखे फिल्म समारोह साझीदारों चिल्ड्रेन्स फिल्म फेस्टिवल सीएटल, प्रोविडेंस चिल्ड्रेन्स फिल्म फेस्टिवल, बूसान इंटरनेशनल किड्स एंड यूथ फेस्टिवल, गिफोनी फिल्म फेस्टिवल, बॉस्टन इंटरनेशनल किड्स फिल्म फेस्टिवल एवं रोलान इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फिल्म फेस्टिवल आर्मेनिया का भी शुक्रिया अदा करना चाहूंगी।''

परिवर्तनशीलता जीवन का मूल है

महेन्द्र पाल

दोस्तों, जीवन निरंतर परिवर्तनशील है, लेकिन हम अक्सर ऐसे जुमले सुनते या बोलते हैं कि हम तो जैसे हैं, वैसे ही हैं और आगे भी वैसे ही रहेंगे। लेकिन क्या, वास्तव में परिवर्तन अपने आप में एक नकारात्मक अवस्था है? जी नहीं। दरअसल, परिवर्तन एक अत्यंत स्वाभाविक व अनिवार्य प्रक्रिया है, इसके बिना जीवन खुद को कायम नहीं रख सकता। कुछ भी जीवित या कायम नहीं रह सकता। बल्कि हमें परिवर्तन को चाहे-अनचाहे अपनाना ही पड़ता है।

हां, यह अलग बात है कि हम उसकी आलोचना या समर्थन अवश्य कर सकते हैं, क्योंकि यह जरूरी नहीं कि परिवर्तन अनिवार्यतया हमारे पक्ष में हो। इसलिए उसे अपने अनुकूल न पाकर हम उसकी आलोचना कर सकते हैं, जो अन्य अर्थों में परिवर्तन को स्वीकारना और बदले हालात के मुताबिक खुद को तैयार करना भी होता है।

सृष्टि का प्रत्येक हिस्सा परिवर्तन से होकर गुजरा है और गुजरता है। अगर लाखों-करोड़ों साल के प्राकृतिक जीवन के इतिहास पर नजर डालें, तो पाएंगे इस दौरान बहुत सी प्रजातियां पैदा हुईं और विलुप्त हो गईं। यह सिर्फ परिवर्तन के साथ तालमेल बैठाने की सफल या विफल प्रक्रिया का नतीजा ही था।

इतना ही नहीं सामाजिक-सांस्कृतिक- आर्थिक स्तरों पर भी निरंतर परिवर्तनों का दौर जारी रहा। गौरतलब यह कि मानव जाति की आदिम सभ्यता से वर्तमान आधुनिक जगत तक की यात्रा भी निरंतर परिवर्तनों का सामना करते हुए आगे बढ़ी है। इस दौरान ज्ञान के नए क्षेत्र विकसित हुए और पुराने पड़ चुके नियम व क्षेत्र विलुप्त होते गए। आज हम चाहकर भी गुलाम युग की अमानवीय स्थितियों को देखना, सहज स्वीकार नहीं कर पाते। और यह परिवर्तन के कारण ही संभव हुआ है, कि परिवर्तन प्रक्रिया के कारण हमारी बौद्धिक चेतना अतीतकाल का विभत्स दौर पारकर एक बेहतर युग में दाखिल हुई है।

परिवर्तन हमेशा प्रगति का वाहक बनता है, वो ठहराव को तोड़ता है, जीवन की ठहरी नदी को वेग प्रदान करता है। हालांकि उस वेग के कारण कई तयशुदा किनारे टूट जाते हैं, लेकिन यह भी सच्चाई है कि नदी फिर नए किनारे व नए मोड़ भी पैदा करती है जहां जीवन पहले से अधिक सुंदर व आधुनिक ढंग से स्थापित होता है। इसलिए, हम चाहें या न चाहें, परिवर्तन हमारे जीवन का हिस्सा बनता ही है, या हमें परिवर्तन को अपने अपनाना ही पड़ता है। जीवन में कामयाबी के संदर्भ में तो यह नजरिया और भी आवश्यक है क्योंकि निरंतर बदलती जिदंगी रोज ब रोज प्रगति के नए आयाम प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में कोई तयशुदा परिपाटी अपनाकर हम एक कामयाब जीवन की स्थापना नहीं कर सकते। परिवर्तन के कारण जिस प्रकार सफलता के नये प्रतीक सामने आते हैं उसी प्रकार तयशुदा लक्ष्य तक पहुंचने का तरीका भी निरंतर परिष्कृत होता चलता है।

हम लक्ष्य कैसा भी चुन लें, वो छोटा या बड़ा हो सकता है, लेकिन उसे हासिल करने के तरीके हमेशा निरंतर बदलती दुनिया व स्थितियों के मद्देनजर निर्धारित होने जरूरी हैं।

निर्भया के दोषियों की फांसी की रोक बहुत ही निराशाजनक है कोई नहीं सोच सकता निर्भया के मां बाप किस दौर से गुजर रहे हैं।
- मल्लिका सेरावत

हेरा फेरी 3 में एक बार फिर अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ धमाल मचाएंगे सुनील शेट्टी

हेरा फेरी बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की जोड़ी वाली फिल्म हेराफेरी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। इसके बाद इस फिल्म का सीक्वल फिर हेराफेरी बनाया गया जिसे भी दर्शकों ने पसंद किया।

फिल्म के तीसरे पार्ट बनाने की काफी समय से कोशिश की जा रही है लेकिन बात बनती नही दिख रही। सुनील शेट्टी ने कन्फर्म किया कि हेरा फेरी 3 बनेगी और यह प्रोसेस में है।

ऑस्ट्रेलिया के जंगल में लगी भयंकर आग से दुखी जूही चावला के बेटे, पॉकेट मनी से दिया इतना डोनेशन

सुनील शेट्टी ने हेरा फेरी 3 के बारे में पूछे जाने पर कहा, हेरा फेरी 3 बनेगी और यह प्रोसेस में है। यह ठंडे बस्ते में नहीं गई है और जरूर बनेगी। हेरा फेरी 3 हम तीनों (सुनील शेट्टी, अक्षय कुमार और परेश रावल) के साथ ही बनेगी क्योंकि हम तीनों को इसमें दिलचस्पी भी है। कुछ समस्याएं थीं जो अब धीरे-धीरे सुलझ रही हैं।

चर्चा थी कि हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार नहीं होंगे और उनकी जगह जॉन अब्राहम और अभिषेक बच्चन फिल्म का हिस्सा होंगे। लेकिन अब सुनील शेट्टी के बयान से साफ है कि अक्षय भी इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी में टाइम लीप दिखाया जाएगा और अक्षय, सुनील शेट्टी व परेश रावल का लुक भी एकदम बदला हुआ होगा। खबर यह भी है कि हेरा फेरी 3 को प्रियदर्शन डायरेक्ट करेंगे।

सलमान खान की किक 2 की रिलीज डेट हुई फाइनल

सलमान खान इस समय एकमात्र फिल्म राधे में काम कर रहे हैं जिसे प्रभुदेवा निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म ईद 2020 पर रिलीज होगी। सलमान अब फिल्म साइन करने के मूड में हैं या पुरानी अनाउंस हुई फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

हाल ही में सलमान ने कभी ईद कभी दिवाली नामक फिल्म की घोषणा की है जो ईद 2021 पर रिलीज होगी। इसी के साथ क्रिसमस 2021 भी उन्होंने बुक कर लिया है।

किक 2 को अनाउंस हुए लंबा समय हो गया है और अब सलमान इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू करेंगे। सूत्रों के अनुसार निर्देशन की बागडोर एक बार फिर साजिद नाडियाडवाला के हाथों होगी जिन्होंने किक का भी निर्देशन किया था।

फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आधी स्क्रिप्ट तैयार है और बची हुई लिखी जा रही है। सलमान पहले कभी ईद कभी दिवाली की शूटिंग शुरू करेंगे और उसके बाद किक 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। इसी बीच वे एक और फिल्म भी कर सकते हैं।

2021 के दो प्रमुख त्योहार सलमान ने बुक कर लिए हैं। ईद और क्रिसमस पर उनकी ही फिल्में रिलीज होंगी। 2019 की ईद और दिवाली पर भी उनकी ही फिल्में रिलीज हुई थीं।

'ईश्वर से साक्षात्कार ही मेरे संगीत का उद्देश्य था'

हॉलिवुड सिंगर ग्लोरिया गेनर का कहना है कि वो सदैव ये सोचकर स्टेज छोड़ती हैं कि उनकी प्रस्तुति से और श्रोताओं को भी उतना आनंद आया होगा जितना उन्हें आया।

अमरीकी सिंगर ग्लोरिया गेनर जीवन के हर पहलू में ईश्वर के दर्शन करती हैं, खासकर अपनी उस धुन के लिए जो अभी तक का सर्वश्रेष्ठ डिस्को सॉन्ग बनी।

उन्हें आज भी उन पलों की याद है जब उन्हें 'आई विल सर्वाइव' गाना गाने के लिए मिला था। ये पहले एक दूसरे गाने की बी साइड था जिसका अर्थ ये था कि उसे प्रचार के योग्य भी नहीं समझा गया था। उन्हें तभी ये निर्णय मूर्खतापूर्ण लगा था। उन्होंने अपने उस गाने 'आई विल सर्वाइव' को हिट बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। तब मेरा वो गाना लेखकों को भी अच्छा लगने लगा था। वो बताती हैं, 'मैं हमेशा से मानती आई हूं कि ईश्वर ने उन्हें इसे समझने की प्रेरणा दी थी कि वो ध्यान से बैठकर उस गाने को लिखें क्योंकि मैं जल्दी ही किसी को तुम्हारे पास भेज रहा हूं। ये ईश्वर से एक साक्षात्कार था। ये मेरा मुख्य उद्देश्य बन चुका था।'

गेनर को उनके जीवन का पहला ग्रैमी अवार्ड 1980 में 'आई विल सर्वाइव' के लिए ही मिला था। अब 40 साल बाद उन्हें फिर से एक बार अपने पहले एलबम 'टेस्टिमनी' को पहले धार्मिक एलबम के रूप में नामांकन मिला है। इसके अलावा उन्हें टॉकिंग अबाउट जीसस को भी सर्वश्रेष्ठ धार्मिक प्रस्तुति के लिए नामांकित किया गया है। अब वो ग्रैमी मिक्स में आने के लिए लालायित हैं।

उन्होंने बतया, 'मैं आशा कर रही हूं कि ग्रैमी के दौरान मैं भी वो फैशन और स्टाइल देख पाउंगी जहां सभी लोग एक से एक ड्रेस पहनकर अच्छा महसूस करते हुए प्रसन्न मुद्रा में चहलकदमी करते दिखाई देंगे।' ज्ञातव्य है कि ग्रैमी अवार्ड 26 जनवरी को आयोजित किया जाना है। उन्हें भी इस बार कम से कम एक ग्रैमी जीतने की आशा है और यदि ईश्वर की कृपा रही तो ये संख्या दो भी हो सकती है।

गेनर ने अपने नामांकन के संदर्भ में बताया कि उन्होंने संगीत उद्योग में इस साल अत्यधिक परिश्रम किया है जबकि उनके स्वास्थ्य ने भी उनका ढंग से साथ नहीं दिया। इसी बीच वो अपने गाने 'आई विल सर्वाइव' को लेकर आध्यात्मिकता में भी व्यस्त रही थीं। प्रस्तुत है उनसे बातचीत के अंश-

❑ आपने क्या सोचकर धार्मिक एलबम बनाना स्वीकार किया?

मैं अपने संगीत के माध्यम से जीसस क्राइस्ट का वो प्यार और ज्ञान जन-जन तक पहुंचाना चाहती थी जो उन्होंने हमें प्रदान किया है। मेरा मानना है कि मुझे इसीलिये उस गाने को प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

❑ इस एलबम में नई सामग्री है जिसका आपने सहलेखन किया है। आपका गाना 'अमेज़िंग ग्रेस' एक नई तरह की धुन पर आधारित है। आपको उस तरह की प्रस्तुति देने के लिए किसने प्रेरित किया?

देखिये मैं सदैव से ही नवोन्मेष में विश्वास करती रही हूं।

यदि किसी ने मेरे गाने के लिए कुछ लिखा है और यदि उसमें व्याकरण संबंधी कुछ कमियां हैं तो मैं उसे नहीं गा सकती। मुझे उसे सही करना ही होगा। बस मैं यही करती हूं। मैं अमेज़िंग ग्रेस को सही करने का प्रयास नहीं कर रही थी बल्कि मैं तो बस उसे गाने और अपने जीवन में उतारने के लिए उपयुक्त बनाने के लिए कुछ परिवर्तन कर रही थी।

❑ केवल ग्रैमी नामांकन ही नहीं बल्कि इतनी अद्भुत सफलता मिलने पर आप कैसा अनुभव करती हैं?

अभी हाल ही में मैंने एक एलबम किया था और तब मुझे लगा कि मैं ईश्वर की गति से भी आगे भाग रही हूं और जब कभी भी ऐसा होता है तो आपको एक पड़ाव पर ऐसा लगने लगता है जैसे कि आप नितांत अकेले हैं। तो ये बिलकुल अच्छा नहीं रहा। फिर इसके बाद जब ये एलबम आया तो ये सफल रहा और लोगों ने इसे हाथों-हाथ लपक लिया। उन्होंने मुझे लिखकर बताया कि उन्हें वो गाने का संगीत तो अच्छा लगा ही बल्कि वो उनके लिए अनुष्ठान जैसे थे। संगीत के माध्यम से मैं भी यही करना चाहती थी। तभी मुझे लगा कि इस बार संभवत: मैंने सही सोचा था। ये ईश्वर का रचा समय था और मैं वहां उपस्थित थी, बस।

❑ गुजरे सालों के दौरान आपको अपना गाना 'आई विल सर्वाइव' कितना सार्थक लगा?

पहले तो ये ऐसा था जैसे कि मैंने लोगों के लिए कुछ गाया था। लेकिन समय बीतने के साथ ही मेरे साथ विचित्र अनुभव सामने आए और ये मेरा मंत्र बनता चला गया। ये मेरी मां की मृत्यु, मेरी बहन, मेरे संबंध-विच्छेद-जब मेरा तलाक हुआ तो मैंने इसे लेकर लंबी प्रस्तुति दी थी। अत: मैं कह सकती हूं कि ये गाना मेरे तथा लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण था। मैं इस बात को पूरी तरह से समझती हूं क्योंकि मैंने ये अनुभव किया है कि ये गाना आपके लिए बहुत कुछ कर सकता है।

❑ ये गाना काफी समय से चल रहा है लेकिन क्या कभी आपको निराशा भी होती है कि ये गाना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि था?

पहले मुझे लगा था कि ये दुधारी तलवार है लोगों को लगता था कि मैं 'आई विल सर्वाइव' के अलावा और कुछ भी बढ़िया नहीं गा सकती थी। वे मुझसे और कुछ सुनना ही नहीं चाहते थे। गाना मुझे भी अच्छा लगता था लेकिन मुझे बस ये लगा करता था कि लोगों को ये भी समझना चाहिये कि मैं कुछ और भी जानती और कर सकती हूं, कि मैंने कई और श्रेष्ठ गाने रिकॉर्ड किये हैं। लेकिन जब मुझे पता चला और मैंने समझ लिया कि ये मेरा प्रमुख उद्देश्य रहा होगा तो मैंने इसे सहजता से स्वीकार करना सीख लिया। जैसा कि गाने में भी कहा गया है, 'मेरी आत्मा के लिए ये सहज है'

❑ आपने काफी शारीरिक कष्ट सहे हैं आपकी पीठ की कई बार शल्यक्रिया हुई है, अब आपको कैसा लगता है?

मेरी पीठ की पांच सर्जरी हुई हैं हर बार मुझे कुछ रुकना पड़ा था लेकिन पिछली सर्जरी ने तो जैसे मुझे सदा के लिए ही हटाने की सोच रखी थी। लोगों की प्रार्थनाओं तथा ईश्वर में विश्वास के कारण ही मुझे कैलिफोर्निया में एक डॉक्टर मिले जिन्होंने मेरी श्रेष्ठतम 2 सर्जरी की जिसमें मुझे 18 घंटे का समय लगा और मेरी पीठ में 12 रॉड डाली गई हैं। अब मेरे दर्द नहीं होता, मैं आज भी परफॉर्म कर सकती हूं। स्टेज और जीवन में भी अब मुझे अधिक कष्ट नहीं है। यही कारण है कि मैं ईश्वर और श्रोताओं को धन्यवाद देती हूं क्योंकि उनसे मिलने वाला स्नेह ही मुझे आगे बढ़ने और स्टेज पर परफॉर्म करने का उत्साह प्रदान करता है। ये मेरे लिए अच्छा समय है। स्टेज से उतरते समय मैं सदैव सोचती रहती हूं कि जैसा अच्छा अनुभव मुझे गाने के दौरान हुआ श्रोताओं को भी उतना ही आनंद मेरे गाने से मिला होगा।

❑ क्या हम आपसे और अधिक डांस म्यूज़िक बनाए जाने की आशा रखें?

देखिये, मैं केवल वैसे डांस के लिए संगीत बना रही हूं जैसा कि डेविड ने ईश्वर के सानिध्य के लिए किया था।

रेड कार्पेट डेब्यू करेंगी शिवांगी जोशी, रिप्रजेंट करेंगी शॉर्ट फिल्म अवर ओन स्काई

फेमस टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है कि नायरा यानी शिवांगी जोशी कान्स 2020 में रेड कार्पेट डेब्यू करने जा रही हैं। वे पुष्पेन्द्र सिंह की फिल्म अवर ओन स्काई का प्रमोशन करती नजर आएंगी। गौरतलब है कि इस शो में ही काम कर चुकी हिना खान 2019 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी फिल्म लाइन्स के प्रमोशन के लिए रेड कार्पेट पर नजर आई थीं।

शिवांगी जोशी के साथ इस फिल्म में साउथ एक्ट्रेस आसिफा हक और आदित्य खुराना भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का प्रोडक्शन मोहम्मद नागमन लतीफ कर रहे हैं जबकि डायरेक्शन पुष्पेन्द्र सिंह का होगा। नगमन, आसिफा और आदित्य ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस उपलब्धि का जिक्र किया है। आदित्य पहले मेल एक्टर होंगे जो रेड कार्पेट पर दीवाज के साथ वॉक करते नजर आएंगे।

मई में होगा कान्स का आयोजन = 73वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 12 मई से 23 मई 2020 तक किया जाएगा। यह फेस्टिवल फ्रांस के कान्स में होगा। जिसके लिए फिल्मों, शॉर्ट फिल्मों और फीचर फिल्मों का सबमिशन शुरू हो चुका है।

ट्विटर पर दिशा पाटनी, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण का बोलबाला

पिछले दिनों ट्विटर पर दिशा पाटनी, प्रियंका चोपड़ा जोनस और दीपिका पादुकोण यह बॉलीवूड की तीन सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रीयाँ रही हैं। सबसे अग्रणी स्थान पर दिशा पटानी रहीं हैं। दूसरे स्थान पर प्रियंका चोपडा तो तिसरे स्थान पर दीपिका पादुकोण हैं।

लोकप्रियता में पहली बार दिशा ने प्रियंका और दीपिका को कडी टक्कर देकर उन पर मात की हैं। 100 अंकों के साथ स्कोर ट्रेंड्स इंडिया चार्ट्स पर दिशा ने नंबर वन स्थान हासिल किया हैं। यह आँकड़े अमरिका की मीडिया टेक कंपनी स्कोर ट्रेंड्स इंडिया द्वारा प्रमाणित और संशोधित किए गयें हैं।

दिशा पाटनी स्कोर ट्रेंड्स इंडिया चार्ट्स पर सोशल प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' पर सबसे आकर्षक अभिनेत्री के रूप में 100 का स्कोर करने वाली नई अग्रणी महिला हैं। ये आँकड़े यूएस-आधारित मीडिया टेक स्कोर ट्रेंड्स इंडिया द्वारा प्रमाणित और शोधित हैं। दिशा ने अपने मलंग के फर्स्ट लुक से खासकर युवाओं का ध्यान आकर्षित किया हैं। 2020 के शुरूआत में हीं ट्विटर पर सबसे ज्यादा लोकप्रिय बनी इस अभिनेत्री की छरहरी काया की वजह से भी युवाओं में यह अभिनेत्री काफी लोकप्रिय हैं।

दूसरे स्थान पर रहीं ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपडा जोनस दुनिया भर में अपने जलवे बिखेर रहीं है। प्रियंका की इस वक्त ग्लोबली काफी फैनफॉलोविंग हैं। 98 अंकों के साथ प्रियंका चोपड़ा जोनस ट्विटर में लोकप्रिय रहीं दूसरी अभिनेत्री हैं।

वहीं, सोशल मैसेज लेकर आयीं फिल्म 'छपाक' की वजह से दीपिका पादुकोण पिछले दिनों ट्विटर पर छायी रहीं। 84 अंकों के साथ दिशा ने लोकप्रियता में तीसरा स्थान हासिल किया हैं। युवाओं में इस वक्त यंग अभिनेत्री दिशा पाटनी की काफी चर्चा हैं। ट्विटर पर उनके हर एक पोस्ट पर युवाओं की आती प्रतिक्रियाएँ और एंगेजमेंट देखकर साफ पता चलता हैं। उनकी लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ रहीं हैं। प्रियंका चोपड़ा के ट्विटर पेज पर तो ग्लोबली एंगेजमेंट देखी गयीं हैं। प्रियंका-नीक के फोटो कों काफी एंगेजमेंट मिलती हैं। फिल्म 'छपाक' का प्रमोशन, जेएनयू की मीटिंग में रहीं दीपिका की मौजूदगी पर छिड़ा विवाद और 'छपाक' में दिखा दीपिका की लाजवाब परफॉर्मेंस इस वजह से दीपिका के ट्विटर पेज पर काफी एंगेजमेंट दिखी।

भारत में 14 भाषाओं में 600 से अधिक समाचार स्रोतों से डेटा एकत्र करते हैं। इनमें फेसबुक, ट्विटर, प्रिंट प्रकाशन, सोशल मीडिया, वायरल खबरें, प्रसारण और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

प्रीति चौधरी ने सोनी सब के 'जीजाजी छत पर हैं' में सरगम के रूप में की एंट्री

'जीजाजी छत पर हैं' परिवार में एक ऐसा मेहमान शामिल हो गया है, जो सीधे कनाडा से आया है। सोनी सब के गुदगुदा देने वाले कॉमेडी शो में सरगम की एंट्री होती नज़र आयेगी। इस किरदार को निभाया है प्रीति चौधरी ने।

खूबसूरत और आकर्षक, सरगम अपने म्यूज़िक और अपनी दिलकश अदाओं से दर्शकों पर अपना जादू चलाने को तैयार है।

इस शो में फिलहाल यह दिखाया जा रहा है कि इलायची (हिबा नवाब) लगातार पंचम (निखिल खुराना) को अपने प्यार की याद दिलाने की कोशिश कर रही है। साथ ही वह कोशिश कर रही है कि पंचम दोबारा उसके प्यार में पड़े। वैसे, इलायची की सारी कोशिशें बेकार जा रही हैं, क्योंकि एक नई लड़की इलायची की दुनिया में दाखिल होने को तैयार है।

एक संगीत प्रेमी पंचम जल्द ही सरगम से मिलने वाला है, जोकि उसकी तरह ही संगीत की शौकीन है। सरगम के पिता ने उसे भारत की संस्कृति के बारे में जानने के लिये वहां भेजा है। चांदनी चौक में भारतीय जड़ों को ढूंढने की कोशिश में, क्या उसे अपना प्यार वहां मिलेगा

क्या पंचम और सरगम का यह म्यूजिक कनेक्शन उसे किस्मत कनेक्शन तक लेकर जायेगा इस पर इलायची का रवैया कैसा होगा

सरगम की भूमिका निभा रहीं, प्रीति चौधरी ने कहा, 'कॉमेडी जोनर में यह मेरा डेब्यू है और पहली बार मैं एक मॉर्डन किरदार निभा रही हूं। इससे पहले मैंने काफी पारंपरिक भूमिकाएं निभायी हैं, इसलिये यह मेरे लिये बिलकुल ही नये तरह का मौका था। सरगम कनाडा की रहने वाली है, जोकि भारतीय संस्कृति देखकर दंग रह जाती है।

मेरे लिये सरगम अलग है, क्योंकि पहले मैंने टेलीविजल पर मैंने पारंपरिक भारतीय 'बहू' की भूमिका निभायी है और सरगम किरदार के उस दायरे से काफी अलग है और दर्शकों के लिये यह नये तरह का अनुभव होगा। मुझे इस बात की खुशी है कि दर्शक मुझे पहली बार इस शो में मॉर्डन अवतार में देखेंगे।

सेट पर इस भूमिका की तैयारी के अनुभव के बारे में बताते हुए प्रीति कहती हैं, 'जब मैं पहले दिन सेट पर पहुंची और कैमरे के सामने आयी तो पहले मैं थोड़ी डरी हुई थी, क्योंकि यह एक कॉमेडी शो है, इसका तरीका काफी अलग है। मैं किसी खास चीज के लिये अपने को-स्टार्स और डायरेक्टर से जरूर बात करती थी, लेकिन जैसे ही एक बार कैमरा शुरू होता था, मैं पूरी तरह से सरगम के किरदार में आ जाती थी। सारे कलाकार मिलनसार हैं और उनके साथ शूटिंग करने में काफी मजा आया।'

साथ ही प्रीति ने कहा, 'मैं इस प्रोडक्शन टीम के साथ भी काम करना चाहती थी और इस नये साल 'जीजाजी छत पर हैं' के रूप में कुछ नया मेरे जीवन में आया। मुझे इस नई भूमिका का बेसब्री से इंतजार है और मुझे उम्मीद है कि सरगम के साथ दर्शकों को यह मधुर सफर पसंद आयेगा।'